CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 14-02-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMFP User: cci Time: 02-13-2026 22:47 Color:

महानगर > मुंबई > शनिवार, 14 फरवरी 2026 > माघ 25, शक संवत 1947, फाल्गुन कृष्ण द्वादशी, विक्रम संवत 2082 WATCH GOD WATCHDOG वर्ष 77, संख्या 38 > मूल्य ₹6.00 > पेज 14 > आर. एन. आई. पंजीयन नंबर 1613/57 www.nbt.in

हैपी वैलंटाइंस डे
अनकही प्रेम कहानियां...
देखें पेज 11 पर

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

उत्सव NBT मुंबई 75

75 सालों का जश्न

NBT मुंबई अपनी 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। जश्न के इस मौके पर कल से अगले कुछ दिनों तक पढ़ें मुंबई की उन पहचानों के बारे में जो इस शहर को सपनों का शहर बनाती हैं।

▸▸पेज 3

खबरों के अंदर की बात
NBT Lens
देखें पेज 7, 8

अंतर्ज्ञान

हम दूसरों के लिए हमेशा उपस्थित रहते हैं, पर खुद के लिए नहीं। खुद को सुनने, समझने और संभालने की कला ही आत्म-करुणा है। अगर आप खुद के साथ नहीं हैं, तो दुनिया के साथ भी नहीं रह पाएंगे। अपने लिए उपस्थित होना आध्यात्मिक मजबूती की नींव है। जब आप खुद के लिए खड़े होते हैं, तभी दुनिया भी आपके लिए जगह बनाती है। आत्म-सहयोग सबसे बड़ा सहयोग है। जो अपने भीतर लौट सकता है, वह कभी अकेला नहीं पड़ता। आत्म-उपस्थिति वह शक्ति है, जो हर तूफान में आपको भीतर से स्थिर रखती है। लेकिन यह इतना आसान काम नहीं। इसके लिए रोज खुद के उपस्थित बने रहने का अभ्यास करना होगा।

मौसम

कोलाबा	32.2	21.9
सांताक्रूज	32.6	19.5
सूर्यास्त शनिवार	7:20 बजे	
सूर्योदय रविवार	6:05 बजे	

NBT नवभारत टाइम्स ...। सड़क व रेल की वाहन सेवा शुल्क 1.00 रुपया मुंबई, ठाणे और रायगढ़ जिले के बाहर।

बांग्लादेश में खालिदा के बेटे तारिक की बंपर जीत

BNP को दो तिहाई से ज्यादा बहुमत, पीएम बनना तय

■ पीटीआई, ढाका

बांग्लादेश में गुरुवार के आम चुनाव में बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी (BNP) ने बंपर जीत दर्ज की है। यह पार्टी दो तिहाई से ज्यादा सीटें जीतकर दो दशक बाद सत्ता में लौट रही है। बीएनपी के नेता तारिक रहमान मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार की जगह लेंगे और देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। वह पूर्व पीएम खालिदा जिया और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बेटे हैं। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के कारण शेख हसीना सरकार को जाना पड़ा था। ये चुनाव ऐसे समय में हुए जब देश उथल-पुथल भरी राजनीतिक शून्यता, अस्थिरता, नाजुक सुरक्षा स्थिति से गुजरा। जनता ने संवैधानिक सुधार से जुड़े जनमत संग्रह को भी मंजूरी दी है। नई सरकार के लिए उसे अंजाम तक पहुंचाना बड़ी चुनौती होगा।

चुनाव में 59.4% वोट, रेफरेंडम में 60.26% ने 'हां' कहा

35 साल बाद पुरुष पीएम...

BNP नेता तारिक रहमान के रूप में बांग्लादेश में 35 साल बाद कोई पुरुष पीएम बनेगा। 1988 में काजी जफर अहमद पीएम थे। फिर 1991 से 2024 तक देश में शेख हसीना और खालिदा जिया का दबदबा रहा था।

13वें संसदीय चुनाव में ऐसा जनादेश

BNP	212
जमात	77
अन्य	8
कुल सीटें	300
बहुमत	151

जमात क्यों सिरदर्द

कट्टरपंथी धड़े जमात-ए-इस्लामी ने नतीजों के आधिकारिक ऐलान में 'देरी' पर सवाल उठाए। इस दल ने पश्चिम बंगाल से सीमांत इलाकों में मजबूत प्रदर्शन किया है, जो भारत के लिए सिरदर्द हो सकता है।

NCP 6 पर सिमटी

शेख हसीना सरकार का तख्ता पलट करने वाले आंदोलन से निकली NCP को 6 सीटें मिलीं। जीते नेताओं में दिसंबर में पूर्वोत्तर को भारत से अलग करने की धमकी देने वाले हसनत अब्दुल्लाह भी हैं।

मोदी ने बधाई दी

पीएम नरेन्द्र मोदी ने BNP नेता तारिक रहमान को फोन कर बधाई दी। मोदी ने कहा कि मैंने बांग्लादेश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के उनके प्रयासों के प्रति समर्थन जताया है।

PMO अब सेवा तीर्थ, कर्तव्य भवन 1-2 भी शुरू

पीएम ने कहा, पुरानी इमारतें ब्रिटिश गुलामी का प्रतीक थीं

'सेवा तीर्थ' से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अपने नए ऑफिस से महिलाओं, किसानों और युवाओं से जुड़े कई अहम फैसले लिए।

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) का पता शुक्रवार से बदल गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पहले नए पीएम ऑफिस 'सेवा तीर्थ' की शुरुआत की। फिर शाम को कर्तव्य भवन 1 और 2 का लोकार्पण किया। इस दौरान PM ने कहा कि आजादी के बाद नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक जैसी इमारतों से देश के लिए नीतियां बनीं, कई निर्णय हुए। यह भी सच है कि ये पुरानी इमारतें ब्रिटिश शासन की हुकूमत का, गुलामी का प्रतीक थीं। गुलामी की इस मानसिकता से बाहर निकलना जरूरी था। साल 2014 में देश ने तय किया कि गुलामी की मानसिकता और नहीं चलेगी। हमारे इन फैसलों के पीछे हमारी सेवा भावना है। ▸▸पेज 14

दुनिया की ग्रोथ का नया इंजन बनेगा भारत: मोदी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दुनिया की ग्रोथ में देश के बढ़ते योगदान का जिक्र किया और कहा कि भारत दुनिया की ग्रोथ का नया इंजन बनेगा। ET NOW ग्लोबल बिजनेस समिट में पीएम ने कहा कि बीते दशक में वैश्विक महामारी, तनाव, जंग, सप्लाई चेन में रुकावट ...दुनिया ने बहुत कुछ देखा है। लेकिन कहा जाता है कि देश की ताकत संकट में ही सामने आती है। मुझे बहुत गर्व है कि कई रुकावटों के बावजूद यह दशक भारत के लिए विकास, शानदार डिलिवरी और लोकतंत्र को मजबूत करने वाला रहा है। पिछला दशक शुरू हुआ था तो भारत 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था था। उथलपुथल में और नीचे जाने की आशंका थी, पर आज भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। फ्री ट्रेड डील पर पीएम ने कहा कि आज कई विकसित देशों से डील हो रही है। पर यह 2014 से पहले क्यों नहीं हुआ? देश वही है, युवा शक्ति, सिस्टम वही है, बदलाव सरकार के विजन, नीति, नीयत और सामर्थ्य में आया है। ▸▸पेज 14

ट्रेड डील पर पीएम ने कहा, यह 2014 से पहले क्यों नहीं हुआ

अतिक्रमण हटाने पर BMC का रुख है चौंकाने वाला: HC

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई : पवई की एक सड़क से अतिक्रमण नहीं हटाने पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने BMC को फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि सड़क को निजी संपत्ति बताकर कार्रवाई से बचना बताना है और यह शक्तियों के पूर्ण परित्याग के समान है। कोर्ट ने साफ किया कि BMC अपनी वैधानिक जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हट सकती। न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति अभय मंत्री की खंडपीठ ने कहा कि BMC का रुख चौंकाने वाला है।

पवई की एक सड़क का मामला

मामला ब्लूमिंग एसएनएसआई स्कूल और उसकी प्राचार्य कल्याणी पटनायक की याचिका पर सुनवाई के दौरान उठा। याचिका में आरोप लगाया गया कि स्कूल के पास की सड़क पर झुग्गी बस्तियां बस गई हैं, लेकिन उन्हें हटाने के बजाय BMC ने वहां शौचालय और पानी की सुविधा उपलब्ध कराई।

भिवंडी मनपा महापौर का चुनाव 20 को

■ NBT न्यूज, भिवंडी : कई दिनों से टल रहे भिवंडी महापौर के चुनाव की घोषणा कर दी गई है। 20 फरवरी को चुनाव होगा। महापौर एवं उपमहापौर के लिए 16 फरवरी को दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किया जा सकता है। शुक्रवार 20 फरवरी को दोपहर 12 बजे स्व. विलासराव देशमुख सभागृह में मतदान होगा। ▸▸पेज 8

16 फरवरी को है नामांकन

237 अवैध बर्थ सर्टिफिकेट जब्त करें: मेयर

अवैध फेरीवालों, भ्रष्टों और बांग्लादेशियों की खैर नहीं: तावडे

■ NBT, रिपोर्ट, मुंबई: महापौर रितु तावडे ने शुक्रवार को बीएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों, मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और बीजेपी नेता किरीट सोमैया के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने फुटपाथ पर अवैध कब्जा करने वाले फेरीवालों को फौरन हटाने के निर्देश दिए। इसके साथ संदिग्ध बांग्लादेशियों के प्रमाणों की सही ढंग से जांच करने की बात कही। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई करें।

बैठक में 237 कथित फर्जी जन्म प्रमाणपत्रों का मामला प्रमुखता से उठा। महापौर ने निर्देश दिए कि सभी संदिग्ध प्रमाणपत्र एक माह के भीतर जब्त किए जाएं। साथ ही फेरीवालों के जन्म प्रमाणपत्र और अन्य पहचान दस्तावेजों की व्यापक जांच की जाए। तावडे ने कहा कि 1 जनवरी 2016 से अब तक जारी सभी जन्म प्रमाणपत्रों और संबंधित रिकॉर्ड की दोबारा जांच की जाए। स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कासारे और संजय मुंडे की भूमिका की जांच जारी है। अब तक आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

सुनेत्रा ही होंगी NCP की अध्यक्ष : प्रफुल्ल

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई : अजित पवार के निधन के बाद उपमुख्यमंत्री बनीं सुनेत्रा पवार ही एनसीपी की अध्यक्ष बनेंगी। यह जानकारी पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने दी। पटेल ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी की प्राथमिकता संगठन को मजबूत करना है। सुनेत्रा पवार 15 दिनों में एनसीपी राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभालेंगी।

15 दिनों में पूरी होगी प्रक्रिया

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 14-02-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMTEN User: cci Time: 02-13-2026 22:48 Color:

संवाद
नवभारत टाइम्स
नवभारत टाइम्स । मुंबई । शनिवार, 14 फरवरी 2026

सकारात्मक संकेत
बांग्लादेश चुनाव का भारत पर असर

बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी (BNP) के प्रमुख तारिक रहमान 17 साल बाद जब अपने देश लौटे तो उनका पहला सार्वजनिक बयान था कि मेरे पास एक प्लान है। अब जब वह देश की कमान संभालने के लिए तैयार हैं, तो डेढ़ साल से अस्थिरता और गंभीर सुरक्षा संकट झेल रहे बांग्लादेश को एक कारगर प्लान की जरूरत भी पड़ेगी। बांग्लादेश की जनता को उनसे बहुत उम्मीदें हैं।

संतुलित रुख । तारिक ने अपने भाषण में दो बातों पर खास जोर दिया था। एक, धर्म व्यक्ति का विषय है और वह ऐसा सुरक्षित बांग्लादेश बनाना चाहते हैं, जो सभी का हो। दूसरे, उन्होंने बांग्लादेश के हितों को प्राथमिकता देने की बात कही थी। उनका रुख अंतरिम सरकार की तुलना में ज्यादा सुलझा और सकारात्मक है। मोहम्मद यूनुस के दौर में बांग्लादेश का झुकाव चीन-पाकिस्तान की तरफ ज्यादा दिखा।

BNP की जीत

भारत का संदेश । तारिक रहमान ने ज्यादा संतुलित रवैया अपनाया है। उन्होंने भारत विरोधी भावनाओं को भड़काया नहीं, बल्कि सभी को लेकर चलने की बात कही। भारत ने भी समय-समय पर बताया है कि वह बदले नेतृत्व के साथ रिश्ते बढ़ाने के लिए तैयार है। BNP की जीत पर तारिक को बधाई देने वाले सबसे पहले वैश्विक नेताओं में पीएम नरेंद्र मोदी रहे। उन्होंने दोनों देशों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रिश्तों की बात कर संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की पहल कर दी है।

साझा हित । भारत और बांग्लादेश के हित कई क्षेत्रों में साथ जुड़े हुए हैं। भले ही नई दिल्ली ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को शरण दी हो, लेकिन उसने बांग्लादेश के आंतरिक मामलों से हमेशा दूरी बनाकर रखी। हालांकि जमात-ए-इस्लामी की तुलना में BNP ज्यादा उदार चेहरा है और उसकी बड़ी जीत बताती है कि बांग्लादेश के आम लोगों को भी जमात की कट्टरपंथी विचारधारा पर यकीन नहीं। ऐसे में भारत और बांग्लादेश हाल में आई दूरी को पाट सकते हैं।

जनादेश का सम्मान । दूसरे देशों की संप्रभुता और वहां के जनादेश का सम्मान भारत की नीति रही है। पीएम मोदी का संदेश बताता है कि भारत आगे बढ़ने को तैयार है। इससे पहले भी तमाम तनाव के बावजूद भारत ने पूर्व पीएम खालिदा जिया के इलाज की पेशकश की थी और फिर उनकी मौत पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ढाका पहुंचे थे। अब अगला कदम बांग्लादेश को उठाना होगा। सकारात्मक है कि BNP ने भी संबंधों को मजबूती देने की बात कही है।

अंतर्दृष्टि

बाहरी नहीं, भीतर की दुनिया को जीतना है ज़रूरी

मानव इतिहास में ऐसे असंख्य उदाहरण मिलते हैं जहां लोगों ने बाहरी दुनिया को जीतने का प्रयास किया, पर अंततः स्वयं से हार गए। सिकंदर महान ने विशाल साम्राज्य जीता, देशों को पराजित किया, सीमाएं तोड़ीं। पर जब वह जीवन के अंतिम क्षणों में था, तो उसके हाथ खाली थे। वह संसार जीत सका, पर मृत्यु को नहीं रोक सका। उसकी कथा हमसे एक गहरा सवाल पूछती है- क्या बाहरी जीत ही सबसे बड़ी जीत है? आज भी हम उसी भ्रम में जीते हैं। हम मानते हैं कि धन, शक्ति, पद और प्रसिद्धि हमें स्थायी सुख देंगे। हम जितना अधिक अर्जित करते हैं, उतना अधिक आश्वस्त होना चाहते हैं कि अब जीवन सुरक्षित है। पर इतिहास बार-बार यह दिखाता है कि जिंदगी के सागर में बाहरी उपलब्धियों की लहरें जितनी तेजी से चढ़ती हैं, वे उतनी ही अस्थिर भी होती हैं और उतनी ही तेजी से उतर भी जाती हैं। आधुनिक समाज में भी ऐसे अनेक उदाहरण सामने आए हैं, जहां अपार धन और प्रभाव रखने वाले लोग अंततः असंतोष, अकेलेपन या विकारों में उलझ गए। जब व्यक्ति सुख को खरीदने की वस्तु समझ लेता है, तो वह भूल जाता है कि सुख वस्तु नहीं, अवस्था है। बाहरी साधनों से सुविधा खरीदी जा सकती है, पर शांति नहीं। धन से संसाधन मिलते हैं, पर आत्मिक संतुलन नहीं।

सुंदर चंद ठाकुर

शक्ति और प्रतिष्ठा भी स्थायी नहीं होतीं। जो व्यक्ति केवल बाहरी मान्यता पर निर्भर होता है, वह भीतर से असुरक्षित बना रहता है। उसे निरंतर प्रमाण चाहिए कि वह सफल है, प्रभावशाली है, सम्मानित है। यह निर्भरता ही उसकी कमजोरी बन जाती है। जैसे ही परिस्थितियां बदलती हैं, उसका संतुलन डगमगा जाता है। इसके विपरीत, जिन लोगों ने भीतर की दुनिया को साधने का प्रयास किया, उन्होंने एक अलग प्रकार की स्वतंत्रता पाई। योगियों और साधकों की परंपरा हमें यह बताती है कि असली विजय स्वयं पर होती है। जिसने अपने मन को समझ लिया, अपनी इच्छाओं को पहचान लिया, उसे बाहरी परिस्थितियां आसानी से नहीं हिला पातीं।

योग का अर्थ संसार से भागना नहीं है। उसका अर्थ है निर्भरता से मुक्त होना। जब व्यक्ति अपने सुख को बाहरी वस्तुओं पर आधारित नहीं रखता, तब वह सहज हो जाता है। वह कर्म करता है, पर आसक्ति से मुक्त होकर। वह संबंध निभाता है, पर उनसे अपनी पहचान नहीं बनाता। यही आंतरिक स्वतंत्रता है। अंततः सवाल यह नहीं है कि हम दुनिया जीत सकते हैं या नहीं। सवाल यह है कि क्या हम स्वयं को जीत सकते हैं। बाहरी विजय अस्थायी है। आंतरिक विजय स्थायी है। जिसने भीतर की स्वतंत्रता पा ली, उसे संसार की उपलब्धियां भी बांध नहीं पातीं। और शायद जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है-बाहरी दुनिया में सक्रिय रहकर भी भीतर से स्वतंत्र रहना।

ऑफ़ दि ट्रैक

कैंसर आएगा क़ाबू में

दिलीप लाल

कैंसर आज भी सबसे जानलेवा बीमारियों में है। ज्यादातर मामलों में इसका पता अडवांस स्टेज पर चलता है। ऐसे में एक स्टडी उम्मीद जगाती है कि अगर खयाल रखा जाए, तो इस बीमारी के 40% मामलों को बढ़ने से रोका जा सकता है। नेचर मेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित हालिया रिसर्च के अनुसार, 2022 में कैंसर के करीब 1.87 करोड़ नए केस मिले थे। इनमें से लगभग 71 लाख का संबंध कैंसर के ऐसे कारणों से था, जिन्हें बदला या नियंत्रित किया जा सकता है। यह अध्ययन 185 देशों में कैंसर के 36 कारणों के विश्लेषण पर आधारित है। अध्ययन में पाया गया कि अगर तंबाकू से दूरी बनाई जाए, तो कैंसर के लगभग 15% मामले रोके जा सकते हैं। अन्य मुख्य कारणों में 10% इंफेक्शन और 3% शराब है। खानपान और रहन-सहन में सावधानी बरतें तो फेफड़ों, पेट और गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर पर सबसे ज्यादा काबू पाया जा सकता है। WHO से जुड़े शोधकर्ताओं का कहना है कि इन कारणों से बचाव भविष्य में कैंसर कम करने के लिए प्रभावी तरीका हो सकता है। पहले के अध्ययनों में मुख्य रूप से कैंसर से होने वाली मौतों पर ध्यान दिया गया था, लेकिन यह अध्ययन सीधे रोकथाम की संभावनाओं के आंकलन पर है। विशेषज्ञों की सलाह है कि इन कारणों पर काबू पा लिया जाए तो एक तिहाई से ज्यादा कैंसर के मामलों को अपना असर दिखाने से पहले रोका जा सकता है।

जीत पर संदेह नहीं, मगर सिक्के के दूसरे पहलू को नहीं कर सकते नज़रअंदाज़

भारत को ग़लतियां सुधारनी होंगी

मनोज जोशी

यह सुनने में अच्छा लगता है कि पिछला T20 क्रिकेट विश्व कप जीतने के बाद से हमारा रेकॉर्ड अन्य टीमों के मुकाबले दमदार है। तब से हमने कोई सीरीज नहीं गंवाई है। पाकिस्तान के खिलाफ T20 विश्व कप में टाई मैच में मिली जीत के साथ 7-1 का रेकॉर्ड और पिछले T20 एशिया कप में लगातार तीन बार पटखनी देने से हर भारतीय गदगद है। लगता है इस बार भी ऐसा होगा। सीमा पार से टीवी फोड़ने के दृश्य भी देखने को मिलेंगे। देश की हर गली में जश्न मनेगा।

सिक्के का दूसरा पहलू । यह तो सिक्के का एक पहलू है। मगर दूसरे पहलू को हमें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसमें थोड़ा फीयर फैक्टर है। हमने इस विश्व कप में दो मैच खेले हैं, लेकिन हमारा चैंपियन वाला अंदाज नहीं दिखा। मध्यक्रम स्ट्रगल करता दिख रहा है। दो एसोसिएट टीमों के गेंदबाज हमारे बल्लेबाजों पर हावी दिखे। हमारी ही जमीं पर स्पिनर भी हम पर हावी हैं।

अमेरिका ने पानी पिलाया । T20 विश्व कप के शुरुआती दो मुकाबलों में विपक्षी हमसे 20 दिखे। अमेरिका और नामीबिया के सामने हमारे प्रदर्शन ने यह सोचने पर मजबूर किया है कि मजबूत टीमों के खिलाड़ियों से हम कैसे भिड़ेंगे। नामीबिया के सामने तो हम 11 गेंदों पर 3 रन बना सके और 5 विकेट गंवा दिए। पिछले T20 विश्व कप में पाकिस्तान को हराने वाली अमेरिका की टीम ने भी हमें पानी पिला दिया। पावरप्ले में चार विकेट लेकर और 77 रनों पर 6 विकेट झटक कर उसने हमें संकट में ला दिया था।

घेरने की तैयारी । पाकिस्तान टीम के कोच माइक हेसन ग्राउंड रियलिटी में यकीन रखते हैं। इसलिए, उनका जोर पाकिस्तान की पेस बोलिंग की जगह स्पिन पर है। रणनीति कारगर दिख रही है। पाकिस्तानी टीम अब एक पार्ट टाइम स्पिनर के साथ 5 स्पिन गेंदबाजों का इस्तेमाल कर रही है। अमेरिका के खिलाफ सिर्फ तेज गेंदबाज के रूप में शाहीन शाह अफरीदी ही थे। टीम ने बाकी 16 ओवर स्पिनर्स से फेंकवाए। माइक हेसन भारत को भारत के अंदाज में घेरना चाह रहे हैं।

पाकिस्तान की ताकत । भारतीय बल्लेबाज शादाब और नवाज को आसानी से खेल सकते हैं। शादाब औसत स्पिनर हैं और बाएं हाथ के नवाज बल्लेबाज को फुल लेंथ खिलाने के लिए मजबूर करते हैं। यह हमारे खिलाड़ी जानते हैं। उस्मान तारिक को फायदा मिल सकता है, क्योंकि भारतीय बल्लेबाज के सामने उन्होंने कभी गेंद नहीं फेंकी है। दूसरी खास बात है कि वह ऑफ स्पिनर हैं और भारत के शीर्ष 8 बल्लेबाजों में 6 बाएं हाथ से खेलते हैं। उस्मान की कैरम बॉल वैरिएशन लाती है। अपनी इन खूबियों से वह 4 T20 मैचों में 11 विकेट ले चुके हैं।

अबरार और सैम की रणनीति । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अबरार अहमद अपने हाई आर्म ऐक्शन के साथ गुगली और लेग ब्रेक गेंद फेंकते हैं। अमूमन उनकी लेंथ एक सी रहती है। उन्होंने अपने 75% से अधिक विकेट गुड लेंथ गेंद फेंक कर झटके हैं। वह बीच के ओवरों में रन बचाकर सामने वाली टीम पर दबाव डालते हैं। पाकिस्तान टीम के ओपनर सैम अयूब से पावरप्ले में बचना जरूरी होगा। हालांकि, पिछले 25 मुकाबलों में उन्होंने 2 अर्धशतक जड़े हैं, लेकिन पावरप्ले में अपनी सटीक बोलिंग से वह टीम में बने हुए हैं। उन्होंने पावरप्ले में अब तक 10 विकेट लिए हैं। वह ऑफ और लेग स्पिनर दोनों हैं। वह शार्प टर्न भी कर लेते हैं और कैरम बॉल भी फेंकते हैं।

ओवर कॉन्फिडेंस से बचना जरूरी । टीम इंडिया को ओवर कॉन्फिडेंस से बचने की जरूरत है। टीम में कई पावर हीटर हैं और हर खिलाड़ी हर गेंद पर छक्का मारने की कोशिश करता है। हालांकि, टीम यह संतुलन दिखा रही है। पहले मैच में सूर्यकुमार ने शुरुआती गेंदों पर बेहद सावधानी बरती और यही काम हार्दिक पांड्या ने दूसरे मैच में किया। इसके अलावा, हमारे खिलाड़ियों को बाउंड्री पर आउट होने से बचना होगा। पहले मैच में हमारे चार बल्लेबाज बाउंड्री पर लपके गए। कोलंबो का मैदान बड़ा है और वहां जब तक पूरा भरोसा न हो तब तक बड़े शॉट्स खेलने से बचना चाहिए। अगर वहां हम जीत गए तो भारत को T20 विश्व कप में पाकिस्तान को आठवीं बार हराने से कोई नहीं रोक सकता।

(लेखक वरिष्ठ खेल पत्रकार और टीवी कॉमेंटेटर हैं)

AI Image

सोशल मीडिया की साज़िश!

कैलिफोर्निया में सोशल मीडिया कंपनियों पर ऐतिहासिक मुकदमा चल रहा है। मेटा, गूगल पर आरोप है कि उन्होंने जानबूझकर ऐसे प्लैटफॉर्म बनाए, जो बच्चों और किशोरों को उनका लती बना रहे हैं। जानिए कितना गंभीर है मामला।

5 पॉइंट

1 नाबालिग का आरोप
अमेरिका की एक नाबालिग ने लॉस एंजिल्स सुपीरियर कोर्ट में कहा है कि किशोरावस्था में इंस्टाग्राम और यूट्यूब की लत के कारण उसे गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा।

2 ईमेल का हवाला
पीड़िता के वकील मार्क लेनियर ने अदालत में दावा किया है कि कंपनियों ने एडिक्शन मशीन बनाई। 2015 का ईमेल दिखाया, जिसमें मार्क जकरबर्ग ने प्लैटफॉर्म पर 12% अधिक समय बिताने का लक्ष्य रखा था।

3 युवा आबादी टारगेट
लेनियर ने यूट्यूब पर खास आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वीडियो स्ट्रीमिंग प्लैटफॉर्म ने जानकर युवाओं को टारगेट किया, क्योंकि उनसे ज्यादा विज्ञापन राजस्व मिलता है। इसे अभिभावकों के लिए डिजिटल बेबीसिटर की तरह पेश किया।

4 स्नैपचैट-टिकटॉक का समझौता
स्नैपचैट और टिकटॉक ने पीड़िता से समझौता कर लिया। पीड़िता के पक्ष में फैसला आने पर मेटा और गूगल को भारी जुर्माना भरना पड़ेगा। करीब 1,600 अन्य मामलों पर भी इसका असर पड़ सकता है।

5 पूरे देश में चिंता
सोशल मीडिया की लत को लेकर चिंता व्यापक है। अमेरिका के 29 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने मेटा से 13 वर्ष से कम आयु वालों के अकाउंट डिलीट करने की मांग की है।

प्रस्तुति: अभिषेक मिश्र

सरकार की सहमति बिना चर्चा संभव नहीं

सदन में अब काम कम और हंगामा ज्यादा देखने को मिल रहा है। सरकार का कहना है कि विपक्ष संसदीय कार्यवाही में बाधा डाल रहा, जबकि विपक्ष का आरोप है कि उसे बोलने नहीं दिया जा रहा। इस बढ़ते गतिरोध, टकराव, संसदीय प्रक्रिया, स्पीकर की शक्तियों, संवैधानिक प्रावधान और विपक्ष की बोलने की आजादी जैसे मुद्दों पर लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी आचार्य से ***अजय प्रताप तिवारी*** *की बातचीत। पेश हैं प्रमुख अंश :*

सप्ताह का इंटरव्यू
पीडीटी आचार्य

> सदन पक्ष और विपक्ष के तालमेल से चलता है। विपक्ष को अपनी बात कहने के लिए पूरी आजादी चाहिए, जबकि सरकार अपने तरीके से चलेगी। यहां संसद इसलिए नहीं चल पाती क्योंकि विपक्ष की बातें अक्सर मानी नहीं जाती

■ **लोकसभा स्पीकर द्वारा विपक्षी सांसदों के निलंबन का संवैधानिक आधार क्या है, और क्या यह अनुच्छेद 75(1) का उल्लंघन है?**

सांसदों का निलंबन सदन करता है, न कि स्पीकर। स्पीकर केवल संबंधित सांसदों के नाम चिह्नित करते हैं। इसके बाद सस्पेंशन मोशन लाना पड़ता है। यह प्रस्ताव मंत्री लेकर आते हैं। इस पर वोटिंग होती है और फिर निलंबन।

■ **क्या विपक्ष को राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर अनिवार्य चर्चा का संवैधानिक अधिकार है, या यह सदन की प्रक्रिया पर निर्भर करता है?**

भारतीय संविधान ने अनुच्छेद 105 के तहत सदन में सभी सदस्यों को बोलने की आजादी दी है। फ्रीडम ऑफ स्पीच को थोड़ा रेस्ट्रिक्शन (पाबंदी) और रूल (नियम) के दायरे में रखा जाता है। डोकलाम जैसे राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे पर चर्चा करने का पूरा अधिकार है। विपक्ष कोई भी मुद्दा उठा सकता है, उस पर चर्चा करा सकता है। नियम के अनुसार, जिस विषय पर चर्चा होनी है, उसके लिए विशेष एडवाइजरी कमिटी बैठती है। कमिटी की अध्यक्षता स्पीकर करते हैं। कमिटी तय करती है कि सदन में किस विषय पर चर्चा होनी है और किस पर नहीं। विपक्ष ने डोकलाम पर चर्चा की मांग रखी पर सत्ता पक्ष सहमत नहीं हुआ। जब सरकार सहमत न हो, तो मुश्किल होती है। सत्ता पक्ष की सहमति के बिना किसी भी मुद्दे पर चर्चा संभव नहीं। इसी वजह से विपक्ष गुस्से में रहता है कि उसकी कोई बात सुनी नहीं जाती।

■ **संसदीय गतिरोध के दौरान राष्ट्रपति की संवैधानिक भूमिका (अनुच्छेद 85) क्या होनी चाहिए, विशेष रूप से सत्र स्थगन में?**

राष्ट्रपति सदन को संदेश भेज सकते हैं। यह संदेश किसी विधेयक या अन्य किसी विषय से संबंधित हो सकता है। लेकिन, राष्ट्रपति ऐसा कोई संदेश प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाले मंत्रिपरिषद की सलाह के बिना नहीं भेज सकते। जब संसद में गतिरोध होता है, तो राष्ट्रपति कुछ नहीं कर सकते।

■ **बिना बहस बिल पास करना अनुच्छेद-107 का उल्लंघन क्यों माना जाता है, और इसका समाधान क्या हो सकता है?**

अनुच्छेद-107 में कहा गया है कि जब तक दोनों सदनों का एग्रीमेंट नहीं होता, बिल पास नहीं हो सकता। एग्रीमेंट तब होगा, जब आप बिल की विषय वस्तु को समझेंगे। एग्रीमेंट के स्थान पर एडॉप्ट शब्द प्रयोग होता, तो हम कह सकते कि कुछ भी एडॉप्ट कर लिया। अनुच्छेद-107 में एग्रीमेंट शब्द का तात्पर्य है, दोनों सदनों को समझना चाहिए कि क्या है एग्री और इसके लिए चर्चा जरूरी है।

■ **विपक्ष के हंगामे और सत्ता पक्ष के बहुमत का उपयोग संविधान की मूल संरचना को कैसे प्रभावित करता है?**

बेसिक स्ट्रक्चर से इसका कोई मतलब नहीं है। सदन को चलाने के लिए स्पीकर बैठे हैं। सदन पक्ष और विपक्ष के तालमेल से चलता है। विपक्ष को अपनी बात कहने के लिए पूरी आजादी चाहिए, जबकि सरकार अपने तरीके से चलेगी। यहां संसद इसलिए नहीं चल पाती क्योंकि विपक्ष की बातें अक्सर मानी नहीं जातीं। संसद में ज्यादातर विषयों पर चर्चा होनी चाहिए। संसद में तभी पूरी तरह से काम हो पाएगा, जब विपक्ष को विश्वास हो जाएगा कि उसकी बात सुनी जा रही है।

■ **संसदीय विशेषाधिकार (अनुच्छेद 105) के तहत विपक्षी सांसदों को अभिव्यक्ति की कितनी स्वतंत्रता मिलनी चाहिए?**

अनुच्छेद 105 के अंतर्गत सदन में सभी सदस्यों को बोलने की आजादी है, लेकिन सब्जेक्टिव ऑफ रूल्स के अनुसार। इसका मतलब यह नहीं कि रूल्स संविधान के अनुच्छेद पर हावी होगा। सभी सदस्यों को सदन में बोलने की आजादी मिलनी चाहिए। अशोभनीय बातों को बहस से निकाल देना चाहिए। सदस्यों को ऐसा एहसास नहीं होना चाहिए कि उन पर किसी का दबाव है। आजादी कोई लाइसेंस नहीं है, यह आजादी ही है। अपनी बात कहने के लिए आजादी मिलनी ही चाहिए।

■ **गतिरोध समाप्त करने के लिए पीएम और विपक्ष के नेता के बीच संवाद संवैधानिक रूप से कैसे बाध्यकारी हो सकता है?**

पीएम और लीडर ऑफ अपोजिशन के बीच संवाद होना ही चाहिए। इससे गतिरोध दूर हो सकते हैं। संसदीय प्रक्रिया के तहत प्रधानमंत्री और विपक्ष के बीच वार्तालाप चलता रहता है। दूसरे देशों में पीएम कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विपक्ष को विश्वास में लेते हैं। जहां संसदीय प्रणाली है, वहां यह प्रथा है। इससे विपक्ष का तनाव और सदन में गतिरोध दूर हो जाता है, लेकिन यहां ऐसा नहीं होता।

---

www.nbt.in

पिंपरी की चाय और दादा

खुद अपनी आंख से

आलोक गागड़ेकर

जब भी मैं पुणे के पिंपरी में अपने कंजर भाट दोस्तों से मिलने जाता, तो अक्सर उसी दुकान पर चाय पीता, जहां कभी अजित पवार जाया करते थे। उन्हें कंजर भाट समुदाय के दोस्तों ने उस दुकान पर आमंत्रित किया था। इसके बाद तो उन्होंने युवाओं का मान रखने के लिए कई बार उस दुकान पर चाय की चुस्की ली। इस दुकान पर अजित दादा ने घंटों बिताए होंगे। यह घटना बताती है कि महाराष्ट्र के 6 बार डिप्टी सीएम रहे अजित पवार किस तरह जमीन से जुड़े नेता थे।

साल 1992 में पिंपरी क्षेत्र से ही उन्होंने अपनी राजनीति की मजबूत शुरुआत की। उनकी पकड़ यहां इतनी मजबूत रही कि लोग इसे अंगद के पांव की तरह अडिग मानते हैं। उन्होंने कंजर भाट समुदाय के लोगों को अपनी पार्टी से जोड़ा और उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश की। उनके मार्गदर्शन में कई परिवार झोपड़-पट्टी से निकलकर पक्के मकानों में रहने लगे। उस समय समुदाय के कुछ युवा कच्ची शराब के धंधे में भी शामिल थे, उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए गए। उन्हीं प्रयासों में एक पहल यह भी थी कि अजित पवार रोज गणपति मंडप में आकर लोगों से मिलते, उन्हें संबोधित करते और सरकारी योजनाओं की जानकारी देते। उनके भाषण गंभीर मुद्दों पर होते थे, लेकिन वह उन्हें आसान और हल्के अंदाज में कहते, इसलिए बीच-बीच में हंसी के ठहाके भी गूंजते रहते।

अजित पवार ने समुदाय के लोगों को नए-नए रोजगार की तरफ प्रेरित किया। वह चाहे किसी भी गठबंधन में रहे हों, सरकार में हों या विपक्ष में - कंजर भाट समाज के लिए उनका रुख रचनात्मक रहा। उनका साथ पाकर बड़ी संख्या में युवा राजनीति में उतरे और आज भी आ रहे हैं।

पिंपरी हमेशा से कामगारों का इलाका रहा है। यहां के लोगों की ऊर्जा और उत्साह को पवार दादा ने अच्छी तरह समझा। छठे और सातवें वेतन आयोग को लागू कराने में भी उनके प्रयास अहम माने जाते हैं। आज कई कंजर भाट परिवार दिहाड़ी मजदूरी से निकलकर सरकारी व्यवस्था से जुड़े हैं, इसका श्रेय उनके प्रयासों को दिया जाता है। उनके आकस्मिक निधन ने पूरे समुदाय को गहरे दुख में डाल दिया है। लोगों की आंखों में आंसू हैं और उन आंसुओं में अजित दादा की छवि साफ दिखाई देती है। मैंने पहली बार देखा कि हमारे समुदाय के लोग किसी नेता के निधन पर इस तरह भावुक होकर रोए हों। यह सम्मान और अपनापन उनके काम और व्यवहार की वजह से मिला। मौत से पहले भी उन्होंने समुदाय की बस्ती में मरम्मत कार्य को मंजूरी दी थी। एक छोटे-से समुदाय के प्रति उनके मन में जो संवेदनशीलता थी, उससे दूसरे नेताओं को सीख लेने की जरूरत है।

चलते-चलते...

हाथी अपनी मोटी त्वचा और कमजोर दृष्टि के कारण आसपास की वस्तुओं को महसूस नहीं कर पाता। हालिया वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार हाथी की सूंड पर मौजूद लगभग 1,000 छोटे-छोटे बाल (व्हिस्कर्स) इस काम में मदद करते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि इन बालों की जड़ सख्त और सिरा मुलायम होता है, जिससे बिना हिलाए भी वे स्पर्श का सटीक स्थान पहचान लेते हैं।

रीडर्स मेल

▸ बुजुर्गों की उपेक्षा न हो

बुढ़ापा जीवन की वह संध्या है, जब मनुष्य को सबसे अधिक सहारे, अपनत्व और सम्मान की आवश्यकता होती है। यह वह समय होता है जब थका हुआ शरीर विश्राम चाहता है और मन अपने ही लोगों के बीच सुरक्षा का एहसास खोजता है। लेकिन विडंबना यह है कि जिस उम्र में माता-पिता को अपने बच्चों के स्नेह और साथ की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, उसी समय वे अक्सर उपेक्षा, अकेलेपन और भावनात्मक पीड़ा का सामना करने को मजबूर हो जाते हैं। एकल परिवारों के बढ़ते चलन और रोजगार की तलाश में शहरों की ओर हो रहे पलायन ने बुजुर्गों को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि अभी भी ऐसे लोग हैं, जो तन, मन और धन से अपने माता-पिता की सेवा को अपना सौभाग्य मानते हैं।

विभूति बुपक्या, ईमेल से

▸ निस्वार्थ प्रेम, सच्चा प्रेम

संत कबीर ने कहा है, पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय, ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय। प्रेम की परिभाषा संत, महात्माओं और अन्य सभी महापुरुषों ने अपने-अपने अलग-अलग तरीकों से दुनिया को समझाई है। भगवान श्री कृष्ण की भक्त मीरा ने भगवान के प्रेम की खातिर विष का प्याला पी लिया था। भगवान श्री राम ने अपनी भक्त शबरी के जूठे बेर खाए थे, यह भगवान श्री राम का भक्तों के प्रति प्रेम का उदाहरण है। प्रेम के बिना इस सृष्टि में न तो सौहार्दपूर्ण माहौल बन सकता है और न ही संसार शांतिपूर्वक आगे बढ़ सकता है। प्रेम से ही दुनिया से धर्म, संप्रदाय, जात-पात, अमीर-गरीब, ऊंच-नीच के बंधन कट सकते हैं, लेकिन यह भी तभी संभव हो सकता है जब प्रेम का बंधन स्वार्थहीन हो।

राजेश कुमार चौहान, ईमेल से

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 14-02-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMARTH User: cci Time: 02-13-2026 22:17 Color:

मोहब्बत की अनोखी कहानियां, जहां न धर्म की बेड़ियां टिकीं, न कुदरत की दुश्वारियां, मिलिए इन कपल्स से :

जब प्रेम की कोंपल फूटती है, तो उसे फूल बनाने की ताकत भी जेहन में आ जाती है। जमाना तमाम रोड़े अटकाए, तिरस्कार करे, सजा सुनाए, लेकिन मोहब्बत हमेशा कुदरत की अदालत से बाइज्जत बरी होती है। दूसरों के लिए उम्मीद की रौशनी पैदा करती है और दुनिया को नई राह दिखाती है। आज वैलेंटाइंस डे पर उन प्रेम कहानियों की बात, जो ऊंच-नीच, कमतरी के अहसास और सामाजिक उपेक्षा से लड़कर यहां तक पहुंचीं :

ये इश्क नहीं इतना भी मुश्किल...

'लगा मैं ट्रांस हूं, वो टाइमपास कर रहा है, आज शादी को 10 साल'

फख्र से कहता हूं- मैंने एक ट्रांस से शादी की, उससे प्यार करता हूं

■ महेंद्र गुप्ता

'पहले मुझे लगा कि कोई मनचला यूं ही टाइम पास कर रहा है, वह भी दूसरों की तरह होगा, उसके मैसेज का जवाब देना समय की बर्बादी है, लेकिन जब वह लगातार फेसबुक पर मैसेज करता रहा, तो मन किया एक बार बात करूं। फिर हम दोनों हर रोज बातें करने लगे। वो मेरा अच्छा दोस्त बन गया। लगा मामला दोस्ती तक ही रहेगा, लेकिन उसकी आंखों में मुझे अपने लिए प्यार दिखा, पर हो भी तो ऐसे प्यार का क्या भविष्य। वह पुरुष, युवा और मैं ट्रांसजेंडर। यहीं तक रह जाती हमारी प्रेम कहानी। लेकिन मैं फिर उसका प्यार करना भी कम नहीं। खैर, मैं गलत थी। फेसबुक से शुरू हुआ वह रिश्ता शादी तक जा पहुंचा। खुलेआम शादी की, धूमधाम से शादी की। हल्दी लगी, मेहंदी लगी, ढोल बजे। लोगों ने कहा कि यह एक पुरुष और ट्रांसजेंडर की देश में हुई पहली ओपन मैरिज है। आज हमारी शादी को 10 साल पूरे हो गए हैं।'

ये शब्द माधुरी सरोदे शर्मा के हैं। जिनकी प्रेम कहानी दिलचस्प है। तमाम मुश्किलें पार कर उनका रिश्ता शादी तक तो आ गया था, लेकिन आगे और बड़ी लड़ाई थी। यूपी के जौनपुर से ताल्लुक रखने वाला जय का परिवार शुरू में इस रिश्ते को स्वीकार नहीं कर पाया। माधुरी कहती हैं, 'मेरी सास ने एक साल मुझसे बात नहीं की। लेकिन जब वह मेरे साथ रहने कल्याण आईं और देखा कि मैं आम गृहिणी की तरह ही खाना बनाती हूं, घर संभालती हूं, तो उनका दिल पसीजा और मन ही मन मुझे बहू मान लिया। आज घर में मेरी बात पूरी तवज्जो देकर सुनी जाती है। पूरे आत्मविश्वास के साथ मैं अपना ब्यूटी पार्लर चलाती हूं, जो कि विशेष रूप से सिर्फ LGBTQ कम्युनिटी के लिए समर्पित है। जय भी अपना बिजनेस करते हैं।'

'भाई के दूसरे बच्चे को पालेंगे'

माधुरी का ट्रांसजेंडर होना जय के छोटे भाई की शादी के रिश्ते में आड़े आया। लेकिन फिर परिवार ने तय किया कि वे किसी अनाथ लड़की को बिना एक पैसा दहेज लिए घर की बहू बनाएंगे। आज दोनों देवरानी-जेठानी के संबंध बहुत मधुर हैं। यहां तक कि जय और माधुरी ने तय किया है कि वे अपने भाई के दूसरे बच्चे को अपने पास रखकर मां-बाप की तरह प्यार देंगे।

अतीत से फर्क नहीं पड़ता: जय

जय शर्मा बताते हैं कि उनके लिए अपने प्यार को यहां तक लाना आसान नहीं रहा। उनके दोस्त और रिश्तेदारों ने ताने मारे। उन्हें शादी करने से रोका, लेकिन वे तब से आज तक एक ही बात कहते हैं कि माधुरी से प्यार करने से पहले वह क्या थी, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। वो जो आज है, मैं उसी माधुरी से प्यार करता हूं और करता रहूंगा। शादी के बाद सबने साथ छोड़ दिया था, आज सब साथ हैं।

उम्र में 20 साल का अंतर, लेकिन गीता और निखिल के लिए 'प्यार' सबसे ऊपर है

जब उम्र के फ़ासले से जीत गया प्यार

■ नीलम चौहान

कभी उम्र सवाल बन जाती है,
कभी समाज दीवार खड़ी करता है,
पर जहां इरादे अडिग हों,
वहां मोहब्बत हर फैसला तोड़ देती है...

वैलेंटाइन डे पर यह कहानी फूलों और वादों की नहीं, बल्कि उस प्यार की है, जिसने उम्र, भाषा और समाज को पीछे छोड़ दिया। गीता मराठी हैं, निखिल मारवाड़ी। गीता 60 साल की, निखिल 40 के। बीस साल का फर्क जो समाज के लिए अक्सर सबसे बड़ा अपराध बन जाता है। लेकिन इस कहानी में वही फर्क ताकत बन गया। दोनों की शादी पहले ही टूट चुकी थी। गीता का संसार तब बिखर गया, जब पति ने तलाक देकर विदेश में दूसरी शादी कर ली। बेटा भी पिता के साथ चला गया। गीता अकेली, खाली और भीतर से थक चुकी थी। उधर निखिल की पहली शादी भी असफल रही थी।

ऐसे हुई पहली मुलाकात

दो अधूरी जिंदगियां जब टकराईं, तो दर्द ने एक-दूसरे को पहचान लिया- और वहीं से प्यार जन्मा। ठाणे में 2016 में एक स्ट्रेस डीम डेक्लेनेशन प्रोग्राम के दौरान गीता और निखिल की पहली मुलाकात हुई। निखिल पहले से ही गीता को सोशल मीडिया पर फॉलो करते थे। उसी पहचान से बातचीत शुरू हुई, फिर मुलाकात बढ़ी और भरोसा गहराता चला गया। हालात ने उन्हें एक-दूसरे का सहारा बना दिया।

कठिन था शादी का प्रस्ताव

निखिल मारवाड़ी ठहराव और जिम्मेदारी का प्रतीक हैं। गीता मराठी आत्मसम्मान और आत्मबल की मिसाल। दोनों की सोच, भाषा और उम्र अलग थी, पर दिल एक जैसी चोटें झेल चुका था। निखिल ने गीता का हाथ थामा और वह साहस दिखाया, जो हर कोई नहीं दिखा पाता। उन्होंने गीता के सामने शादी का प्रस्ताव रखा। गीता हिचकिचाईं। उम्र का फर्क, समाज की बातें, रिश्तेदारों का डर-सब सामने था। निखिल के परिवार ने भी गीता को तुरंत स्वीकार नहीं किया। लेकिन निखिल नहीं झुके। उन्होंने साफ कहा कि अगर जवाब 'हां' नहीं हुआ, तो वे उनकी जिंदगी से चले जाएंगे। उस पल गीता ने समाज नहीं, अपने दिल की सुनी। 11 दिसंबर 2020 को दोनों ने कोर्ट में शादी कर अपने रिश्ते को कानूनी पहचान दी।

'एज इज जस्ट ए नंबर'

निखिल कहते हैं, 'जिंदगी को मौका देकर मैंने कोई गलती नहीं की।' वहीं गीता कहती हैं, 'मेरे लिए एज इज जस्ट ए नंबर।' समाज का दबाव, ताने सब झेले, लेकिन आज दोनों डर से मुक्त हैं। निखिल के लिए हर दिन वैलेंटाइन है। गीता के लिए प्यार किसी दिन का नाम नहीं, बस निभाने की ताकत है। इसी बीच निखिल की वह शायरी, रिश्ते की आत्मा बन गई- 'पहली मोहब्बत न मिले तो मलाल न करना, किसी की आखिरी मोहब्बत बनकर कमाल करना।'

आज दोनों ट्रिप पर...

आज वैलेंटाइन्स डे पर दोनों तमिलनाडु के एक रिसॉर्ट में छुट्टियां मना रहे हैं। कुछ क्वालिटी टाइम चाहते हैं। गीता कहती हैं, 'जहां वैलेंटाइन है, वहां गीता-निखिल का होना तय है।' निखिल कहते हैं, 'जहां हम हैं, वहीं वैलेंटाइन है।' आज शादी के 5 साल बाद गीता की हर शंका खत्म हो चुकी है। यह रिश्ता न किसी धोखे पर टिका है, न किसी का घर तोड़कर बना। दो टूटे लोग थे, जिन्होंने एक-दूसरे को डूबने से बचाया। नई जिंदगी दी।

दर्द, अपमान और संघर्ष ने मजबूत कर दिया सना और रोहन का प्यार

देह की पहचान पर भारी पड़ी दिल की आवाज

■ नीरज तिवारी

मुंबई से सटे कल्याण में रहने वाली सना (बदला हुआ नाम) की जिंदगी बचपन से ही संघर्षों से भरी रही। जन्म के समय परिवार ने उन्हें बेटे के रूप में पाला, लेकिन किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते उन्होंने अपनी लैंगिक पहचान को लेकर सच्चाई को स्वीकार कर लिया। लेकिन परिवार के लिए यह स्वीकार करना आसान नहीं था। घर के भीतर लगातार तनाव, बहस और सामाजिक दबाव ने ऐसे हालात बना दिए कि सना को घर छोड़ना पड़ा।

कुछ समय तक उन्होंने कल्याण स्टेशन के आसपास किन्नर समुदाय के साथ रहकर जीवन की नई शुरुआत की। शुरुआती दिनों में पारंपरिक बधाई मांगने और छोटे-मोटे कामों से गुजारा करना पड़ा। आर्थिक अस्थिरता, सामाजिक तिरस्कार और असुरक्षा उनके रोजमर्रा का हिस्सा थे। इसके बावजूद सना ने पढ़ाई नहीं छोड़ी। ओपन स्कूल से 12वीं पूरी की और स्थानीय स्तर पर सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण लिया। कुछ वर्षों की मेहनत के बाद उन्होंने एक छोटा बुटीक शुरू किया, जो धीरे-धीरे स्थिर आय का माध्यम बन गया। फरवरी 2020 में इसी बुटीक में सना की मुलाकात रोहन (बदला हुआ नाम) से हुई, जो एक प्रिंटिंग प्रेस में काम करता है। काम के सिलसिले में शुरू हुई बातचीत समय के साथ दोस्ती में बदली और फिर दोनों ने रिश्ते को गंभीरता से लेने का फैसला किया। सना ने अपनी पहचान के बारे में पूरी सच्चाई रोहन को बताई। रोहन ने बिना झिझक साथ देने का निर्णय लिया।

AI Image

परिवार को बताया तो मच गया हंगामा

रोहन के परिवार को जब इस रिश्ते की जानकारी मिली, तो विरोध शुरू हो गया। सामाजिक दबाव और पारिवारिक असहमति के कारण दोनों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ा। कुछ समय तक उन्हें सुरक्षा को लेकर भी चिंता रही। परिस्थितियां जटिल होने पर उन्होंने संबंधित प्रशासनिक प्रक्रिया अपनाई और कानूनी परामर्श लिया। इसके बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हुई।

कोर्ट मैरिज कर रह रहे साथ

लंबे संघर्ष के बाद दोनों ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर 18 फरवरी 2023 को शादी रजिस्टर्ड कराई। आज वे कल्याण में साथ रह रहे हैं और अपने-अपने काम में लगे हैं। सना कहती हैं, 'संघर्ष ने हमें कमजोर नहीं, मजबूत बनाया।' उनकी कहानी बताती है कि सामाजिक चुनौतियों के बावजूद सम्मानजनक जीवन और प्रेम का अधिकार हर व्यक्ति को है।

दिल के रिश्ते को बनाई अपनी जमीं और दोनों 'चल पड़े'

दो दिव्यांग प्रेम में जब एक हुए, तो गुलजार हुई जिंदगी

■ नीलम चौहान

वैलेंटाइन्स डे पर प्यार की बातें करना आसान है, लेकिन उसे हर दिन जीना, वह भी तब जब जिंदगी ने पैरों तले जमीन खींच ली हो, आसान नहीं होता। नेहल ठक्कर और अनूप चढ्ढन की कहानी ऐसी ही है। ये हिम्मत और भरोसे की मिसाल हैं। अनूप 22 जून 2003 को एक हादसे का शिकार हो गए थे। इसमें उनकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट लगी थी। इसके बाद व्हीलचेयर ही उनका सहारा बन गई। दो साल बाद 22 नवंबर 2005 को नेहल ठक्कर के साथ भी लगभग वैसा ही हादसा हुआ। उसी जगह पाम बीच रोड पर और लगभग उसी तरह की कार में। वैसी ही चोट नेहल को लगी। जैसे किस्मत ने दोनों के लिए एक जैसी पटकथा लिख दी हो।

अधूरी कहानियां मिलीं

साल 2008 में नीना फाउंडेशन के जरिए नेहल और अनूप की पहली मुलाकात हुई। शुरुआत में दोनों को इतनी समानताओं पर यकीन नहीं हुआ। इसे करिश्मा ही माना। अनूप हंसते हुए कहते हैं, 'तभी लगा कि शायद यह कोई इशारा है।' फोन पर बातें शुरू हुईं, फिर मुलाकात बढ़ी और रिश्ता दोस्ती से आगे निकल गया।

दूरी बढ़ी, तो सुनी दिल की

एक ट्रिप के दौरान कुछ दिनों की दूरी ने नेहल को एहसास कराया कि अनूप उनके लिए कितने जरूरी हैं। डर था समाज क्या कहेगा? दो व्हीलचेयर पर बैठे लोग कैसे जीवन जीएंगे? क्या परिवार साथ देगा? अनूप बताते हैं, 'हमने तय किया कि पहले खुद को आत्मनिर्भर बनाएंगे।' दोनों ने खुद को साबित किया और परिवार का भरोसा जीत लिया। 12 दिसंबर, 2017 को दोनों ने शादी कर ली। अब नेहल अपनी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी संभालती हैं और अनूप स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक में प्रोफेशनल हैं। समाज के लिए उनका संदेश साफ है डिसेबिलिटी नहीं, एबिलिटी देखिए।

'कदम भले साथ न चल पाए हों,
दिलों ने मगर उम्रभर का सफर चुन लिया।'

तीन साल से अपने प्रेम को दुनिया से छुपा रहा यह समलैंगिक जोड़ा

'रिश्ते पर पैरेंट्स की मुहर का इंतज़ार'

■ प्रिया पांडे

मुंबई वैसे तो अपने खुले मिजाज और ब्रॉड माइंडसेट के लिए जानी जाती है, लेकिन किसी का समलैंगिक होना लोगों को खटक ही जाता है। वे अपनी पहचान को छुपाते ही रहते हैं। इस तरह कि हम जिस समलैंगिक जोड़े कि कहानी सुनाने जा रहे हैं, उनके आग्रह पर न तो उनकी फोटो प्रकाशित कर सकते हैं और न ही असली नाम छाप सकते हैं।

अंधेरी में रहने वाले आनंद और राघव की मुलाकात तीन साल पहले एक कॉमन फ्रेंड की बर्थडे पार्टी में हुई थी। पहली बातचीत में ही दोनों को एहसास हो गया था कि उनकी सोच और संघर्ष एक जैसे हैं। आनंद एक ग्राफिक डिजाइनर हैं, जबकि राघव एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। दोनों बताते हैं कि शुरुआत आसान नहीं थी। परिवार और समाज के डर के कारण उन्होंने लंबे समय तक अपने रिश्ते को छुपाकर रखा।

धीरे-धीरे दोनों ने एक-दूसरे का सहारा बनकर मुश्किल वक्त पार किया। कोविड के दौरान जब आनंद की नौकरी चली गई, तब राघव ने उनका हौसला बढ़ाया और कहा, 'हम साथ हैं तो हर मुश्किल छोटी है।' इसी दौर में उनके रिश्ते ने मजबूती पकड़ी। दोस्तों के छोटे-से सर्कल ने भी उन्हें स्वीकार किया, जिससे उन्हें खुलकर जीने का साहस मिला। तीन साल पहले दोनों ने अपने परिवारों को अपने रिश्ते के बारे में बताया। शुरुआत में झिझक और सवाल जरूर थे, लेकिन समय के साथ भी उनके माता-पिता ने रिश्ते को नहीं समझा है। हालांकि, वे हार नहीं मान रहे हैं, वह हर संभव प्रयास कर रहे हैं, जिससे उनके रिश्ते को मां-बाप और परिवार की मान्यता मिले। उनका कहना है कि उन्होंने कोई पाप नहीं किया है, यदि आज उनके रिश्ते को मंजूरी मिल जाती है, तो आने वाले समय में दूसरे LGBTQ जोड़ों की भी राह आसान हो जाएगी। उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

AI Image

अपनी कहानी करना चाहते हैं बयां

दोनों अपनी कहानी सोशल मीडिया पर बयां करना चाहते हैं, लेकिन फिर सोचते हैं कि यह बात अगर सभी रिश्तेदारों को पता चल गई, तो उनके मां-बाप को सदमे का सामना करना पड़ सकता है। इसीलिए वे तब तक रुके हुए हैं, जब तक उनके मां-बाप इस रिश्ते को खुशी से मंजूरी नहीं दे देते। मां-बाप की मंजूरी मिलने के बाद भी बेहिचक अपने रिश्ते को दुनिया के सामने रखना चाहते हैं।

मिस्टर ऐंड मिस्टर रोहित की कहानी, दुनिया को बताई अपनी लव स्टोरी

प्यार हुआ, इकरार हुआ और फिर स्वीकार हुआ...

■ प्रिया पांडे

कोलकाता की गलियों में शुरू हुई एक मुलाकात आज LGBTQ+ समुदाय के लिए प्रेरणा बन चुकी है। इस प्रेम कहानी को मुंबई ने पहचान दी, आसरा दिया। रोहित दास और रोहित सेख की प्रेम यात्रा करीब नौ साल पहले एक कॉमन फ्रेंड के जरिए शुरू हुई थी। शुरुआत दोस्ती से हुई, लेकिन वक्त के साथ रिश्ता गहराता गया और दोनों को एहसास हुआ कि उनकी कहानी कुछ अलग है। उनमें एक-दूसरे के लिए प्रेम पनप रहा था।

दोनों बताते हैं कि एक बार वे पूरी रात शहर की सड़कों पर साथ चलते रहे। सुबह एक बस स्टॉप पर खामोशी से बैठना उनके लिए सिर्फ एक पल नहीं, बल्कि रिश्ते की गहराई को समझने का मौका था। उसी समय उन्हें महसूस हुआ कि यह रिश्ता सामान्य दोस्ती से कहीं ज्यादा है। जब प्रेम का इजहार हुआ, तो साथ रहने का तय किया। लेकिन शुरू में कोलकाता ने न उनका रिश्ता स्वीकार किया और न रहने को छत मिली। वे मुंबई आ गए और यहां नए सिरे से सब कुछ किया।

शुरू किया 'Couple From Pluto' यूट्यूब चैनल

कोविड-19 महामारी के दौरान जब दुनिया थम सी गई थी, तब रोहित दास और रोहित सेख ने पहली बार अपनी कहानी दुनिया के सामने लाने का विचार किया। कई सालों तक यह सिर्फ एक सपना रहा, लेकिन 2023 में उन्होंने इसे हकीकत में बदलते हुए 'Couple From Pluto' नाम से अपना यूट्यूब चैनल शुरू किया। उनके अनुसार, 'प्लूटो' सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि उस पहचान का प्रतीक है, जिसे समाज अक्सर अलग या हाशिए पर रखता है। जैसे प्लूटो अपनी अलग पहचान के साथ मौजूद है, वैसे ही LGBTQ+ समुदाय भी समाज का अभिन्न हिस्सा है।

'गे मैरिज को मंजूरी का इंतजार'

इस सफर में दोनों को कई चुनौतियों और सामाजिक टिप्पणियों का सामना करना पड़ा। कई बार मुश्किल हालात आए, लेकिन उन्होंने एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ा। आज दोनों के परिवार उनके रिश्ते को स्वीकार करते हैं। उनका कहना है कि हर संघर्ष ने उन्हें कमजोर नहीं, बल्कि और मजबूत बनाया है। आज वे अपने अनुभवों के जरिए लोगों में जागरूकता और सकारात्मक सोच फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। रोहित दास और रोहित सेख का सपना है कि उनके परिवार उन पर गर्व महसूस करें और एक दिन वे साथ मिलकर पूरी दुनिया घूमें। साथ ही, वे भारत में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता मिलने की उम्मीद भी जताते हैं, ताकि उन्हें भी समान अधिकार और सम्मान मिल सके।

कमाठीपुरा की अंधेरी गलियों से जिंदगी के उजाले तक की प्रेम यात्रा

उसने मुझे जिस्म से आगे बढ़कर देखा, प्रेम किया, शादी की

AI Image

■ नीलम चौहान

मुंबई के कमाठीपुरा की वह सकरी गली, जहां सूरज की किरणें भी जाने से कतराती हैं, उसी अंधेरे कोने में 40 साल पहले बीड की मिट्टी से उखड़ी एक कली फेंक दी गई थी कांता (बदला नाम)। एक रिश्तेदार उसे काम दिलाने के नाम पर जिस्मफरोशी के बाजार में छोड़ गया था। वहां से वापसी का कोई रास्ता नहीं दिखता था, लेकिन एक रोज उम्मीद की खिड़की खुली और न सिर्फ कांता वहां से लौट पाई, बल्कि उसे अपने हिस्से का प्रेम और प्रेमी भी मिले।

अंधेरे में कैद थी एक जिंदगी

कांता सिसकते हुए कहती हैं, 'मैं मराठी मुलगी थी, खेत-खलिहानों की बेटी। दो महीने तक हर रात अपने जिस्म को परोसती रही, चीखती रही, पर मेरी आवाज सुनने वाला कोई नहीं था। लगता था मैं मर चुकी हूं, बस सांसें चल रही हैं।' फिर एक दोपहर उस अंधेरे के सामने एक पुरानी टैक्सी आकर रुकी। जिसमें मुकेश (बदला नाम) था। एक साधारण इंसान। उसी इलाके में टैक्सी चलाता था। उसकी आंखों में हवस नहीं, बल्कि एक खामोशी थी।

जब ग्राहक नहीं, इंसान मिला

कांता कहती हैं, 'वह बाकी लोगों जैसा नहीं था। उसने कभी मुझे मांस के लोथड़े की तरह नहीं देखा। जब सब मुझे लूट रहे थे, वह मेरी इज्जत बुन रहा था।' एक दिन मुकेश ने कहा, 'चलो यहां से, मैं तुम्हें इस नरक से बाहर निकालूंगा।' कांता कहती हैं, 'मैं हंस पड़ी थी। मैंने कहा, 'यहां से कोई जिंदा नहीं जाता।' उसने मेरा हाथ पकड़कर कहा, 'तुम जिंदा निकलोगी।' मुकेश ने न सिर्फ उसे उस दलदल से निकाला, बल्कि उससे प्रेम किया और शादी करके एक नई जिंदगी दी। आज कांता को एक आंख से दिखाई नहीं देता। वह कहती हैं, 'मेरी एक आंख की रोशनी चली गई है, लेकिन मुकेश मेरा इलाज करवा रहे हैं।'

हर दिन वैलेंटाइन डे

शादी के बाद कांता गौरवमय रहने लगी। वह सेक्स वर्कर्स को इस दलदल से निकालने के लिए कुछ करना चाहती थी इसलिए दोबारा एनजीओ के साथ काम करते हुए कमाठीपुरा शिफ्ट हो गईं। वह कहती हैं, 'प्यार का मतलब किसी का हाथ पकड़कर उसे मौत से जिंदगी की तरफ खींचना है, वो मेरा हर दिन वैलेंटाइन है।' सच ही तो है, प्यार सिर्फ गुलाब देने का नाम नहीं...।

संयोजन: महेंद्र गुप्ता ■ डिजाइन: कमलेश मेस्त्री

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 14-02-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMEDIT User: cci Time: 02-13-2026 22:48 Color:

श्रीलंका की पिच स्पिनर्स के लिए मददगार है और भारत का तीन स्पिनर्स के साथ खेलने का इतिहास रहा है। उम्मीद है कि कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ कुलदीप को इलेवन में शामिल किया जाएगा। - सुनील गावसकर, पूर्व कप्तान, भारत

प्रेमदासा की धीमी पिच पर दोनों तरफ के 'मिस्ट्री स्पिनर' लेंगे परीक्षा

■एजेंसियां, कोलंबो: क्रिकेट की दुनिया को अब संडे का इंतजार है जब भारत और पाकिस्तान यहां के प्रेमदासा स्टेडियम में एक-दूसरे से टकराएंगे। दोनों तरफ के 'थिंक टैंक' के लिए सबसे बड़ी पहेली यही होगी कि यहां की धीमी पिच पर 'मिस्ट्री स्पिनर्स' का तोड़ कैसे निकालें। दोनों टीमों के बैटर्स अपने सामने पड़ने जा रहे रहस्यमयी बोलर्स का विडियो जरूर देख रहे होंगे। भारत की तरफ वरुण चक्रवर्ती हैं, तो पाकिस्तानी टीम अबरार अहमद और उस्मान तारिक के साथ उतरेगी। इन बोलर्स ने प्रेमदासा में ऑस्ट्रेलिया और जिंबाब्वे के बीच खेला गया मैच देखा होगा तो वे संडे को यहां होने वाले मैच से पहले काफी उत्साहित होंगे। यहां जिंबाब्वे के बोलर्स ने धीमी गेंदों का इस्तेमाल कर ऑस्ट्रेलिया पर 23 रन से उलटफेर भरी जीत हासिल की।

बाबर के लिए यह बुरी खबर: पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान चक्रवर्ती की 'साइडस्पिन' से 'ओवरस्पिन' करने से उनमें सुधार हुआ। कोण में हल्के बदलावों के साथ चक्रवर्ती कई दूसरे स्पिनर्स की तुलना में तेजी से भी बोलिंग (औसत 95 किमी प्रति घंटा) करते हैं। हालांकि, यह ट्रैक उन्हें रफ्तार धीमी करने पर मजबूर कर सकता है। यह बाबर आजम जैसे बैटर के लिए अच्छा नहीं है, जो चौथे नंबर पर बैटिंग करते हैं और चक्रवर्ती की गेंदों पर संघर्ष करते रहे हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अब भी शुरू से ही संघर्ष कर रहे हैं।

'पॉज ऐंड स्लिंग' वाला बोलर: उधर, पाकिस्तान के पास चक्रवर्ती का जवाब हैं तारिक। उनकी 'पॉज ऐंड स्लिंग' गेंद डालने के तरीके ने क्रिकेट के गलियारों में पहले ही काफी चर्चा शुरू कर दी है। अब संडे को यह ऑफ-स्पिनर भारत के मजबूत बैटिंग ऑर्डर को रोकना चाहेगा। पाकिस्तान सुपर लीग में तारिक की टीम क्वेटा ग्लैडिएटर्स के नबील हाशमी ने कहा, 'उनका ऐक्शन उन्हें गेंद को बल्लेबाज की 'आई लाइन' से नीचे रखने में मदद करता है। इसलिए उन्हें हिट करना आसान नहीं है। यह लगभग ऐसा है जैसे आप हर गेंद पर योर्कर खेल रहे हों।' अबरार को थोड़ा कमतर आंका जा रहा है। भारतीय बैटर उनके खिलाफ खेल भी चुके हैं। हालांकि, प्रेमदासा की पिच पर यह फिरकीबाज भी मुश्किल पेश कर सकता है।

टीम इंडिया की चिंता: नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस की अपरंपरागत स्पिन बोलिंग के सामने भारतीय बैटर मुश्किल में नजर आए। ऐसे में उन्हें उस्मान की इसी तरह की बोलिंग के खतरे से निपटने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। इरास्मस और तारिक दोनों ही मूल रूप से ऑफ स्पिन बोलिंग करते हैं और उसमें असामान्य विविधताओं का इस्तेमाल करते हैं। इरास्मस ने गुरुवार रात को राउंड आर्म ऐक्शन से काफी गेंदें डालीं और उनकी कुछ गेंदों ने भारतीय बैटर्स को चकमा दिया।

उस्मान तारिक

भारत-पाकिस्तान महामुकाबला

प्रेमदासा की पिच स्पिनर्स को अच्छी मदद देती है। आपको बस गेंद को सही जगह पिच करनी है और बाकी काम यहां का ट्रैक कर देगा। *उपुल थरंगा, पूर्व स्पिनर, श्रीलंका*

वरुण चक्रवर्ती

उस्मान को लेकर अश्विन की सलाह

दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने पाकिस्तान के ऑफ स्पिनर उस्मान तारिक की अनूठी साइड आर्म ऐक्शन से की गई गेंदों का सामना करने के लिए भारतीय बल्लेबाजों के लिए एक सरल सुझाव दिया है। तारिक की रुक-रुक कर बोलिंग करने की शैली काफी चर्चा में है। उन्होंने अब तक केवल चार टी20 इंटरनैशनल मैच खेले हैं और प्रति ओवर छह रन से भी कम की इकॉनमी से 11 विकेट लिए हैं। अश्विन ने कहा, 'अगर बोलर गेंद डालने से पहले थोड़ा रुक जाता है, तो बैटर को दूर हटने का अधिकार है। वह कह सकता है कि 'मुझे लगा कि वह रुक रहा है।' यह एक दिलचस्प मामला होगा और अंपायर के लिए बड़ी परेशानी खड़ी कर देगा। अगर मैं वहां होता तो मैं भी यही करता। मैच जीतने के लिए नियमों के दायरे में रहकर हर संभव प्रयास करना चाहिए। मैं बस इतना कहता कि मुझे नहीं पता कि वह गेंद कब छोड़ेगा और मैं एक तरफ हट जाता। अगर मैं हट जाता हूं, तो यह अंपायर की जिम्मेदारी होगी।'

33

मैच खेले हैं महेंद्र सिंह धोनी ने टी20 वर्ल्ड कप में कप्तान के तौर पर। यह एक रेकॉर्ड है। दूसरे नंबर पर केन विलियमसन (21) हैं

वर्ल्ड कप स्पेशल QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है

1. मेंस टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में जिंबाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को कितनी बार शिकस्त दी है?
A) 2 B) 1 C) 5 D) 3
2. मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा ले रही कनाडा की टीम के कप्तान कौन हैं?
A) श्रेयस मोवा B) जसकरण सिंह C) दिलप्रीत बाजवा D) डिलन हेलिगर

कल के जवाब
1. A) दासुन शनाका 2. C) मैथ्यू हेडन

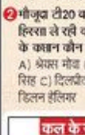

लकी WINNERS

1 संयुक्ता डिकेवाल, नजफगढ़, दिल्ली

2 बिमलेश यादव, इंदिरापुरम, यूपी

3 दिनेश प्रभुनाथ, जोगेश्वरी ईस्ट

आप अपने जवाब हमें **9319282367** पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

कभी नंगे पैर बोलिंग करने वाले पेसर बने जीत के हीरो

जिंबाब्वे को जीत की 'ब्लेसिंग'

टी20 वर्ल्ड कप 2026

4 ओवर
13 डॉट्स
17 रन
4 विकेट

2 मैच खेले गए हैं ऑस्ट्रेलिया और जिंबाब्वे के बीच मेंस टी20 वर्ल्ड कप में और दोनों में ही जिंबाब्वे ने ही जीत दर्ज की है

4 विकेट लिए 17 रन देकर ब्लेसिंग मुजरबानी ने इस मैच में जो मेंस टी20 वर्ल्ड कप में जिंबाब्वे के किसी बोलर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है

मैं इस जीत से बहुत खुश हूं और गौरवान्वित भी। बड़े भाई की तरह महसूस कर रहा हूं जिसके छोटे भाई मिलकर इतना कुछ हासिल कर रहे हैं। टीम के माहौल, एकता और संस्कृति के कारण ही यह हो सका। - *सिकंदर रजा, कार्यवाहक कप्तान, जिंबाब्वे*

■एजेंसियां, कोलंबो: ओपनर ब्रायन बेनेट की 64* रन की पारी के बाद पेस बोलर ब्लेसिंग मुजरबानी और ब्रैड इवांस की घातक बोलिंग की मदद से जिंबाब्वे ने पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप में बड़ा उलटफेर किया। बचपन में कभी नंगे पैर बोलिंग करने वाले छह फुट आठ इंच लंबे मुजरबानी के प्रदर्शन से दिग्गज सचिन तेंडुलकर इतने खुश हुए कि उन्होंने लिखा, 'ब्लेसिंग असल मायनों में अपने नाम के साथ न्याय करते हुए ब्लेसिंग साबित हुए, शानदार चार विकेट के लिए जिंबाब्वे के साथ।' जिंबाब्वे ने पहले बैटिंग के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद दो विकेट पर 169 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। ऑस्ट्रेलिया की टीम 19.3 ओवर में 146 रन पर ढेर हो गई। 'प्लेयर ऑफ द मैच' मुजरबानी ने 17 रन देकर चार और इवांस ने 23 रन देकर तीन विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मैट रेनशॉ ने 44 गेंद पर 65 रन (5 फोर, 1 सिक्स) बनाए।

बेनेट ने रखी नींव: चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहे ऑस्ट्रेलिया के इस हार से समीकरण बिगड़ गए हैं, जबकि जिंबाब्वे लगातार दूसरी जीत से चार अंक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। जिंबाब्वे ने इससे पहले साल 2007 के टी20 वर्ल्ड कप में भी ऑस्ट्रेलिया को हराया था। बेनेट ने 56 गेंदों पर सात फोर जड़े और जिंबाब्वे के लिए मजबूत स्कोर की नींव रखी। जिंबाब्वे ने 15 ओवर तक एक विकेट पर 125 रन बना लिए थे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम ओवरों में वापसी की और आखिरी पांच ओवरों में केवल 44 रन ही दिए। कप्तान सिकंदर रजा 13 गेंदों पर 25 रन बनाकर नॉटआउट रहे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले पांच ओवर के अंदर ही 29 रन पर चार विकेट गंवा दिए। टीम के कार्यवाहक कप्तान ट्रेविस हेड (17) पांचवें ओवर में आउट हो गए। ऑस्ट्रेलिया ने पावरप्ले में 4 विकेट पर सिर्फ 38 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया vs जिंबाब्वे

मैट-ग्लेन ने किया संघर्ष
रेनशॉ और ग्लेन मैक्सवेल (32 गेंद पर 31 रन) ने इसके बाद विकेट बचाए रखने को प्राथमिकता दी और पांचवें विकेट के लिए 59 गेंद में 77 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 11 ओवर तक चार विकेट पर 72 रन था। मैक्सवेल ने इसके बाद वेलिंगटन मसाकाद्जा पर सिक्स लगाकर अपना हाथ खोला। इसके बाद रेनशॉ ने रन गति बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन इवांस ने मैक्सवेल को बोल्ड कर दिया।

ब्रीफ स्कोर
जिंबाब्वे: 20 ओवर्स में 169/2 (ब्रायन बेनेट 64*, तादिवानाशे मारुमानी 35, रयान बर्ल 35, कैमरन ग्रीन 1/6)
ऑस्ट्रेलिया: 19.3 ओवर्स में 146 (मैट रेनशॉ 65, ग्लेन मैक्सवेल 31, ब्लेसिंग मुजरबानी 4/17, ब्रैड इवांस 3/23)

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

ऑस्ट्रेलिया के लिए मुश्किलें बढ़ीं
इस हार से ऑस्ट्रेलिया की सुपर-8 की राह थोड़ी मुश्किल हो गई है। उसे अब ग्रुप स्टेज में श्रीलंका और ओमान के खिलाफ बचे हुए दो मैच जीतकर पहले छह अंक जुटाने होंगे। उससे कम अंक पर उसका क्वॉलिफाई करने की संभावना नहीं बचेगी। लेकिन, केवल दोनों मैचों में जीत ही पर्याप्त नहीं होगी, चूंकि जिंबाब्वे से हार के बाद उसका नेट रन रेट भी कम हो गया है। अगर एक से ज्यादा टीमें छह अंक जुटाती हैं, तो सुपर-8 में एंट्री नेट रन रेट के आधार पर होगी। इसलिए ऑस्ट्रेलिया को केवल जीत नहीं, बल्कि बड़ी जीत चाहिए होगी।

कनाडा से टक्कर में भारी पड़ा यूएई

Abhishek.Upadhyay1
@Timesofindia.com

■नई दिल्ली: आर्यांश शर्मा (74) और शोएब खान (51) की 84 रन की निर्णायक साझेदारी तथा 'प्लेयर ऑफ द मैच' जुनैद सिद्दीकी की धारदार गेंदबाजी से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कनाडा को पांच विकेट से हराकर टी20 विश्व कप में पहली जीत दर्ज की। कनाडा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए हर्ष ठाकर (50) और नवनीत धालीवाल (34) की पारियों से 150/7 स्कोर बनाया।

सिद्दीकी का परफेक्ट स्टार्ट: सिद्दीकी ने पावरप्ले में दिलप्रीत बाजवा (11), युवराज समरा (5) और निकोलस किरटन (4) को आउट कर कनाडा को बैकफुट पर धकेला। हर्ष और नवनीत ने 58 रन जोड़कर पारी संभाली, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई ने 66 रन तक पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद आर्यांश ने 53 गेंद में 6 चौके और 3 छक्के जड़े, जबकि शोएब ने 29 गेंद में 4 चौके और 4 छक्के लगाकर मुकाबला पलट दिया। टीम दो अंक के साथ ग्रुप-डी में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

कनाडा vs यूएई

आर्यांश शर्मा (बाएं) और शोएब खान

जीत का इंडिया कनेक्शन
यूएई के लिए मैच के हीरो रहे आर्यांश और शोएब दोनों का भारतीय कनेक्शन है। आर्यांश का जन्म भारत स्थित गाजियाबाद में हुआ था। जब वह दो साल के थे, तब उनका परिवार यूएई चला गया था। आर्यांश ने यूएई में ही अपनी पढ़ाई-लिखाई की। शोएब का भारतीय कनेक्शन ज्यादा स्ट्रॉन्ग है। उनका जन्म बिहार स्थित गया में हुआ था। क्रिकेट में उनकी बहुत रुचि थी, लेकिन वह बिहार रणजी टीम में जगह नहीं बना पाए। जिसके बाद उन्होंने प्रोफेशनल क्रिकेटर करियर को नया आयाम देने के लिए यूएई की ओर रुख किया। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद उनको यूएई की नेशनल टीम में सिलेक्ट किया गया।

पाक के खिलाफ खेलने को तैयार हैं अभिषेक: वरुण

■एजेंसियां, नई दिल्ली: स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा है कि पेट के इंफेक्शन से उबर रहे ओपनर अभिषेक शर्मा संडे को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के मुकाबले में खेलने के लिए पूरी तरह फिट दिख रहे हैं। अभिषेक अस्वस्थ होने के कारण गुरुवार को नामीबिया के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे। वरुण ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह अगला मैच खेलेंगे। मुझे उनकी स्थिति के बारे में पूरी तरह नहीं पता। लेकिन, मैंने उनसे बात की है, वह अच्छी स्थिति में लग रहे हैं। उन्होंने कुछ अभ्यास भी किया। उन्होंने बताया कि वह वापसी की प्रक्रिया में हैं।' भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के समय कहा था कि अभिषेक पूरी तरह फिट होने से पहले एक या दो मैच से बाहर रह सकते हैं। अभिषेक की अनुपस्थिति में संजू सैमसन ने ईशान किशन के साथ पारी की शुरुआत की थी।

अभिषेक शर्मा

साईतेजा ने अमेरिका को दिलाई पहली जीत

■एजेंसियां, चेन्नै: अमेरिका ने साईतेजा मुक्कमल्ला (79 रन, 51 बॉल, 5 फोर और 4 सिक्स) की शानदार पारी के अलावा स्पिनर हरमीत सिंह (4 विकेट) और पेसर शेडली वान शाल्कविक (3 विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत ग्रुप ए के मैच में नीदरलैंड्स को 93 रन से हराया। पहले खेलते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 196 रन बनाने वाली अमेरिकी टीम ने पूरी डच टीम को 15.5 ओवर में 103 रन पर समेट दिया और टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की। डच टीम के लिए सर्वाधिक 23 रन बास डि लीडे ने बनाए। मुक्कमल्ला ने कप्तान मोनांक पटेल (36) के साथ दूसरे विकेट के लिए 55 रन और मुंबई के पूर्व ऑलराउंडर रंजने (24 गेंद, तीन चौके, दो छक्के) के साथ चौथे विकेट के लिए 54 रन जोड़े।

हैदराबाद में वीवीएस लक्ष्मण की क्रिकेट अकादमी में ट्रेनिंग ले चुके मुक्कमल्ला की बल्लेबाजी की खासियत उनके 'ऑफ-साइड' पर लगाए गए शॉट रहे जिसमें कवर्स के ऊपर लगे छक्के शामिल थे। पाकिस्तान के खिलाफ अर्धशतक जड़ने वाले रंजने अच्छी फॉर्म में थे। जब दोनों खेल रहे थे तो लग रहा था कि स्कोर 200 रन के पार हो जाएगा। हालांकि लोगान वान बीक और बास डि लीडे ने उन्हें इससे पहले ही रोक दिया। बास डि लीडे ने अपने चार ओवर में 37 रन देकर तीन विकेट लिए।

अमेरिका vs नीदरलैंड्स

720 रन बनाए लिए हैं टी20I करियर में साईतेजा ने

ब्रीफ स्कोर
अमेरिका: 20 ओवर्स में 196/6 (मुक्कमल्ला 79, लीडे 3/37), **नीदरलैंड्स:** 15.5 ओवर में 103 (लीडे 23, हरमीत 4/21)

निरंतरता की मिसाल बन रहे साईतेजा
साईतेजा ने अमेरिका के लिए केवल 20 टी20I खेले हैं, लेकिन वह अभी से इस टीम की मुख्य धुरी बन गए हैं। उन्होंने अपने टी20I करियर में 720 रन बनाए लिए हैं, जो अमेरिका के लिए पांचवें सर्वाधिक हैं। टॉप-5 में उनके अलावा सिर्फ एंड्रीज गौस (770 रन) ने ही 30 से कम मुकाबले खेले हैं। टी20I में कुल 536 बैटर्स ने 500+ रन बनाए हैं, उसमें से केवल पांच बैटर्स ने 40+ औसत और 150+ स्ट्राइक रेट से ये आंकड़ा हासिल किया है। साईतेजा भी इस सूची का हिस्सा हैं।

चोटिल टेलर बाहर हुए, कुरन को मिली जगह

■एजेंसियां, कोलंबो: जिंबाब्वे के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर चोट के कारण टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में बेन कुरन को शामिल किया गया है। चालीस वर्षीय टेलर 9 फरवरी को ओमान के खिलाफ खेले गए मैच में चोटिल होने के कारण मैदान से लंगड़ाते हुए बाहर चले गए थे। मेंस टी20 वर्ल्ड कप-2026 की टूर्नामेंट की तकनीकी समिति ने टॉप ऑर्डर बल्लेबाज बेन कुरन को टेलर की जगह लेने की मंजूरी दी।

आयरिश कप्तान स्टर्लिंग भी बाहर: आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग घुटने की चोट के कारण टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए। स्टर्लिंग की जगह सैम टॉपिंग को टीम में शामिल किया गया है।

वर्ल्ड कप अपडेट

जिंबाब्वे के ब्रेंडन टेलर

दबदबे के लिए टकराएंगे प्रोटियाज-कीवी

■एजेंसियां, अहमदाबाद: न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका का सुपर-8 में पहुंचना तय है और ऐसे में शनिवार को जब दोनों टीम आमने-सामने होंगी तो उनका लक्ष्य टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप-डी में टॉप पोजिशन हासिल करने की अपनी कोशिशों को अमली जामा पहनाना होगा। दोनों टीमों ने अपने शुरुआती दो मैच जीते हैं। न्यूजीलैंड ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान और यूएई पर एकतरफा जीत दर्ज की है। दूसरी ओर, साउथ अफ्रीका ने दबाव में संयम बनाए रखते हुए अपनी आक्रामक क्षमता का बेहतरीन नमूना पेश किया है। उन्होंने कनाडा के खिलाफ अटैकिंग जीत दर्ज की। हालांकि उसे अफगानिस्तान के खिलाफ डबल सुपर ओवर तक खिंचे मैच में जीत हासिल करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकनी पड़ी।

साउथ अफ्रीका vs न्यूजीलैंड

अफ्रीका के कप्तान मार्करम

इंग्लैंड को चाहिए बड़ी जीत
कोलकाता: अपेक्षित प्रदर्शन करने में नाकाम रही इंग्लैंड की टीम को अगर सुपर-8 में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखना है तो उसे स्कॉटलैंड के खिलाफ शनिवार को ग्रुप-सी के मैच में बड़ी जीत हासिल करनी होगी। वेस्टइंडीज ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि स्कॉटलैंड, इटली और इंग्लैंड तीनों ने एक-एक जीत हासिल की है। स्कॉटलैंड दूसरे स्थान पर है। इसलिए शनिवार को होने वाला मैच दूसरे स्थान की दौड़ में किसी भी टीम को निर्णायक बढ़त दिला सकता है।

इंग्लैंड vs स्कॉटलैंड

आयरलैंड का दावा मजबूत
कोलंबो: आयरलैंड की टीम ओमान के खिलाफ होने वाले ग्रुप-बी मैच में जीत हासिल करके सुपर-8 की धूमिल होती उम्मीदों को जीवित रखना चाहेगी। लगातार दो हार और कप्तान पॉल स्टर्लिंग के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद उसकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस झटके के बावजूद आयरलैंड की टीम ओमान के खिलाफ जीत के दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। ओमान की टीम में अधिकतर भारतीय और पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी शामिल हैं।

आयरलैंड vs ओमान

टेलिकास्ट: आयरलैंड-ओमान मैच सुबह 11 बजे से, इंग्लैंड-स्कॉटलैंड की भिड़ंत दोपहर 3 बजे से, न्यूजीलैंड-साउथ अफ्रीका की टक्कर शाम 7 बजे से जियोहॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर

फटाफट खबरें

ऑक्शन में 170 गोल्फर

■नई दिल्ली: भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (PGTI) की प्रमुख लीग '72 द लीग' की पहली ऑक्शन सोमवार को यहां होगी। इस ऑक्शन में 11 देशों के 170 प्रफेशनल गोल्फर हिस्सा लेंगे। लीग में कुल 60 स्थान उपलब्ध हैं और छह फ्रेंचाइजी अपनी-अपनी टीमों के लिए 10 खिलाड़ियों का चयन करेंगी। नीलामी की कुल राशि छह करोड़ रुपये है। लीग 21 फरवरी से शुरू होकर छह मार्च तक चलेगी।

रियान RR के कप्तान

■नई दिल्ली: इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 के लिए राजस्थान रॉयल्स ने 24 वर्षीय रियान पराग को टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। पूर्व कप्तान संजू सैमसन के चेन्नै सुपरकिंग्स में ट्रेड होने के बाद यह फैसला लिया गया। पराग इससे पहले IPL 2025 में स्टैंड-इन कप्तान रह चुके हैं और टीम के सबसे युवा कप्तान बने थे।

सतेंद्र का कारनामा

■नई दिल्ली: मध्य प्रदेश के सतेंद्र सिंह लोहिया ने न्यूजीलैंड के कुक जलडमरूमध्य को पार कर इतिहास रच दिया है। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले एशिया के पहले पैरा-स्विमर बन गए हैं। 38 वर्षीय लोहिया ने 23.6 किलोमीटर की दूरी नौ घंटे 22 मिनट में पूरी की। पद्मश्री से सम्मानित लोहिया ने कठिन समुद्री परिस्थितियों में यह कारनामा कर देश को गौरवान्वित किया।

भारत शूटर्स ने किया एक और क्लीन स्वीप

■एजेंसियां, नई दिल्ली: एशियन शूटिंग चैंपियनशिप के अंतिम दिन भारत ने स्वर्णिम अंत किया। स्टार शूटर अमनप्रीत सिंह ने 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल इवेंट में 589 पॉइंट्स के साथ व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीता। इस इवेंट में सिल्वर भी भारत के गुरप्रीत सिंह (584) और ब्रॉन्ज अंकुर गोयल (570) ने जीता। अमन, गुरप्रीत, अंकुर की तिकड़ी ने टीम इवेंट में भी गोल्ड मेडल अपने नाम किया। विमिंस 50 मीटर राइफल प्रोन में सिफ्त कौर सामरा ने सिल्वर और तेजस्विनी सावंत ने ब्रॉन्ज जीता। सामरा, सावंत और मानिनी कौशिक ने टीम इवेंट में गोल्ड मेडल पक्का किया। भारत ने इस चैंपियनशिप का समापन कुल 33 मेडल (13 गोल्ड, 11 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज) के साथ किया।

एशियन शूटिंग चैंपियनशिप

गोल्ड मेडल के साथ अमनप्रीत

अब चौबीसों घंटे मैं सिर्फ मज़ाक नहीं करता:ईशान

■पीटीआई, नई दिल्ली: भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने स्वीकार किया कि अपने व्यक्तित्व में बदलाव ने उन्हें एक बेहतर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नामीबिया के खिलाफ जीत में 24 गेंदों में 61 रन बनाने वाले किशन ने कहा, 'सच कहूं तो मुझे लगता है कि मैं अब काफी बदल गया हूं। मैं अब पहले की तरह बहुत अधिक मजाक नहीं करता। मुझे चुटकुले और इस तरह की चीजें पसंद हैं, लेकिन अब मैं हर समय ऐसा नहीं करता हूं और दो-तीन घंटे के लिए ही ऐसा करता हूं।' किशन ने कहा, 'मैं अभी सिर्फ बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग पर ध्यान दे रहा हूं, जिससे टीम और मुझे दोनों को फायदा होगा। बाकी सब चीजें गौण हैं, इसलिए मैं हमेशा मजाक नहीं करता।' किशन ने अब अधिक निरंतरता हासिल कर ली है।

वर्ल्ड कप रिऐक्शंस

ईशान किशन

रन गति पर अंकुश लगाना चाहते थे गेरहार्ड
नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने भारत के खिलाफ शिकस्त के बाद कहा कि तूफानी शुरुआत के बाद वे खेल को धीमा करना चाहते थे। भारत ने 7 ओवर में 104 बनाकर तूफानी शुरुआत की थी लेकिन ऑफ स्पिनर इरास्मस (4/20) की अगुआई में गेंदबाजों ने नामीबिया को वापसी दिलाई। इरास्मस ने कहा, 'बीच के ओवर्स में खेल को धीमा करना हमेशा हमारी योजना का हिस्सा था। इसलिए हमारा हथियार मुकाबले को धीमा करना था।'

बैडमिंटन में बदलेगा स्कोरिंग सिस्टम!

■एजेंसियां, कुआलालंपुर: बैडमिंटन वर्ल्ड महासंघ (BWF) परिषद ने '3x15 स्कोरिंग प्रणाली' को खेल का आधिकारिक फॉर्मेट बनाने का प्रस्ताव रखा है। इस पर 25 अप्रैल को डेनमार्क के होर्सेन्स में होने वाली वार्षिक आम बैठक (AGM) में मतदान होगा। परिषद ने 8 नवंबर की बैठक में निष्कर्ष निकाला था कि 3x15 फॉर्मेट मैच के रोमांच, प्रतिस्पर्धात्मक निष्पक्षता, खिलाड़ियों के कल्याण और टूर्नामेंट प्रस्तुति के बीच बेहतर संतुलन स्थापित करता है। इस प्रणाली का परीक्षण चयनित राष्ट्रीय और ग्रेड-तीन प्रतियोगिताओं व गुवाहाटी जूनियर्स 2025 में किया जा चुका है। BWF अध्यक्ष खुनयिंग पतामा लीसवादत्रकूल ने कहा, 'हमारी जिम्मेदारी है कि बैडमिंटन हर स्तर पर आगे बढ़े और प्रेरित करता रहे।'

अप्रैल में होगी बैठक

भारतीय टीम को कोलंबो के हालात के हिसाब से जल्द ढलना होगा: अंजुम

Sanjeev.Kumar11
@timesofindia.com

■नई दिल्ली: भारतीय विमिंस क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा इन दिनों क्रिकेट कॉमेंट्री में अपनी दमदार पहचान बना चुकी हैं। संडे को होने वाले भारत-पाकिस्तान महामुकाबले पर उनकी भी नजर है। NBT से विशेष बातचीत में अंजुम ने कहा कि इसमें दो राय नहीं कि भारतीय टीम बहुत अच्छी है। वह भारतीय जीत को लेकर 'कॉन्फिडेंट' हैं, लेकिन 'ओवर कॉन्फिडेंट' नहीं क्योंकि इस फॉर्मेट में कुछ भी हो सकता है। अंजुम की बस एक ही चिंता है कि भारत को वहां पहुंचकर परिस्थितियों से ढलने के लिए कम समय मिलेगा।

अंजुम ने कहा, 'पाकिस्तान की टीम कोलंबो में पिछले कुछ दिनों से है और दो मैच भी खेल चुकी है। हालांकि, अगर भारतीय टीम में भी देखें तो अधिकतर खिलाड़ियों ने वहां मैच खेला हुआ है। हमें पहले से पता था कि पाकिस्तान को वहां रहने का एडवांटेज मिलेगा। अब उसे तो नहीं बदला जा सकता। मगर, इतना जरूर है कि जो भी 48 घंटे का समय भारतीय टीम के पास है, उसमें उसे जल्द से जल्द वहां के हालात के हिसाब से खुद को ढालना होगा।'

संजू भी कोई साधारण प्लेयर नहीं: अंजुम इस बात को लेकर बिल्कुल चिंतित नहीं हैं कि अगर ओपनर अभिषेक शर्मा नहीं खेलते, तो भारतीय टीम के लिए कोई समस्या होगी, खासतौर पर तब जबकि संजू सैमसन अच्छी लय में नहीं हैं। अंजुम ने कहा, 'मैं बिल्कुल चिंतित नहीं हूं। इलेवन में पहली पसंद तो अभिषेक ही होंगे, मगर वह उपलब्ध नहीं हैं तो संजू ही खेलने चाहिए। संजू कोई साधारण या खराब प्लेयर नहीं हैं।'

एक्सपर्ट की राय

भारतीय विमिंस क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान और कॉमेंटेटर अंजुम चोपड़ा

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 14-02-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMKHEL User: dinesh.chakravarty@timesofindi Time: 02-13-2026 22:13 Color:

My MUMBAI

SATURDAY, FEBRUARY 14, 2026 | ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT PROMOTIONAL FEATURE

सनी लियोनी

'मैं और डेनियल नहीं चाहते हमारे बच्चे नैनी के भरोसे पलें'

Happy Valentine's Day

रेखा खान

इंडस्ट्री में तकरीबन डेढ़ दशक का समय बिता चुकी सनी लियोनी ने आखिरकार बॉलिवुड और इंडिया में अपनी जमीन पुख्ता कर ही ली। आज उनका अतीत कहीं पीछे छूट चुका है। एक अभिनेत्री, बिजनेस वुमन और मां के रूप में वे मजबूत और खुश हैं। एक लेखिका और एक्टिविस्ट के रूप में खुद को संवारने वाली सनी इन दिनों चर्चा में हैं अनुराग कश्यप निर्देशित फिल्म कैनेडी से। पिछले दो सालों में कान और मामी जैसे अनेकों फिल्मोत्सवों में इनाम-इकराम बटोरने के बाद अब ये फिल्म ओटीटी पर आने वाली है। सनी से एक खास मुलाकात।

जिम्मेदारियां अच्छी लगती हैं

एक अभिनेत्री, आंत्रप्रेन्योर और तीन बच्चों की मां जैसी तिहरी जिम्मेदारियों के बीच संतुलन साधने को लेकर वे कहती हैं, 'मुझे लगता है, बैलेंस करने के अलावा और कोई चारा भी तो नहीं है। बिजनेस है तो आपको उसे भी संभालना है। बच्चे हैं, तो उनकी , को भी देखना है। अभिनय भी करना होता है, तो आपके पास और कोई ऑप्शन नहीं होता, जब कोई और रास्ता ही नहीं होता, तब आप जुट जाते हैं। अपना काम ढंग से करो, चुनौतियों का सामना करो, यही ड्राइविंग फोर्स होता है। मुझे जिम्मेदारियां अच्छी लगती हैं। मैं नई चीजों को लेकर उत्साहित रहती हूं और यही मेरी एनर्जी का स्रोत होता है।'

जब दिल से चाहो, तभी मां बनो

सनी लियोन निशा, एशर और नोहा जैसी तीन बच्चों की मां हैं, जो क्रमशः 9 और 8 साल के हैं। उन्होंने 2017 में निशा नामक बच्ची को गोद लिया था और 2018 में वे नोहा और एशर जैसे जुड़वा बेटों को सेरोगेसी के जरिए दुनिया में लाईं। मदरहुड के बारे में वे कहती हैं, 'अगर आपको बच्चे चाहिए, तो दिल से चाहें। किसी सोशल प्रेशर या फिर मम्मी-पापा के कहने पर बच्चे पैदा न करें। आप जब किसी दबाव में आकर बच्चे पैदा करते हैं और जब आप उनके लिए मानसिक तौर पर तैयार होते हैं, दोनों में बहुत फर्क होता है। मेरे और डेनियल (उनके पति) के लिए तो ये थ्री अगेंस्ट टू रहा है (हंसती हैं) हमें बच्चे चाहिए थे। हम उन्हें पाल-पोसकर बड़ा करना चाहते हैं, उनके साथ रहना चाहते हैं। हम उनकी जिंदगी का हिस्सा बनना चाहते हैं। बुरा मानने वाली बात नहीं है, पर हम नहीं चाहते कि नैनी या बाहरी लोग हमारे बच्चों को पालें। हम चाहते हैं, वे हमेशा हमें अपने आस-पास देखें और जब वे बड़े हों, तो उनके साथ हमारे अहसास हों कि मम्मी कैसे हमें स्कूल से लेने आती थीं। पापा मेरा मैच देखने आते हैं, तब कितनी खुशी होती है? मैं ये नहीं चाहती कि वे बड़े होकर हमारे लाए हुए खिलौने याद रखें। वे हमारा दिया हुआ समय याद रखें और वाकई यही होता है। बच्चों को बड़े होकर खिलौने या कपड़े याद नहीं रहते, उनको तो ट्रिप और वो टाइम याद रहता है, जो हमने साथ मिलकर बिताया होता है। बच्चों को समय देना अनमोल होता है।'

दो हजार लोग तालियां बजा रहे थे, मैं रो रही थी

कान फिल्म फेस्टिवल में मिले फिल्म के अभूतपूर्व रिस्पॉन्स के बारे में वे कहती हैं, 'फिल्म को सात मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन। मैं क्या बोलूं? उस जगह की एनर्जी कमाल की थी। उस अनुभव को बयान करने के लिए मेरे पास लफ्ज नहीं हैं। आप जब इस तरह के अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में जाते हैं और लोगों का ऐसा रिएक्शन मिलता है, तो बहुत ही गर्व होता है। बुरा मत मानिएगा, आज के दौर में फिल्म के रिव्यूज को लेकर लोग कई बार अच्छा-बुरा कहते हैं कि फिल्म अच्छी नहीं थी,फकाऊ थी, आदि आदि। यहां पर आम तौर पर फिल्म मेकिंग की सराहना के बजाय आलोचना होती है। मगर जब आप फिल्मोत्सव में जाते हैं, तो अहसास होता है कि लोग अच्छी फिल्म और सशक्त स्टोरी टेलिंग पर अपना यकीन दिखाते हैं। वे जब खड़े होकर आपके लिए तालियां बजा रहे होते हैं, तब आप बहुत ज्यादा इमोशनल और अभिभूत हो जाते हैं। मैं पूरे कान फिल्म फेस्टिवल में रोती जा रही थी। मैं देख रही थी कि 2000 लोग खड़े होकर तालियां बजा रहे थे। मुझे यकीन नहीं आ रहा था कि मैं कहां हूं। वहां होने वाले इंटरव्यूज और रिएक्शन एक ख्वाब की तरह था। एक लड़की जिसका सफर कहां से कहां तक पहुंचा है। मैंने बिग बॉस से अपने करियर की शुरुआत की थी और मैं दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल कान के रेड कार्पेट पर थी।'

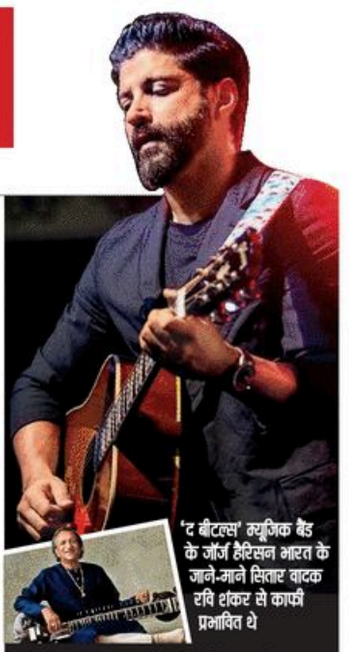

'द बीटल्स' म्यूजिक बैंड के जॉर्ज हैरिसन भारत के जाने-माने सितार वादक रवि शंकर से काफी प्रभावित थे

फरहान का हॉलिवुड डेब्यू, सितार वादक रवि शंकर का करेंगे रोल

फरहान अख्तर पिछले कुछ अरसे से फिल्म डॉन 3 को लेकर चर्चा में थे। अब खबर है कि वह म्यूजिक बैंड बीटल्स पर बन रही एक फिल्म से हॉलिवुड डेब्यू करने वाले हैं। इस फिल्म में वह मशहूर सितार वादक रवि शंकर का रोल निभाएंगे।

इस बारे में फरहान की पत्नी शिबानी अख्तर ने सोशल मीडिया पर उनको बधाई देते हुए लिखा 'फरहान आप पर हमेशा गर्व रहेगा। बीटल्स के लिए नई कास्टिंग की घोषणा की गई है। फरहान अख्तर रवि शंकर की की भूमिका में होंगे।' डायरेक्टर सैम मेंडेस एक हॉलिवुड फिल्म 'द बीटल्स: ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' बना रहे हैं। फिल्म में फरहान के अलावा, लूसी बॉयंटन, मॉर्फिड क्लार्क और हैरी लॉटी भी अहम रोल में नजर आएंगे। सितार वादक रवि शंकर से 'द बीटल्स' म्यूजिक बैंड के जॉर्ज हैरिसन काफी प्रभावित थे। 1960 के दशक में द बीटल्स म्यूजिक बैंड ने भारतीय शास्त्रीय संगीत को अपने गानों में शामिल किया था। उस समय रवि शंकर और बीटल्स की जुगलबंदी म्यूजिक इंडस्ट्री में एक बड़ी खबर बन गई थी। इसलिए फिल्म में रवि शंकर का रोल भी है।

राजपाल यादव के वकील बोले, बॉलिवुड से मिल रही है मदद

राजपाल यादव की जमानत याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई सोमवार तक स्थगित कर दी गई है। इस बीच उनके वकील भास्कर उपाध्याय ने कहा कि राजपाल की जमानत याचिका पर अभी दूसरे पक्ष ने जवाब नहीं दिया है, इसलिए अदालत ने सुनवाई टाल दी।

उन्होंने आगे बताया कि वह 50 लाख रुपये का चेक लेकर अदालत पहुंचे थे और भुगतान करने के लिए तैयार हैं। राजपाल को फिल्म इंडस्ट्री से काफी सपोर्ट मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं बताऊंगा कि किसने कितना पैसा दिया, लेकिन उन्हें मदद जरूर मिल रही है।' राजपाल यादव के वकील ने यह भी कहा है कि एक फिल्म के लिए फाइनेंसर ने 5 करोड़ का निवेश किया था, जिसे लौटाने से राजपाल यादव ने कभी इनकार नहीं किया।

मृणाल ठाकुर बोलीं, वैलंटाइंस डे पर मेरी शादी की चर्चा झूठी

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने 14 फरवरी को शादी करने की खबर पर रिएक्ट किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू वैलंटाइंस पर शादी करने की चर्चा पर कहा, 'मैं? नहीं कर रही। मुझे नहीं पता ये अफवाह किसने शुरू की। मुझे लगता है 14 फरवरी अब अप्रैल फूल्स डे बन गया है। सबसे पहले तो मुझे कोट किया जा रहा है, जबकि मैंने तो कुछ कहा ही नहीं।'

छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली मृणाल बॉलिवुड ही नहीं साउथ इंडस्ट्री में भी काफी दमदार भूमिकाएं कर चुकी हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म दो दीवाने शहर में से। इस फिल्म में उनके हीरो सिद्धांत चतुर्वेदी हैं।

'रोमियो' बनकर चमके शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी भी कम नहीं

Upma.Singh@timesofindia.com

'कमीने' और 'हैदर' जैसी दमदार फिल्मों के बाद विशाल भारद्वाज और शाहिद कपूर की जोड़ी 'ओ रोमियो' लेकर आई है और इस बार भी विशाल के 'उस्तरा' बनकर शाहिद ने धांसू ऐक्टिंग की है।

पहले सीन में ही उस्तरा (शाहिद कपूर) की धमाकेदार एंट्री फिल्म का डार्क टोन सेट कर देती है। उस्तरा वो खतरनाक सुपारी किलर है, जो अपने निशाने के शरीर से आत्मा अलग कर देता है, पर उसे अपनी धुन पर नचाते हैं, खान साहब (नाना पाटेकर)। आईबी चीफ खान साहब उस्तरे से दूसरे गैंगस्टर्स का सफाया करवाते हैं। तभी इस दिलफेंक मनचले की जिंदगी में आती है अफशां (तृप्ति डिमरी), जो उसे खूंखार गैंगस्टर जलाल (अविनाश तिवारी) और उसके तीन साथियों की सुपारी देने आती है, लेकिन रोमियो बना जाती है। अब ऐसा क्या होता है? अफशां क्यों जलाल को मारना चाहती है? ये रोमियो अपनी आशिकी में किस हद तक जाता है?, यह सब जानने के लिए फिल्म देखनी होगी।

कहानी लेखक हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वीन्स ऑफ बॉलिवुड से ली गई है, जिस पर विशाल भारद्वाज ने इश्क और बदले की रोमांचक दुनिया रची है। गैंगस्टर्स की यह दुनिया स्याह, खून-खराबे से भरी है, तो कई बार भारीपन भी महसूस होता है। लेकिन तभी विशाल भारद्वाज उसमें मोहब्बत, दोस्ती और अपनेपन की मिठास घोल देते हैं। उस पर नब्बे के धीरे धीरे से मेरी जिंदगी में आना... और ऐ मेरे हमसफर... जैसे गाने भी सुकून देते हैं। संगीतकार के रूप में भी वह अव्वल रहे हैं। गुलजार के लिखे आशिकों की कोलोनी, फीवर, नीचे पान की दुकान जैसे सभी गाने प्रभावी हैं। बात करें ऐक्टिंग की तो उस मामले में भी फिल्म बेहद समृद्ध है। शाहिद की परफॉर्मेंस बेहतरीन है। उन्हें इस किरदार में आवारगीपन, खौफ, दर्द, इश्क सब दिखाने का मौका मिला है और वे इस मौके को भुनाने में नहीं चूके हैं। वहीं, तृप्ति ने भी अफशां की मासूमियत, उसका गुस्सा, अपराधबोध, जिद हर पहलू को बखूबी पर्दे पर उतारा है। नाना पाटेकर भी जब-जब स्क्रीन पर आते हैं, छा जाते हैं। जलाल के रूप में अविनाश तिवारी भी कड़क हैं, पर उनके किरदार में ज्यादा लेयर नहीं है, जो फिल्म की कमजोर कड़ी भी है। जबकि, क्लासिकल गाने वाले क्रिमेटर पठारे के रूप में राहुल देशपांडे, उस्तरा के दोस्त के रूप में हुसैन दलाल का काम बढ़िया है। वहीं, दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया, अरुणा ईरानी, विक्रांत मैसी, फरीदा जलाल के कैमियो फिल्म में स्टार पावर जोड़ते हैं। डीओपी बेन बर्नहार्ड की सिनेमेटोग्राफी और डेनी डेल रसारियो का ऐक्शन बढ़िया है। फिल्म की एक खामी इसका तीन घंटा लंबा रनटाइम है। एडिटर आरिफ शेख को इसे 20 मिनट कम करना चाहिए था।

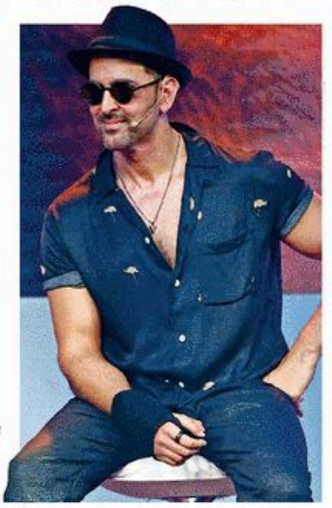

फिल्म: ओ रोमियो

रेटिंग ★★★½

निर्देशक विशाल भारद्वाज
कलाकार: शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी, नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी, फरीदा जलाल, आदि।
अवधि: 2 घंटे 57 मिनट
जॉनर: रोमांस, गैंगस्टर ड्रामा

क्यों देखें
यह रोचक गैंगस्टर ड्रामा शाहिद-तृप्ति की उम्दा अदाकारी के लिए देख सकते हैं।

डॉन 3 के लिए मुझे नहीं किया गया अप्रोच: रितिक

रितिक रोशन को लेकर ऐसी चर्चाएं थीं कि डॉन 3 में रणवीर सिंह की जगह उनको कास्ट किया गया है। अब रितिक ने एक इंटरव्यू में कहा है कि उन्हें कभी भी डॉन 3 के लिए अप्रोच नहीं किया गया है।

रितिक ने इसके साथ ही सोशल मीडिया पर एक इमोशनल नोट साझा किया। रितिक ने कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वह बर्फ से ढके पहाड़ों, शांत झील और नीले आसमान के नीचे नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा, 'यह बिल्कुल मेरे सिर के ऊपर और सामने है। मैं अपने सामने इन चीजों में खुद का ही अंश साफतौर पर देखता हूं। बदलाव आ रहा है, जिसका इंतजार लंबे समय से था।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं आजाद हूं बिल्कुल प्रकृति की तरह। कुछ पल के लिए मैं इस दुनिया की अनमोल धरोहर के बीच आराम करता हूं।'

S3 ग्रुप का बिग बी और माझी मुंबई को सीज़न-3 के सुनहरे सफ़र के लिए धन्यवाद

S3 ग्रुप ने ISPL सीजन-3 में माझी मुंबई टीम के साथ जुड़े हर एक यादगार पल, जज्बे और खेल भावना के लिए अपना आभार व्यक्त किया है।

इस अवसर पर श्री शैलेश संघवीजी , CMD S3 Group , ने कहा "S3 ग्रुप का इस सुनहरे सफ़र के लिए बिग बी और माझी मुंबई टीम का विशेष धन्यवाद , मेरा मानना है कि हार-जीत से कहीं आगे जाकर, माझी मुंबई जैसे मंच और साझेदारियाँ ,उभरते प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को , स्ट्रीट टैलेंट को आगे लाने का सशक्त माध्यम बनती है और समाज में सकारात्मक सोच को भी मजबूत करती है। आने वाले समय में भी S3 ग्रुप मुंबई की इस खेल संस्कृति और माझी मुंबई के साथ मजबूती से जुड़ा रहेगा"

श्री शैलेश संघवी और श्री अमिताभ बच्चनजी - टीम ऑनर।

श्री अभिषेक बच्चन, श्री शैलेश संघवी और श्री निपुण अग्रवाल - टीम ऑनर।

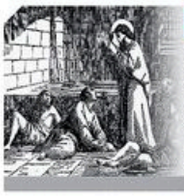

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 14-02-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMIND User: cci Time: 02-13-2026 22:36 Color:

NBT AI टाइम मशीन

आज दुनिया मना रही है वैलंटाइंस डे

आज वैलंटाइंस डे (Valentine's Day) है। यह दिन रोमन पादरी संत वैलंटाइन (Saint Valentine) की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने राजा के विवाह प्रतिबंध के खिलाफ जाकर सैनिकों की शादियां करवाई थीं। इसी वजह से उन्हें फांसी दी गई। 496 AD में पोप जेलेसियस (Pope Gelasius) ने आधिकारिक तौर पर वैलंटाइंस डे मनाना शुरू किया। 1840 के दशक में कार्ड्स से ये बड़ा कमर्शल इवेंट बन गया।

चांद पर वर्चुअल डेट्स हो जाएंगे आम

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में वैलंटाइंस डे तकनीक और भावनाओं का अनोखा संगम होगा। होलोग्राम और वर्चुअल रियलिटी के जरिए लोग दूर रहकर भी साथ समय बिताएंगे। AI यादों के 3D अनुभव तैयार करेगा। चांद पर वर्चुअल डेट्स आम होंगे। हालांकि तकनीक अभिव्यक्ति बदल देगी, लेकिन सच्चा लगाव, भरोसा और अपनापन सबसे अहम रहेंगे। तेज और आर्टिफिशल दुनिया में बिना स्क्रीन के साथ बैठना ही सबसे कीमती तोहफा माना जाएगा।

AI Images

शासन का केंद्र अब नागरिक हैं: मोदी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री दफ्तर का पता बदला, अब सेवा तीर्थ कहलाएगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार सुबह राजधानी दिल्ली में नए प्रधानमंत्री कार्यालय यानी नए सेवा तीर्थ परिसर और कर्तव्य भवन 1 और 2 का लोकार्पण किया। सेवा तीर्थ परिसर में अब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय एक साथ काम करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय का पता औपनिवेशिक दौर की साउथ ब्लॉक इमारत से बदलकर सेवा तीर्थ परिसर हो गया है। मोदी ने कहा, सेवा परमो धर्म की भावना ही नए सेवा तीर्थ परिसर की आत्मा है। यह केवल भवन नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण के संकल्प का प्रतीक है। आज का संकल्प और परिश्रम ही आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करेगा।

प्रधानमंत्री ने शुक्रवार सुबह केंद्रीय मंत्रियों मनोहर लाल और डॉ. जितेंद्र सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, प्रधान सचिव पी.के. मिश्रा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में परिसर का लोकार्पण किया। इसके बाद शाम को उन्होंने कर्तव्य भवन 1 और कर्तव्य भवन 2 का लोकार्पण किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि शासन का केंद्र अब नागरिक है। इस भवन में लिया गया हर निर्णय 140 करोड़ देशवासियों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से होना चाहिए।

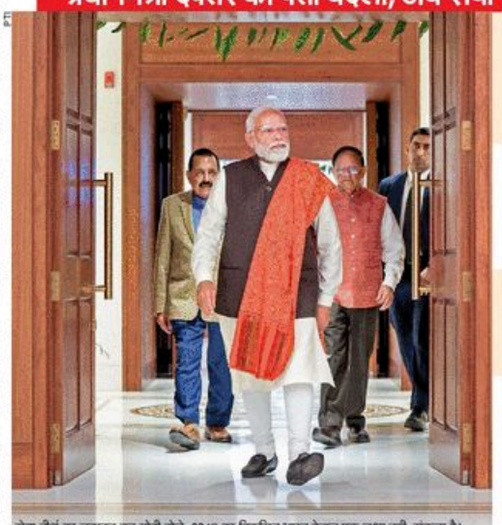

सेवा तीर्थ का उद्घाटन कर मोदी बोले, 2047 का विकसित भारत केवल एक लक्ष्य नहीं, संकल्प है।

एक साथ ऑफिस होने से तालमेल बेहतर होगा

- अब सरकार के कई बड़े दफ्तर और मंत्रालय एक ही जगह पर होंगे। पहले ये दफ्तर अलग-अलग जगहों पर, पुराने भवनों में चलते थे। इससे काम में देरी होती थी, अफसरों को एक-दूसरे से मिलने में परेशानी होती थी और आम लोगों को भी अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे।
- सेवा तीर्थ भवन में अब पीएमओ, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद और कैबिनेट सचिवालय एक ही परिसर में काम करेंगे यानी देश के बड़े फैसलों से जुड़े दफ्तर एक ही जगह होंगे, जिससे फैसले जल्दी होंगे और कामकाज में तालमेल बेहतर रहेगा।
- कर्तव्य भवन-1 और 2 में कई अहम मंत्रालयों को जगह दी गई है। इनमें वित्त, रक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, कानून, सूचना एवं प्रसारण, संस्कृति, रसायन एवं उर्वरक, जनजातीय कार्य और कॉरपोरेट कार्य जैसे मंत्रालय शामिल हैं। इसका फायदा यह होगा कि लोगों को अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग जगह भटकना नहीं पड़ेगा।

बारबाडोस में तीसरी बार मोटली PM, मोदी ने दी बधाई

■ भाषा, नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटली को लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने पर बधाई देते हुए शुक्रवार को कहा कि भारत, इस कैरिबियाई देश के साथ अपनी दीर्घकालीन मित्रता को बहुत महत्व देता है। यह मित्रता सहयोग के विविध क्षेत्रों में लगातार विस्तार कर रही है। मोटली की पार्टी ने इस सप्ताह हुए आम चुनाव में संसद की सभी 30 सीट पर जीत हासिल की।

थाइलैंड में भारत के नए राजदूत बने पुनीत अग्रवाल

■ आईएएनएस, नई दिल्ली: पुनीत अग्रवाल को थाइलैंड में भारत के राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। 1997 बैच के आईएफएस अधिकारी वर्तमान समय में मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उम्मीद है कि वे जल्द ही यह काम संभाल लेंगे। पुनीत अग्रवाल एक अनुभवी भारतीय डिप्लोमैट और इंडियन फॉरेन सर्विस के वरिष्ठ अधिकारी हैं।

बजट सत्र का पहला चरण पूरा, 9 मार्च तक के लिए स्थगित

PTI

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र का पहला चरण पूरा हुआ। शुक्रवार को लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदन 9 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिए गए। लोकसभा में शुक्रवार को भी विपक्ष का विरोध जारी रहा और कोई काम नहीं हो पाया। जबकि राज्यसभा चली। बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च को शुरू होगा और इसकी चर्चाएं भी तेज हैं कि इस बीच कैबिनेट में फेरबदल हो सकता है।

इस बीच कैबिनेट में फेरबदल की चर्चाएं तेज

लोकसभा में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी की और प्रश्नकाल नहीं चल सका और सदन की बैठक एक बार के स्थगन के बाद 9 मार्च सुबह 11 बजे के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में 2 मार्च से राष्ट्रपति अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई। धन्यवाद प्रस्ताव और इसका समर्थन करने के लिए बीजेपी के दो सदस्यों के भाषण के बाद जब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपनी बात रखनी शुरू की तो उनकी पूर्व आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणे की अप्रकाशित किताब का हवाला देते हुए की गई टिप्पणी को लेकर सदन में हंगामा शुरू हो गया। जिसकी वजह से चर्चा नहीं हुई और न ही प्रधानमंत्री का धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब हो सका। हालांकि लोकसभा में इस सप्ताह आम बजट पर चर्चा हुई और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को इसका जवाब दिया।

DMK सरकार ने महिलाओं को दिए 5-5 हजार रुपये

■ भाषा, चेन्नै: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि राज्य सरकार ने महिला लाभार्थी योजना के तहत 1.31 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में 5,000 रुपये जमा किए हैं। उन्होंने बताया कि 'कलैगनार महिला पात्रता योजना' के तहत यह राशि सीधे खातों में भेजी गई है। स्टालिन ने कहा कि फरवरी से तीन महीने तक यह सहायता दी जाएगी और गर्मियों के खर्च के लिए 2,000 रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि अगर उनकी पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम फिर सत्ता में आती है तो मासिक सहायता 1,000 से बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दी जाएगी। विपक्ष के नेता एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने इसे चुनावी कदम बताया। वहीं बीजेपी और अन्य दलों ने भी इस घोषणा की आलोचना की है।

सालासर बालाजी में 3 मार्च को 12 घंटे कपाट रहेंगे बंद

■ NBT रिपोर्ट: चंद्रग्रहण के कारण 3 मार्च को राजस्थान के चूरू जिले के सालासर में स्थित श्री बालाजी मंदिर के दर्शन व्यवस्था में आंशिक परिवर्तन किया गया है। मंदिर समिति के मुताबिक, सूतक काल के चलते मंदिर के कपाट सुबह 6:25 बजे से शाम 7:00 बजे तक बंद रहेंगे। इस अवधि में भक्तों के लिए दर्शन बंद रहेंगे। ग्रहण समाप्त होने के बाद शाम 7:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक भक्त दर्शन कर सकेंगे।

CBI मणिपुर हिंसा की रिपोर्ट 2 सप्ताह में दे: सुप्रीम कोर्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

11 FIR की जांच: मणिपुर में जातीय हिंसा से जुड़ी 11 FIR के मामले में CBI को दो हफ्ते के अंदर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर जातीय हिंसा से संबंधित 11 FIR की जांच कर रही सीबीआई को दो सप्ताह के भीतर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र और मणिपुर सरकार से यह भी कहा कि राज्य में जातीय हिंसा के पीड़ितों के पुनर्वास और कल्याण के संबंध में जस्टिस गीता मित्तल समिति की सिफारिशों को लागू करना सुनिश्चित करें।

SC बोला, केंद्र, राज्य सरकार पुनर्वास की व्यवस्था करें

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने सुझाव दिया है कि हिंसा मामलों के मुकदमों और संबंधित प्रगति की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के बजाय अधिकार-क्षेत्र वाले मणिपुर हाई कोर्ट या गुवाहाटी हाई कोर्ट या फिर दोनों करें। वकीलों से दो सप्ताह में इस संबंध में निर्देश लेकर आने को कहा।

हाल ही में दिवंगत हुई एक महिला पीड़िता की ओर से पेश हुई वरिष्ठ अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर ने कहा कि उनकी जगह उनकी मां को पक्षकार बनाया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सीबीआई ने उन्हें यह भी सूचित नहीं किया कि उनके रेप मामले में आरोपपत्र दाखिल किया गया है। ग्रोवर ने कहा कि कुकी समुदाय की वह महिला पिछले महीने एक बीमारी से चल बसी, जो कथित रूप से गैंगरेप के बाद झेले गए आघात से जुड़ी थी। उन्होंने आरोप लगाया, 'मैंने ट्रायल कोर्ट की रिपोर्ट देखी है, मुख्य आरोपी उपस्थित नहीं हो रहे हैं। सीबीआई भी मौजूद नहीं है।' इस पर केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ग्रोवर जो कह रही हैं, उसका कोई विरोध नहीं कर सकता। पीड़िता के अधिकार प्रभावित नहीं होने चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि सीबीआई को स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने दें। जब अधिवक्ता निजाम पाशा ने कहा कि गुवाहाटी हाई कोर्ट पहले से ही मुकदमों की निगरानी कर रहा है, तो पीठ ने कहा कि माहौल को ध्यान में रखते हुए वह आदेश पूरी तरह उचित था।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

'उम्मीद करें कि न्याय मिलेगा'

चीफ जस्टिस ने कहा कि हम मणिपुर और गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से समन्वय करने और यह देखने को कह सकते हैं कि पीड़ितों के बयान किस प्रकार दर्ज किए जाएं। इन परिस्थितियों में पीड़ितों को मुफ्त विधिक सहायता दी जानी चाहिए। यदि पूर्व में तनावपूर्ण माहौल के कारण विधिक सहायता अधिवक्ता उपलब्ध नहीं है, तो गुवाहाटी बार से अधिवक्ताओं को भेजा जा सकता है। मामले की जांच सीबीआई कर रही है और उम्मीद की जानी चाहिए कि कोर्ट की निगरानी में पीड़ितों को न्याय मिलेगा।

ईटी ग्लोबल बिजनेस समिट में वाणिज्य मंत्री ने गिनाए समझौते के फायदे, कहा-

'US के साथ डील में किसानों के हित सुरक्षित रखने में कामयाब'

THE TIMES GROUP ET NOW GBS Global Business Summit Spark Capital BENNETT UNIVERSITY

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

संबोधित करते पीयूष गोयल

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि अमेरिका के साथ व्यापार पर अंतरिम समझौते में भारत अपने किसानों के हितों को सुरक्षित रखने में कामयाब रहा है। ऐसे सभी क्षेत्रों में जहां किसानों की उपज ज्यादा है और इसकी वजह से देश को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिली, उन सबको हम अमेरिका के साथ एफटीए से बाहर रखने में सफल रहे हैं। इसमें चावल, गेहूं, ज्वार, बाजरा, रागी, जीएम फूड समेत 95 % प्लस फार्म प्रोडक्ट्स शामिल हैं। शुक्रवार को वह ईटी ग्लोबल बिजनेस समिट को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गोयल ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग डील को लेकर झूठ फैला रहे हैं और मासूम किसानों को बरगला रहे हैं। ऐसे लोगों के लिए राष्ट्रीय हित कोई प्राथमिकता नहीं। मोदी सरकार रिफॉर्म एक्सप्रेस के तहत मिशन मोड में है। इस दौरान उन्होंने पांच महीने में न्यूजीलैंड, ईयू, ओमान, यूके के साथ एफटीए और यूएस के साथ अंतरिम समझौते का भी जिक्र किया। EFTA करार को लेकर उन्होंने कहा कि स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड, लिचेंस्टाइन के साथ हुए भारत के ये समझौते बेहद खास हैं। इन देशों ने भारत में 100 बिलियन डॉलर की प्रतिबद्धता जाहिर की है।

9 फ्री ट्रेड करार

गोयल ने कहा कि भारत ने बीते वक्त में 9 फ्री ट्रेड करार किए, इनमें शामिल सभी 37 देश विकसित हैं और इन करारों में दुनिया की दो तिहाई जीडीपी समाहित है। पीयूष गोयल ने मौजूदा समय को बदलाव की यात्रा करार दिया और कहा कि हमें अपने संवेदनशील सेक्टरों की रक्षा करनी ही होगी।

चिराग बोले- अटके समझौते किए पूरे

इसी समिट में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (FTAs) में तेजी लाने समेत भारत-यूरोपीय संघ और भारत-अमेरिका समझौतों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत ने लंबे समय से लंबित मुक्त व्यापार समझौतों में तेजी लाकर और प्रमुख वैश्विक भागीदारों के साथ आर्थिक संबंधों को गहरा कर वैश्विक चुनौतियों से निपटने के अपने प्रयासों को तेज कर दिया है। सरकार ने कई ऐसे व्यापार समझौतों पर कदम आगे बढ़ाए हैं, जो लंबे समय से अटके हुए थे और कई देशों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

ट्रंप ने ईरान को दी चेतावनी, डील नहीं हुई तो गंभीर नतीजे

■ आईएएनएस, वॉशिंगटन: अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि वह जल्द से जल्द परमाणु समझौता करे, वरना उसे गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप ने कहा कि यदि समझौता नहीं हुआ तो हालात बहुत दर्दनाक हो सकते हैं। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान

ट्रंप ने कहा, 'हमें समझौता करना ही होगा, नहीं तो स्थिति बहुत कठिन और दर्दनाक हो जाएगी। मैं ऐसा नहीं चाहता, लेकिन समझौता जरूरी है।' समय सीमा के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि यह प्रक्रिया ज्यादा लंबी नहीं चलनी चाहिए। वहीं, गुरुवार को दावा किया गया कि अमेरिका के सबसे बड़े विमानवाहक पोत को कैरेबियन सागर से पश्चिम एशिया की ओर रवाना करने का आदेश दिया गया है।

चीन जाएंगे ट्रंप

ट्रंप ने अप्रैल में चीन की यात्रा करने की पुष्टि की है। वहीं, एक अन्य मामले में चीन ने कहा है कि वह विदेशी जासूसी गतिविधियों के खिलाफ सभी जरूरी कदम उठाएगा।

टीचर का मीम बनाया? छात्र को राहत

कोर्ट बोला, स्कूल को तो सुधारना था, उसने छात्र को बाहर ही कर दिया

Rajesh.Choudhary
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: कथित रूप से शिक्षकों के संबंध में आपत्तिजनक मीम शेयर करने के आरोप में रस्टिकेट इंदौर के नाबालिग छात्र को दसवीं की परीक्षा में बैठने की अनुमति मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इसकी इजाजत देते हुए CISCE को उसका एडमिट कार्ड जारी करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा, 'एक स्कूल के रूप में आपको बच्चे को सुधारने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी, लेकिन आपने यह कहकर कि वह 'खराब लड़का' है, उसे बाहर कर दिया।' जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच ने कहा कि छात्र पहले ही CISCE के साथ परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन कर चुका है। उसे अनुमति नहीं दी गई तो उसका एक साल खराब हो जाएगा। कोर्ट ने कहा, 'इन परिस्थितियों में हम CISCE को निर्देश देते हैं कि याचिकाकर्ता के बेटे को एडमिट कार्ड जारी कर 17 फरवरी से परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी जाए।' विवाद की प्रकृति को देखते हुए स्कूल को यह स्वतंत्रता होगी कि वह छात्र को अन्य स्टूडेंट्स के साथ नहीं, बल्कि अलग कक्ष में एग्जाम देने की अनुमति दे। वकील ने कहा कि यह आदेश नहीं आता तो छात्र का साल खराब हो जाता।

कड़ा रुख अपनाया सुप्रीम कोर्ट ने कहा, किसी को अरावली को छूने की इजाजत नहीं दी जाएगी

जंगल सफारी प्रॉजेक्ट को सुप्रीम झटका, पहले तय होगी अरावली की परिभाषा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह "किसी को भी अरावली को छूने की इजाजत नहीं देगा"। कोर्ट ने कहा कि जब तक अरावली रेंज की परिभाषा स्पष्ट नहीं की जाती तब तक हरियाणा सरकार को जंगल सफारी परियोजना की डीपीआर बनाने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

हरियाणा की ओर से पेश वकील ने बताया कि सफारी प्रॉजेक्ट 10,000 एकड़ से घटाकर करीब 3,300 एकड़ कर दिया गया है। वे केवल इतना चाहते हैं कि DPR को सेंट्रल एंपावर्ड कमिटी के समक्ष पेश करने की अनुमति दी जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम एक्सपर्ट नहीं हैं। अरावली की परिभाषा विशेषज्ञ तय करेंगे। जब तक अरावली की परिभाषा निर्धारित नहीं हो जाती, DPR के लिए इजाजत नहीं दी जाएगी।

बननी है विश्व की सबसे बड़ी सफारी

पिछले साल अक्टूबर में सुप्रीम कोर्ट ने अरावली जंगल सफारी प्रॉजेक्ट पर रोक लगा दी थी। हरियाणा सरकार ने विश्व की सबसे बड़ी जंगल सफारी परियोजना बताया था। यहां बिग कैट समेत सैकड़ों प्रजातियों के पक्षियों, सरीसृपों और तितलियों के लिए जोन बनाने की योजना थी।

SINCE 1986
JOINT & SPINE CLINIC
NON SURGICAL PAIN MANAGEMENT
Orthopedic & Physiotherapy
जॉइंट & स्पाईन क्लिनिक

उम्र से संबंधित घुटने का घिसना (Wear & Tear) गठिया (Rheumatoid Arthritis), एसीएल और पीसीएल लिगामेंट और मेनिस्कस का फटना (ACL and PCl ligament and Meniscus tear), गाउट (यूरिक एसिड में वृद्धि), ऑपरेशन के बाद का दर्द। कई मरीज़ घुटने के प्रतिस्थापन के बाद भी दर्द का अनुभव करते रहते हैं। खेल की चोटें, घुटनों का टूटना, देर तक खड़े न रह पाना, घुटनों में सूजन

Senior Orthopedic Surgeon
Pain Management Specialist
Rheumatologist

503, कोहिनूर स्पेशलिटी क्लिनिक, पाँचवीं मंजिल, सेंट्रल टावर, कोहिनूर स्क्वायर, शिवसेना भवन के सामने, दादर

दर्द से राहत की ओर

बिना सर्जरी, बिना किसी दुष्प्रभाव के

क्या आप घुटनों की समस्याओं से पीड़ित हैं? क्या आपके घुटनों का लचीलापन, झुकने की क्षमता और भार वहन करने की क्षमता कम हो गई है? अगर आप सीढ़ियाँ चढ़ने में अत्यधिक कठिनाई, दैनिक गतिविधियों में भाग लेने में असमर्थता, पाँच मिनट भी खड़े न रह पाने, घुटनों में तेज दर्द आदि से राहत चाहते हैं, तो आज ही नी क्लिनिक जाएँ।

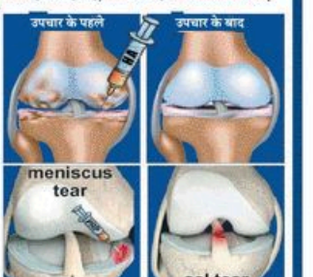

मुंबई
(प्रत्येक सोमवार)
सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक
8767090409
9370155293

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 14-02-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMCLAS User: cci Time: 02-13-2026 22:23 Color:

BMC ने प्रॉपर्टी टैक्स नहीं चुकाने वाले बड़े बकायादारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 6 प्रॉपर्टीज की ई-नीलामी प्रक्रिया शुरू कर दी है। -p3

शहर में कचरा रिसाइकलिंग प्रक्रिया एक बार फिर ठप हो गई है। इस वजह से डंपिंग ग्राउंड में कचरे का अंबार बढ़ता जा रहा है। -p8

183 रहा मुंबई का AQI शुक्रवार को, जो अनहेल्दी है।

28.6 अधिकतम तापमान दर्ज किया गया शुक्रवार को। दिन में गर्मी महसूस की गई।

www.mumbai.nbt.in

कंस्ट्रक्शन साइट्स पर नियमों का हो रहा है उल्लंघन

मुद्दा पब्लिक का

संतुलित विकास की जरूरत

मीरा-भाईंदर तेजी से विकसित हो रहा शहर है। बुनियादी ढांचे का विस्तार समय की मांग है। लेकिन विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही आवश्यक है। यदि निर्माण कार्यों के दौरान पर्यावरणीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए, तो शहर का विकास और नागरिकों का स्वास्थ्य दोनों सुरक्षित रह सकते हैं। अन्यथा, विकास की यह रफ्तार शहर की हवा को और जहरीला बना सकती है।

सड़कों पर बिखरी रेती-कंक्रीट

शहर के विभिन्न हिस्सों में सड़क किनारे खुले में रेती, मिट्टी और कंक्रीट के ढेर देखे जा सकते हैं। कई जगहों पर निर्माण सामग्री सीधे सड़क पर रख दी जाती है, जिससे यातायात प्रभावित होता है। नियमों के अनुसार, निर्माण सामग्री को साइट के अंदर ढंककर रखना जरूरी है। लेकिन ठेकेदार और बिल्डर अक्सर इस नियम को नजरअंदाज कर देते हैं। तेज हवा चलने पर यही रेती और सीमेंट उड़कर आसपास के वातावरण में घुल जाती है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है।

विकास के 'धुएं' में घुट रहीं मीरा-भाईंदर की सांसें

■ अमित तिवारी, मीरा-भाईंदर

मीरा-भाईंदर में विकास की रफ्तार बीते कुछ वर्षों में बेतहाशा बढ़ी है। नई इमारतें, चौड़ी सड़कें, गटर लाइन, सीवर प्रोजेक्ट और बड़े हाउसिंग कॉम्प्लेक्स शहर की बदलती तस्वीर पेश कर रहे हैं, लेकिन इसके पीछे एक चिंताजनक सच्चाई भी छिपी है। इस विकास की दौड़ में शहर की सेहत लगातार कमजोर पड़ रही है। लगातार चल रहे निर्माण कार्यों से उठती धूल, खुले में पड़ी निर्माण सामग्री और नियमों की अनदेखी ने मीरा-भाईंदर की आब-ओ-हवा को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। सीए अभिषेक तिवाड़ी का कहना है कि विकास जरूरी है, लेकिन यदि यह पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य की कीमत पर हो, तो इसकी दिशा पर पुनर्विचार होना चाहिए।

बड़े पैमाने पर हो रहे निर्माण कार्य से बढ़ रहा प्रदूषण

राज्य सरकार और मीरा-भाईंदर महानगरपालिका (एमबीएमसी) ने निर्माण स्थलों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इनमें 25 से 35 फीट ऊंची टिन शील्ड लगाना, ग्रीन नेट से घेराबंदी करना, नियमित पानी का छिड़काव, स्मॉग गन का उपयोग और सामग्री को ढंककर रखना जरूरी है। लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग है।

शहर के कई इलाकों में निर्माण स्थल बिना पर्याप्त घेराबंदी के खुले पड़े हैं। धूल रोकने के लिए लगाए गए ग्रीन नेट फटे हुए या आधे-अधूरे हैं। कई साइटों पर पानी का छिड़काव नाममात्र के लिए किया जाता है। इससे निर्माण के दौरान उड़ने वाली धूल आसपास की सड़कों और घरों तक फैल जाती है। इंद्रलोक निवासी संजय दुबे कहते हैं कि यह धूल न केवल पर्यावरण को प्रदूषित कर रही है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य पर भी सीधा असर डाल रही है।

प्रशासनिक सख्ती का कितना असर?

एमबीएमसी द्वारा समय-समय पर दिशा-निर्देश और नोटिस जारी किए जाते हैं, लेकिन लोगों का आरोप है कि जमीनी स्तर पर कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। एडवोकेट राजकुमार मिश्र कहते हैं कि शिकायतों के बावजूद निर्माण स्थल पर नियमों का उल्लंघन जारी रहता है। मिश्र कहते हैं कि केवल नोटिस देना पर्याप्त नहीं है। नियमित निरीक्षण, भारी जुर्माना और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ निर्माण कार्य रोकने जैसी सख्त कार्रवाई ही प्रभावी समाधान हो सकती है।

हवा में घुलती धूल, बढ़ती बीमारियां

डॉ. गौतम टकलगावकर कहते हैं कि पिछले कुछ समय में दमा, एलर्जी, खांसी और आंखों में जलन जैसी समस्याओं के मरीजों की संख्या बढ़ी है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका असर ज्यादा दिखाई दे रहा है। सुबह-शाम टहलने निकलने वाले लोग अब धूल के गुबार के कारण असहज महसूस करते हैं। कई इलाकों में घरों की खिड़कियां बंद रखने के बावजूद अंदर धूल जमा हो जाती है।

> प्रशासन यहां प्रदूषण फैलाने के जिम्मेदार लोगों पर नियमित कार्रवाई करता रहा है। वहीं, यहां पर पिछले कुछ महीनों में AQI का स्तर भी बेहतर हुआ है।
>
> -पुरुषोत्तम शिंदे, नगर रचनाकार

मुंबईकरों को दिन में महसूस हो रही गर्मी

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई : मौसम के करवट लेने के साथ ही मुंबई के दिन और रात के तापमान का अंतर घटने लगा है। दिन और रात के तापमान का अंतर घटकर 13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। उत्तर से आ रही ठंडी हवाओं के कमजोर होने के बाद दिन के तापमान में वृद्धि हुई है। दिन और रात के तापमान का अंतर घटने से दिन में गर्मी का अनुभव होने लगा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, आगामी कुछ दिन में मुंबई का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

मुंबई में दिन और रात के तापमान का अंतर घटा

ध्यान से पढ़ाई और टाइम मैनेजमेंट से आएंगे अच्छे अंक

इकनॉमिक्स की तैयारी: स्मार्ट प्लानिंग है सफलता की चाबी

NBT NO टेंशन

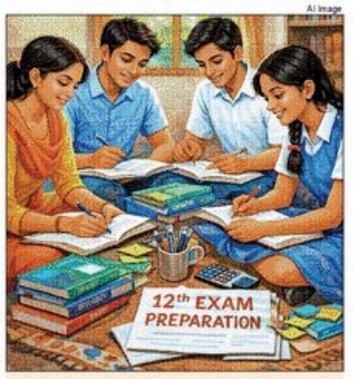

Navin.Pandey@Timesofindia.com

■ मुंबई: स्टेट बोर्ड की बारहवीं परीक्षा जारी है। इसी कड़ी में 24 फरवरी को आयोजित होने वाली इकनॉमिक्स विषय की परीक्षा को लेकर एनबीटी की 'नो टेंशन' मुहिम के तहत सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स की मदद से स्टूडेंट्स के लिए स्मार्ट स्ट्रेटजी साझा की जा रही है। सही टाइम मैनेजमेंट और मैक्रो इकनॉमिक्स की मजबूत पकड़ इस विषय में अच्छे अंक दिला सकती है। इकनॉमिक्स का पेपर कुल 100 मार्क्स का होता है, जिसमें 80 मार्क्स की बोर्ड परीक्षा और 20 मार्क्स का इंटरनल असेसमेंट शामिल है। पेपर में कुल छह प्रश्न पूछे जाते हैं और हर प्रश्न की अपनी अलग रणनीति है।

कमलादेवी कॉलेज की इकनॉमिक्स शिक्षिका श्वेता जसलोक पांडेय के अनुसार स्टूडेंट्स को पेपर मिलते ही पहले प्रश्न क्रमांक 1 और उसके बाद छठा प्रश्न हल करना चाहिए। पहला प्रश्न आसान और स्कोरिंग होता है, जबकि छठा प्रश्न समय लेने वाला होता है। दोनों की शुरुआत में करने से बाकी प्रश्नों के लिए पर्याप्त समय बच जाता है।

स्कोर बनाने का सबसे आसान मौका देता है पहला प्रश्न

पहला प्रश्न 20 मार्क्स का और बहुत आसान होता है। इसमें चार उपप्रश्न होते हैं। इस प्रश्न को बिल्कुल न छोड़ें, क्योंकि यह कम समय में ज्यादा अंक दिलाता है। पेपर में दूसरा प्रश्न 12 मार्क्स का होता है। इसमें 6-6 मार्क्स के लिए दो उपप्रश्न होते हैं। तीसरा प्रश्न भी 12 मार्क्स का होता है। हर उत्तर में 7-8 स्पष्ट पॉइंट लिखें, हेडिंग और सब-हेडिंग का इस्तेमाल करें। पेपर में चौथे प्रश्न में 12 मार्क्स के लिए पांच स्टेटमेंट दी जाती हैं। इनमें से तीन प्रश्नों का उत्तर लिखना होता है।

AI Image

टेबल, डायग्राम और पैसेज दिलाते हैं मार्क्स

परीक्षा में पांचवां प्रश्न प्रेजेंटेशन स्किल पर आधारित होता है। इसमें टेबल, फिगर, डायग्राम और पैसेज वाले प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें चार-चार मार्क्स के तीन उपप्रश्न होते हैं। इनमें से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर स्टूडेंट्स को लिखना होता है।

सबसे अहम और निर्णायक सवाल

पेपर का आखिरी प्रश्न सबसे ज्यादा सोच और समय मांगता है। इसमें 8-8 मार्क्स के तीन प्रश्न होते हैं। इसमें किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से लिखने होते हैं।

इन चैप्टर्स पर रखें खास फोकस

स्टूडेंट्स को डिमांड, नेशनल इनकम, पब्लिक फाइनेंस इन इंडिया, मनी मार्केट और कैपिटल मार्केट की तैयारी अच्छे से करनी चाहिए।

> टाइम मैनेजमेंट ही इकनॉमिक्स में अच्छे अंकों की कुंजी है। पहले प्रश्न को 20-30 मिनट में पूरा कर लेने से पूरे पेपर की रफ्तार सही बनी रहती है।
>
> -श्वेता जसलोक पांडेय, टीचर, कमलादेवी कॉलेज

एक महीने बाद जागा बेस्ट!

बंद थी बस, नहीं दी थी समय पर जानकारी

File

■ NBT रिपोर्ट : मुंबई में सार्वजनिक परिवहन चलाने वाले बेस्ट की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। बोरीवली स्टेशन (पूर्व) से कान्हेरी गुफा के बीच चलने वाली एसी बस सेवा ए-188 को 16 जनवरी 2026 से बंद किया गया था, लेकिन इसकी जानकारी यात्रियों तक नहीं पहुंचाई गई। अब तकरीबन एक महीने बाद आधिकारिक तौर पर इसकी जानकारी सामने आने से यात्रियों में नाराजगी है।

दरअसल, बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्देश और संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के उपसंचालक (दक्षिण) द्वारा भेजे गए पत्र के आधार पर राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में पर्यावरण और वन्यजीवों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परिवहन बंद करने का आदेश दिया गया था। इसके बाद बेस्ट प्रशासन ने इस सेवा को बंद कर दिया, लेकिन यात्रियों को पहले से सूचित करने में देरी हुई। पूछे जाने पर बेस्ट के प्रवक्ता का कहना है कि उन्हें इस बारे में जानकारी ही नहीं थी।

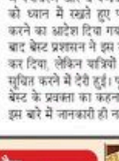

मां भी वही, पिता भी वही : सिंगल पैरेंट के लिए बच्चे को संभालना चुनौती

■ सुबह के 6 बजे थे। नैना रसोई में जल्दी-जल्दी टिफिन बना रही थी। साथ में वॉशिंग मशीन चल रही थी, फोन पर ऑफिस का मैसेज आ चुका था। पीछे से 10 साल का आरव बोला, 'मम्मा, आप कभी बैठकर मुझसे बात क्यों नहीं करती?' नैना कुछ पल के लिए रुक गई। दिन भर वह उसी के लिए भागती है। फिर भी उसे लगता है कि मां उसके लिए समय नहीं निकालती। यही सिंगल पैरेंटिंग का सबसे बड़ा द्वंद्व है, आप बहुत कुछ कर रहे होते हैं, पर बच्चा सिर्फ आपकी उपस्थिति महसूस करना चाहता है।

डॉ. मीनू अग्रवाल
मनोवैज्ञानिक

AI Image

सिंगल पैरेंटिंग की अदृश्य थकान

NBT पैरेंटिंग ताकि बच्चे रहें अच्छे

सिंगल पैरेंट होना सिर्फ जिम्मेदारियों का बोझ नहीं है। यह लगातार संतुलन बनाने की कोशिश है। इसमें सख्त भी बनना होता है और कोमल भी। आर्थिक सुरक्षा भी देनी होती है और भावनात्मक सहारा भी। इसके अलावा बच्चे के अनुशासन का भी ध्यान रखना है और दोस्त भी बनना है। इन सबके बीच एक सवाल बार-बार मन में आता है-'क्या मैं काफी हूं?' और 'क्या मेरे बच्चे को मेरी इतना सब करने के बावजूद भी कोई कमी तो नहीं महसूस हो रही है?' अक्सर सिंगल पैरेंट्स गिल्ट के साथ जीते हैं। उन्हें लगता है कि बच्चे को कुछ कमी महसूस हो रही होगी। सिंगल पैरेंटिंग में समस्या सिर्फ समय की कमी नहीं होती, बल्कि **भावनात्मक थकान (Emotional Fatigue)** होती है। जब पैरेंट भावनात्मक रूप से थक जाता है, तो बच्चा उस थकान को महसूस करता है।

बच्चों को असल में आपसे क्या चाहिए?

AI Image

बच्चों को यह नहीं याद रहता कि आपने कितनी चीजें और सुविधाएं उपलब्ध करवाईं, लेकिन उन्हें यह याद रहता है कि आप कितनी सच्चाई से और कितने देर उनके साथ थे और आपने आपस में कैसा समय साथ बिताया। दिन भर व्यस्त रहने के बाद भी अगर आप कुछ देर पूरी तरह उनके साथ बैठते हैं, उनकी बात बिना टोके सुनते हैं, उनकी भावनाओं को छोटा नहीं करते, तो वह उनके लिए सुरक्षा का आधार बन जाता है। जब बच्चा महसूस करता है कि 'मेरी बात सुनी जाती है', तो उसके भीतर विश्वास बनता है।

बच्चे को डांटिए नहीं

अगर बच्चा गुस्सा करे, तो तुरंत डांटने की जगह कहें, 'तुम नाराज लग रहे हो क्या हुआ?' यह वाक्य बच्चे के भीतर यह संदेश देता है, 'तुम्हारी भावनाएं गलत नहीं हैं।' बच्चों पर गुस्सा होने के बजाए उन्हें समझाने और खुद उनकी भावनाओं को समझने की जरूरत है।

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
खान-पान पर विशेष नियंत्रण रखें। शाम से रात तक का समय प्रियजनों के साथ हंसी-मजाक में व्यतीत होगा। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी और रुके हुए काम पूरे होंगे। राजनीतिक क्षेत्र में भी आशा के अनुरूप परिणाम मिल सकते हैं। समाज के प्रति उचित निभाने का अवसर मिलेगा।

TAURUS 20 Apr - 19 May
आज का दिन परिवार के साथ सुखद बीतेगा। दोपहर तक कोई शुभ समाचार मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। शाम को किसी प्रिय अतिथि का आगमन हो सकता है। रात में किसी मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने से आपका सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

GEMINI 21 May - 21 Jun
इष्टदेव की कृपा से किसी मूल्यवान वस्तु या संपत्ति की प्राप्ति की इच्छा पूरी हो सकती है। दिनभर व्यस्तता रहेगी, अनावश्यक खर्चों से बचें। शाम और रात में वाहन चलाते समय सावधानी रखें। किसी सम्मानित व्यक्ति से मुलाकात से मनोबल बढ़ेगा। जीवनसाथी या ससुराल पक्ष से सहयोग मिलेगा।

CANCER 22 Jun - 22 July
बृहस्पति की शुभ स्थिति के कारण अचानक धन लाभ हो सकता है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। व्यापारिक योजनाओं को गति मिलेगी और मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जल्दबाजी या भावुकता में लिया गया निर्णय भविष्य में परेशानी दे सकता है। शाम को धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मित्रों और प्रियजनों से सहयोग मिलता रहेगा।

LEO 23 July - 22 Aug
आज आप दूसरों की मदद करने में आनंद महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव संभव है, जिससे सहकर्मी असहज हो सकते हैं, लेकिन आपके व्यवहार से माहौल सामान्य हो जाएगा। शाम का समय दोस्तों के साथ बीतेगा। रात में किसी भाई के स्वास्थ्य को लेकर चिंता हो सकती है।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
आज पुण्य कार्यों और बुजुर्गों की सेवा में धन खर्च होगा, जिससे मन को संतोष मिलेगा। विरोधियों पर आपकी पकड़ मजबूत रहेगी। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। मित्रों से सहयोग मिलता रहेगा। शाम का समय बाहर घूमने जाने में व्यतीत होगा।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आज के दिन शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आप के नए खोज करने और अपनी जगह से सम्मान मिलेगा। अधिक भागदौड़ के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इसलिए काम के साथ स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। किसी भी क्षेत्र की यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आज के दिन आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और सम्मान में वृद्धि होगी। बहुत दिनों से रुके हुए काम पूरे होंगे। वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद हो सकता है। विशेषकर ऑफिस में किसी से ऐसी बात न करें, जिससे ठेस लगे। शाम का समय प्रियजनों से मुलाकात और रात में मनोरंजन का अवसर मिलेगा।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आज के दिन घरेलू वस्तुओं पर खर्च बढ़ सकता है। भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। किसी कर्मचारी या रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है। कोशिश करें कि बेवजह किसी से कोई विवाद न हो। धन के लेन-देन में सावधानी रखें। कोर्ट से जुड़े मामलों में अधिकारवश सफलता मिलेगी।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज के दिन व्यवसाय में मनचाहा लाभ मिलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नई योजनाओं पर काम शुरू हो सकता है। लंबे समय से जिन परियोजनाओं को करने पर विचार कर रहे हैं, उन पर करें। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के योग हैं। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
भाई के स्वास्थ्य को लेकर चिंता और खर्च बढ़ सकता है। संपत्ति से जुड़े मामलों में सावधानी रखें। अन्यथा लंबे विवाद में पड़ सकते हैं। शाम को माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा, लेकिन पूर्ण स्वस्थ होने में समय लगेगा। मित्रों से सहयोग मिलता रहेगा। रात का समय आनंद से बीतेगा।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। इसलिए पहले से ही तैयारी रखें। व्यापार में प्रगति से खुशी मिलेगी। विद्यार्थियों का मानसिक तनाव कम होगा। शाम के समय काम या परिवार से संबंधित कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए लाभकारी रहेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष आपके लिए रजत पाद से प्रारंभ होकर प्रगति, सम्मान और नई उपलब्धियों का संकेत दे रहा है। वर्ष के स्वामी शुक्र और मंगल ग्रह होने से आपके जीवन में ऊर्जा, साहस और रचनात्मकता का विशेष प्रभाव रहेगा। जीवन के प्रधान ग्रह उच्चवी और बुध की उत्तम स्थिति के कारण करियर के क्षेत्र दिनों में अचानक सरकारी सहयोग या किसी प्रभावशाली व्यक्ति का समर्थन मिल सकता है। मार्च और अप्रैल में लंबे समय से रुकी योजनाएं पूरी होंगी। मई में नई सोच, रचनात्मक कार्यों और करियर में उल्लेखनीय प्रगति होगी। समाज और कार्यक्षेत्र में आपका सम्मान बढ़ेगा तथा प्रतियोगिताओं में सफलता मिलेगी। जून और जुलाई में अनिच्छा के बावजूद यात्रा करनी पड़ सकती है, जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होगी। अगस्त और सितंबर में आपके कार्य कौशल की प्रशंसा होगी और नए अवसर प्राप्त होंगे। अक्टूबर और नवंबर में रहन-सहन का स्तर बेहतर होगा और आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। दिसंबर से जनवरी 2027 तक विदेशी फायदा होंगे और आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अधिक सफलता के लिए प्रतिदिन स्नान के बाद सूर्य नारायण को अर्घ्य दें और हनुमान चालीसा का पाठ करें। यह वर्ष आपके लिए उन्नति, संतुलन और सम्मान लेकर आएगा।

-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग
(रविवार, 15 फरवरी 2026)

राष्ट्रीय मिति माघ 26, शक संवत 1947, फाल्गुन कृष्ण त्रयोदशी, रविवार, विक्रम संवत 2082। सौर फाल्गुन मास प्रविष्टे 4, रमजान 26, हिजरी 1447 (मुस्लिम) तद् अनुसार अंग्रेजी तारीख 15 फरवरी 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहु काल शाम 4 बजकर 30 मिनट से 6 बजे तक। त्रयोदशी तिथि शाम 5 बजकर 5 मिनट तक के बाद चतुर्दशी तिथि का आरंभ। उत्तराषाढ़ नक्षत्र शाम 7 बजकर 48 मिनट तक के बाद श्रवण नक्षत्र का आरंभ। व्यतिपात योग अर्धरात्रोत्तर 2 बजकर 47 मिनट तक के बाद वरीयान योग का आरंभ। वणिज करण शाम 5 बजकर 5 मिनट तक के बाद शकुनि करण का आरंभ। चंद्रमा दिन रात मकर राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार शनि प्रदोष व्रत।

सुडोकू

			6		7		5	
2		9		1		4		
	1						3	
7			1		4			5
	5			9			4	
4			7		3			2
	4						9	
		7		4		3		1
	6		8		2			

TELEVISION

big magic

09:00	बबलू डबलू	13:30	भ से भड़े
10:00	बदतुप बुडकार	14:00	चक्रधारी अजेय कृष्ण
11:00	रुद्र के रक्षक	15:00	लिटिल कृष्णा
12:00	चक्रधारी अजेय कृष्ण	17:00	बबलू डबलू
12:30	हम पांच	19:00	चक्रधारी अजेय कृष्ण
13:00	रुद्र के रक्षक		

बन रहा ठाणे कोस्टल रोड, मिलेगी जाम से निजात

6 लेन के कोस्टल रोड का फाउंडेशन वर्क 50 फीसदी तक कर लिया पूरा

घोड़बंदर रोड पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से परेशान रहते हैं लोग

Pankaj.Pandey@Timesofindia.com

■ मुंबई : मुंबई की तर्ज पर ठाणे में भी कोस्टल रोड बन रहा है, जिससे घोड़बंदर रोड पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से लोगों को निजात मिलने की उम्मीद है। बालकुंभ से गायमुख के बीच बन रहा 13.45 किलोमीटर लंबा 6 लेन का ठाणे कोस्टल रोड का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा। 3,364 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही इस महत्वाकांक्षी सड़क परियोजना का काम मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने आठ महीने शुरू किया था। आठ महीने के भीतर ही प्राधिकरण ने कोस्टल रोड का फाउंडेशन वर्क 50 फीसदी तक पूरा कर लिया है। फाउंडेशन वर्क के बाद पिलर पर पिलर कैप और आई गर्डर रखने का काम शुरू हो गया है।

देश का पहला ग्रीन फील्ड रोड : एमएमआरडीए के मुताबिक, ठाणे कोस्टल रोड देश का पहला ग्रीन फील्ड कोस्टल रोड प्रोजेक्ट है। इस परियोजना में पहली बार मोनोपाइल फाउंडेशन, सिंगल पाइल और सिंगल पिलर तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए और मैंग्रोव क्षेत्र को बचाने के लिए सड़क के बड़े हिस्से को फ्लाईओवर के रूप में विकसित किया जाएगा। इस मार्ग को डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। कोस्टल रोड के शुरू होने से मुंबई-नाशिक हाईवे से आने-जाने वाले वाहनों को एक अतिरिक्त वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा।

क्यों अहम है प्रॉजेक्ट

पिक ऑवर के दौरान घोड़बंदर रोड पर गाड़ियों की लंबी कतार लगना आम बात है। भिवंडी और कलवा की दिशा से घोड़बंदर रोड की तरफ जाने वाले वाहन चालक बालकुंभ के करीब ही ट्रैफिक में फंस जाते हैं। यदि हाईवे पर कोई वाहन खराब हो जाए या दुर्घटना हो जाए तो कई किलोमीटर लंबी कतारें लग जाती हैं। कोस्टल रोड बनने के बाद नाशिक, भिवंडी, गुजरात और मुंबई उपनगरों की ओर जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। बालकुंभ से सीधे कोस्टल रोड पर प्रवेश संभव होगा।

अन्य प्रॉजेक्ट से भी होगा कनेक्ट

एमएमआरडीए ने कोस्टल रोड को प्रस्तावित गायमुख-फाउंटेन होटल टनल परियोजना से भी जोड़ने की योजना बनाई है। इन परियोजनाओं के एक-दूसरे से जुड़ने के बाद वढवण पोर्ट, जेएनपीटी, दक्षिण महाराष्ट्र और कर्नाटक से आने-जाने वाले वाहनों को ठाणे में ट्रैफिक जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके अलावा कोस्टल रोड को ठाणे रिंग मेट्रो और साकेत-आनंद एलिवेटेड कॉरिडोर से भी कनेक्ट करने की योजना है।

पुणे लैंड डील केस: खडसे दंपति कोर्ट में हाजिर

■ NBT, रिपोर्ट, मुंबई: पुणे की भोसरी लैंड डील केस में आरोपी राज्य के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे और उनकी पत्नी शुक्रवार को मुंबई की विशेष अदालत में हाजिर हुए। इसके बाद कोर्ट ने उनके खिलाफ जारी गैर जमानती वारंट को रद्द कर दिया। कोर्ट ने पिछले हफ्ते दोनों के खिलाफ वारंट जारी किया था, क्योंकि वे प्रकरण को लेकर आरोप तय करने के दौरान हाजिर नहीं हुए थे। शुक्रवार को विशेष न्यायाधीश ने एनसीपी (शरद गुट) विधायक खडसे और उनकी पत्नी उपस्थिति को देखते हुए, उनके खिलाफ जारी वारंट को कैंसिल कर दिया।

'बांग्लादेशी और रोहिंग्या पर कार्रवाई की जाए'

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई : मुंबई उपनगर में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई को अब और तेज किया जाएगा। मुंबई उपनगर सहपालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा के सुझाव पर उपनगर जिला नियोजन समिति की बैठक में 'जनहित सुरक्षा समितियां गठित करने को मंजूरी दे दी गई है। लोढ़ा ने कहा कि पिछले पांच वर्षों से घुसपैठ और मादक पदार्थ माफिया के मुद्दे को लगातार उठाते आ रहे मंत्री लोढ़ा ने हाल ही में हुई जिला नियोजन बैठक में इस विषय को प्रमुखता से रखा। बैठक में मुंबई की सुरक्षा पर मंडरा रहे खतरे को गंभीरता से लेते हुए ठोस कदम उठाने का निर्णय लिया गया। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठ के कारण शहर की सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।

बांद्रा में फ्लैट के नाम पर एक करोड़ की ठगी

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई : बांद्रा स्थित निर्माणाधीन इमारत में फ्लैट दिलाने के नाम पर एक महिला डॉक्टर से एक करोड़ रुपये ठगने का मामला सामने आया है। पीड़िता को वर्ष 2018 में के.सी. मार्ग, रंगशारदा के पास 81 ऑरिएंट नामक प्रोजेक्ट में फ्लैट देने का आश्वासन दिया गया था। रकम लेने के बाद आरोपियों ने एग्रीमेंट कर 2301 नंबर का फ्लैट आवंटित दिखाया, लेकिन न तो कब्जा दिया और न पैसे लौटाए। बाद में उसी फ्लैट किसी और को बेचने की जानकारी मिली।

NBT की प्लैटिनम जयंती और हमारा-आपका साथ

उत्सव NBT मुंबई 75

■ एनबीटी: आपका प्रिय अखबार नवभारत टाइम्स अपने 75 वर्ष पूरे कर चुका है। यह हमारे और आपके लिए जश्न का मौका है। हमारे और आपके बीच देश की आजादी के ठीक बाद शुरू हुआ रिश्ता अनवरत जारी है। यह रिश्ता सिर्फ एक अखबार और पाठक के बीच का नहीं है, बल्कि इससे कहीं ज्यादा है। हमने और आपने मिलकर बॉम्बे की सड़कों पर दौड़ने वाली ट्राम से लेकर अब मुंबई में तेज रफ्तार पटरियों पर 'उड़ने वाली' बुलेट ट्रेन तक का सफर पूरा करने जा रहे हैं। आजादी के बाद जब नया भारत बन रहा था, उसके सपनों को परवाज देने के लिए नवभारत टाइम्स की शक्ल में हम आपकी खुशियों, त्योहारों, उत्सवों में तो शरीक थे ही, इस शहर पर आई विपदाओं के दौरान हम एकदूसरे के साथ खड़े थे। हमारी खुशियां साझा थीं, हमारे गम साझा थे। अब जब हमने इस यात्रा में 75 साल पूरे कर लिए हैं, तो एक बार फिर आपके साथ इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए हाजिर हैं।

जो मुंबई आया, मुंबईकर हो गया: जब यह शहर बॉम्बे कहा जाता था और फिर मुंबई हुआ, हमेशा इसका जादू लोगों पर छाया रहता है। आपके सपनों और कहानियों को पर्दे पर उतारने वाला बॉलिवुड यहां है। देश की सबसे बड़ी और अमीर महानगरपालिका यहां है, शेयर बाजार और कारोबार के चमकते सितारे यहां हैं। इन सबको मुंबई ने अपनी तरफ खींचा और लोग देश के कोने-कोने से यहां आए। कई भाषाओं, संस्कृतियों के लोग यहां आए और बस गए। इस सबके बीच हिंदी भाषियों ने इस शहर को ऐसे अपनाया, जैसे वे हमेशा से यहीं के थे। जो यहां आया, वह मुंबईकर हो गया। इसकी सबसे बड़ी नजीर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री यहीं आबाद हुई।

जब अटल जी ने की तारीफ

एनबीटी के स्वर्ण जयंती महोत्सव में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी व अन्य।

एनबीटी ने जब अपनी यात्रा के 50 साल पूरे किए थे और स्वर्ण जयंती महोत्सव मनाया था, तब हमारी और आपकी इस खुशी में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के अलावा सिनेमा, कला, संस्कृति और कारोबार जगत की वे हस्तियां शरीक हुई थीं, जिन्होंने नया भारत बनाया और मुंबईकरों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी। राजनीति में मर्यादा के पर्याय अटल बिहारी वाजपेयी ने उस समारोह में एनबीटी को हिंदी की शान बताया था। अब हम एनबीटी की प्लैटिनम जयंती मना रहे हैं, तब अगले कुछ दिनों तक मुंबई के तमाम रंगों को आपके सामने रखेंगे। भूली-बिसरी बातें याद करेंगे। आपके और हमारे इस रिश्ते को और बुलंदियों तक लेकर जाएंगे।

मैट्रिमोनियल साइट से ठगी, आरोपी गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: मुलुंड के नवघर पुलिस ने मैट्रिमोनियल वेबसाइट के जरिए तलाकशुदा और विधवा महिलाओं को निशाना बनाने वाले 45 वर्षीय विशाल भोसले को गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को आईपीएस अधिकारी का बेटा और 'स्त्री सुप्रभ फाउंडेशन' नामक एनजीओ का चेयरमैन बताकर भरोसा जीतता था। हालिया मामले में उसने मुलुंड की 42 वर्षीय महिला को शादी, सरकारी योजना में सस्ता फ्लैट और फिल्म इंडस्ट्री में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 17.70 लाख रुपये ठग लिए।

सुनहरी शाम और बेपरवाह बचपन

Kaushik Naik

मुंबई की सुनहरी शाम, ढलता सूरज और अरब सागर की लहरों के बीच अठखेलियां करता यह बेपरवाह बचपन! माहिम के तट पर जब लहरें शोर मचाती हैं, तो बच्चों की ये छलांगें जिंदगी के असली सुकून को बयां करती हैं। बैकग्राउंड में गर्व से खड़ा सी-लिंक और पानी पर बिखरी सूरज की लालिमा, मुंबई की इसी रूहानी खूबसूरती का जादुई संगम है।

महापुरुषों की प्रतिमा रीलोकेट कर BMC में नगरसेवकों के लिए बनाई जाएगी जगह

Neeraj.Tiwari@timesofindia.com

■ मुंबई: बीएमसी के हेरिटेज सभागृह में वर्षों से मौजूद महापुरुषों की प्रतिमाओं को अब दूसरी जगह शिफ्ट किया जा रहा है, ताकि नगरसेवकों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था हो सके। ज्ञात हो कि मुंबई महापौर चुनाव के दौरान कई नगरसेवकों को बैठने की जगह नहीं मिल पाई थी, इस पर उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया था। इसके बाद बीएमसी ने सभागृह में नगरसेवकों के लिए पर्याप्त जगह बनाने के लिए काम करना शुरू कर दिया है।

1884 में बनाया गया बीएमसी का सभागृह आज एक हेरिटेज साइट है। इस सभागृह के अंदर वर्षों पुरानी मूर्तियां स्थापित की गई हैं। जो भारत और महाराष्ट्र के गौरवशाली इतिहास के नेताओं की है। इनमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, बाल गंगाधर तिलक और सावित्री बाई फुले के नाम शामिल हैं। बीएमसी के वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि प्रतिमाओं को रीलोकेट करते समय यदि कुछ इधर-उधर हो गया, तो हम इन प्रतिमाओं को हमेशा के लिए खो देंगे।

बीएमसी कमिश्नर ने किया इंस्पेक्शन

शुक्रवार को बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी ने डिप्टी महापौर संजय घाडी और बीजेपी ग्रुप लीडर गणेश खणकर के साथ बीएमसी के सभागृह का इंस्पेक्शन किया। गगरानी को बताया गया कि यदि सही ढंग से रीलोकेट करते हैं तो 12 से 15 नगरसेवकों के बैठने जगह बन सकेगी। इस रिक्वेस्ट को बीएमसी कमिश्नर ने मान्य किया है और इस दिशा में आगे बढ़ने की बात कही है।

> हम सभागृह में मौजूद मूर्तियों को एक स्थान पर रीलोकेट करने के प्लान पर काम कर रहे हैं। इससे सभागृह में अधिक स्पेस क्रिएट हो सकेगा। इससे 10 से 15 लोगों के बैठने की व्यवस्था हो सकेगी। इसके अलावा हम एक्सपर्ट से भी चर्चा करेंगे कि कैसे इसका समाधान निकाला जाए।
> - भूषण गगरानी, कमिश्नर, BMC

> हमने बीएमसी कमिश्नर को सुझाव दिया कि मूर्तियों को यदि एक साथ एक जगह पर बेहतर ढंग से रखा जाए, तो अधिक जगह बन सकेगी। इसके अलावा सभागृह में पुराने माइक लगे हैं, उन्हें हाईटेक सेंसर वाले माइक से रिप्लेस करने का भी सुझाव दिया।
> - गणेश खणकर, बीजेपी ग्रुप लीडर, BMC

रणवीर-रोहित को फिर धमकी, ऑडियो की जांच

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: अभिनेता रणवीर सिंह और निर्देशक रोहित शेट्टी को एक बार फिर कथित तौर पर धमकी भरा ऑडियो संदेश मिला है। सोशल मीडिया पर वायरल इस ऑडियो में खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा 'हैरी बॉक्सर' बताने वाला शख्स दोनों को अंजाम भुगतने की चेतावनी देता सुनाई दे रहा है। ऑडियो में दावा किया गया है कि पुलिस में शिकायत करने के फैसले के बाद अब परिणाम भुगतने होंगे। संदेश में रणवीर को संबोधित करते हुए कथित तौर पर कहा गया है कि शिकायत की सलाह देने का नतीजा भुगतना पड़ेगा। साथ ही दोनों के मैनेजर और परिवार की गतिविधियों की जानकारी होने का दावा कर निशाना बनाने की धमकी दी गई है।

मुंबई पुलिस को AI के इस्तेमाल का संदेह

ऑडियो की सत्यता की जांच

मुंबई पुलिस ने ऑडियो की सत्यता की जांच शुरू कर दी है। क्राइम ब्रांच के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यह ऑडियो सबसे पहले मीडिया के माध्यम से संज्ञान में आया। अधिकारी ने कहा कि जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि संदेश वास्तव में किसी गैंग से जुड़ा है या नहीं। पुलिस का कहना है कि पहले भी कई मामलों में कॉर्पोरेट अपराधियों ने गैंगस्टर के नाम का इस्तेमाल किया है। अधिकारियों के मुताबिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से फर्जी ऑडियो तैयार करना आसान हो गया है, जिससे भ्रम और दहशत फैल सकती है।

फिलहाल तकनीकी विश्लेषण के जरिए ऑडियो की जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं।

रोहित शेट्टी

रणवीर सिंह

म्हाडा की गलती: 120 घरों की बिक्री अटकी

Pankaj.Pandey@Timesofindia.Com

■ मुंबई: महाराष्ट्र गृहनिर्माण क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) के मुंबई बोर्ड के 120 घरों की बिक्री की प्रक्रिया अटक गई क्योंकि प्राधिकरण आवेदन प्रक्रिया में यह शर्त जोड़ना भूल गया कि आवेदनकर्ता के पास महाराष्ट्र राज्य अधिवास प्रमाणपत्र (डोमेसाइल) होना जरूरी है। घरों के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया शुरू करने के पहले ही म्हाडा ने गलती की पहचान कर ली। अब 'पहले आओ, पहले पाओ' योजना के तहत घरों के आवेदन के लिए सॉफ्टवेयर में जरूरी बदलाव किया जा रहा है। म्हाडा के घर खरीदने के लिए डोमिसाइल अनिवार्य है, लेकिन म्हाडा 120 घरों की आवेदन प्रक्रिया में डोमिसाइल शर्त लगाना भूल गया था। गलती का पता चलते ही म्हाडा ने ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को रोक दिया था। 5 फरवरी से चारकोप, कांदिवली, एंटॉप हिल, पवई, मालाड और मानखुर्द के घरों की बिक्री प्रक्रिया शुरू की जानी थी। म्हाडा के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, सॉफ्टवेयर अपडेट कर जल्द ही बिक्री प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

गलती सुधारने में जुटा प्राधिकरण, जल्द शुरू होगी बिक्री प्रक्रिया

AI image

बेसब्री से इंतजार

म्हाडा की हर लॉटरी में एक घर के लिए 150 से 200 आवेदन म्हाडा को प्राप्त होते हैं। मुंबई के प्रमुख इलाकों में लॉटरी के बजाय पहले आवेदन कर राशि जमा करने वालों को घर देने की म्हाडा की योजना को लेकर लोगों में काफी उत्साह था, लेकिन आवेदन प्रक्रिया शुरू होने से एक दिन पहले ही इस पर रोक लगने से इच्छुक आवेदक निराश हो गए हैं।

'भाषा पर आतंक फैलाने वालों पर हो कार्रवाई'

नासिक घटना पर निरुपम की प्रतिक्रिया

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: भाषा के नाम पर आतंक फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यह मांग शिव सेना (शिंदे गुट) के प्रवक्ता संजय निरुपम ने की है। निरुपम ने मनसे कार्यकर्ताओं द्वारा नासिक स्थित कोचिंग संस्थान फिजिक्स वाला में मराठी भाषा को लेकर एक कर्मचारी के साथ की गई मारपीट की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थान में हाल ही में आए शिक्षकों पर जबरन मराठी बोलने का दबाव डालते हुए हमला किया गया। भाषा के नाम पर इस तरह की गुंडागर्दी एक प्रकार का आतंकवाद है। निरुपम ने आगे कहा कि यह जानकारी भी सामने आ रही है कि मनसे कार्यकर्ताओं द्वारा कोचिंग संस्थान के मालिक से हफ्ता वसूली की जा रही थी। यदि जांच में हफ्ता वसूली जैसे गंभीर आरोप सही पाए जाते हैं, तो दोषियों के खिलाफ मकोका के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे मराठी भाषा के विरोधी नहीं हैं।

उद्धव की पार्टी पर भी साधा निशाना: निरुपम ने शिव सेना (उद्धव गुट) पर निशाना साधते हुए कहा कि परभणी नगर निगम में मुस्लिम महापौर बनाए जाने से उनका मुस्लिम प्रेम साफ हो गया है।

डिफाल्टरों पर BMC सख्त

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: BMC ने प्रॉपर्टी टैक्स नहीं चुकाने वाले बड़े बकायादारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 6 प्रॉपर्टीज की ई-नीलामी प्रक्रिया शुरू कर दी है। 2 प्रॉपर्टी धारकों को 21 दिन का अंतिम नोटिस जारी किया गया है। कुल 8 प्रॉपर्टीज पर दंड सहित 455 करोड़ 48 लाख रुपये से ज्यादा का टैक्स बकाया है। असेसमेंट एंड कलेक्शन विभाग ने 12 फरवरी को कुर्की की कार्रवाई की। नीलामी में शामिल प्रॉपर्टीज में गोरेगांव पश्चिम का होटल, बांद्रा पश्चिम की दुकानें और कार्यालय, दहिसर का आवासीय भूखंड, परेल का खुला प्लॉट, माझगांव की ऑयल मिल और मालाड-कुरार का कमर्शियल शेड शामिल हैं। फोर्ट की दो कमर्शियल प्रॉपर्टीज को 21 दिन में बकाया चुकाने का नोटिस दिया गया है।

6 प्रॉपर्टीज की ई-नीलामी शुरू, 2 को 21 दिन का अंतिम नोटिस

BMC में पार्टी ऑफिसों की सियासी सजावट हुई तेज

Neeraj.Tiwari@timesofindia.com

■ मुंबई: बीएमसी मुख्यालय में महापौर और उपमहापौर चुने जाने के बाद राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। जिन पार्टियों को पार्टी ऑफिस अलॉट किए गए हैं, उन्होंने अपने-अपने दफ्तरों में रंगाई-पुताई का काम शुरू कर दिया है।

एमआईएम-एमएनएस को कम जगह: जगह की कमी के कारण 8 नगरसेवकों वाली एमआईएम और 6 नगरसेवकों वाली एमएनएस को 2000 वर्ग फुट से कम जगह दी गई है। एक ही ऑफिस को बीच में प्लाई से पार्टिशन कर दो हिस्सों में बांटा जा रहा है। एमआईएम के 8 नगरसेवकों में 5 महिला नगरसेवक हैं। उन्होंने सवाल उठाया है कि ऐसी व्यवस्था में उनकी प्राइवेसी कैसे सुनिश्चित होगी?

कांग्रेस ऑफिस में भी काम जारी: 24 नगरसेवकों वाली कांग्रेस को अलग से ऑफिस मिला है। शुक्रवार से वहां रिनोवेशन का काम शुरू हुआ। पार्टी का कहना है कि 16 फरवरी को बीएमसी की पहली सभा है, उससे पहले काम पूरा करना जरूरी है ताकि महिला नगरसेवकों को दिक्कत न हो। कांग्रेस नेताओं ने ऑफिस में टॉयलेट की व्यवस्था न होने पर भी नाराजगी जताई।

BJP ऑफिस का काम 90% पूरा

बीजेपी के 89 नगरसेवकों के लिए मुख्यालय में सबसे बड़ा ऑफिस आवंटित किया गया है। मेयर चुनाव से पहले ही रिनोवेशन शुरू कर दिया गया था। शुक्रवार तक पीने के पानी की व्यवस्था, नई कुर्सियां और सोफे लगाने का काम लगभग पूरा हो गया। ऑफिस में वेटिंग रूम भी तैयार कर लिया गया है। वहीं एकनाथ शिंदे गुट के पार्टी ऑफिस में भी काम जोरों पर है।

पैतृक संपत्ति को हड़पने का लगाया गंभीर आरोप

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई : माहिम निवासी 43 वर्षीय अधिवक्ता व लॉ कॉलेज की प्राचार्य ने अपने चाचा-चाची पर पैतृक संपत्ति हड़पने का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार, बांद्रा पश्चिम स्थित नूतन को-ऑपरेटिव सोसायटी की लगभग 150 वर्ग फुट की दुकान, जो उनके दादा के नाम थी, उसे कथित रूप से फर्जी दस्तावेज के आधार पर अपने नाम करा लिया गया। वर्ष 2000 में सोसायटी को पत्र देकर और एक कथित पारिवारिक समझौता पत्र संलग्न कर दुकान का हस्तांतरण कराया गया, जबकि अन्य वैध वारिसों की सहमति नहीं ली गई।

आरोप है कि ठाणे और रायगढ़ जिले की जमीन-जायदाद भी जाली कागजात से हड़पी गई। इस संबंध में ठाणे में पहले से धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज है। अब दुकान के मामले में भी पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली।

फॉरेक्स-गोल्ड ट्रेडिंग में ₹4.32 लाख की ठगी

Akhilesh.Tiwari@timesofindia.com

■ मुंबई: विक्रोली इलाके में ऑनलाइन निवेश के नाम पर 4 लाख 32 हजार 800 रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। विक्रोली कोर्ट में कार्यरत 28 वर्षीय क्लर्क चैतन्य जाधव ने इस संबंध में विक्रोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

शिकायत के मुताबिक, 6 सितंबर 2024 को उन्हें टेलीग्राम के जरिए 'EXENESS' नाम की ऐप डाउनलोड करने का संदेश मिला। ऐप के माध्यम से फॉरेक्स मार्केट में निवेश पर तीन गुना मुनाफे का झांसा दिया गया। झांसे में आकर उन्होंने 6, 7 और 8 सितंबर को कुल 2,72,800 रुपये जमा किए। ऐप में उन्हें लगातार लाभ दिखाया जाता रहा, जिससे उनका भरोसा बढ़ता गया।

सोना में निवेश का दिया लालच

बाद में 6 अक्टूबर 2024 को 'वाउचर ऑन.कॉम' नाम की वेबसाइट के जरिए सोना खरीद-बिक्री में निवेश का लालच दिया गया। अलग-अलग खातों में 30-30 हजार और 70 हजार रुपये ट्रांसफर कराए गए। बैंक रिकॉर्ड के अनुसार रकम UPI और नेट बैंकिंग के जरिए भेजी गई। जब जाधव ने मुनाफा निकालने की कोशिश की तो न पैसा वापस मिला और न ही कोई लाभ। ठगी का एहसास होने पर उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad
Logon to: ads.timesofindia.com
or Call: 18001205474 (Toll Free)
Scan QR Code

प्रॉपर्टी
मुंबई प्रॉपर्टीज
दादर
MATUNGA Spacious 4 BHK Perfect Plan - 6.75 Cr Only Balcony,Study,Servants Area Kids Play Area / Pool / Gym Highrise Estates 99 200 11 888
पवई
POWAI O'ship 5BHK Dulpex Penthouse (hall double ht), 3400 sft, Serv. room +toilet, over looking lake, 3 parkings. Owner 9619612342/ 40020800
वर्ली
RUSTOMJEE Crown 3 BHK 1300 Sq Ft 6.96 Cr 4 BHK 1700 Sq Ft 9.00 Cr Ready / OC / Amenities Highrise Estates 99 200 11 888
विलेपार्ले पूर्व
4-BHK FLAT WITH ATTACHED TERRACE FOR SALE, Sant Muktabai Road, Vile Parle (East), Full 7th Floor with dual entry doors on the two sides, Total Carpet Area 1726 sq. ft. incl. Open Terrace of 200 sq. ft., 2 lifts, 2 reserved 4-W parkings, 13-year-old well-maintained redeveloped society, well-equipped Gym, Cosmopolitan neighbourhood, No community-based restrictions. Price: Rs. 8.50 Crs. (Nego) W:9820193462
दक्षिण मुंबई
4 BHK Near Race Course Spacious / Terrace Deck 3 Covered Car Parks @ 8.60 Cr Pool, Gym, Kids Play Area Highrise Estates 99 200 11 888
MAHALAKSHMI Tardeo Seafacing Costal-Golf + Racecourse Turf View, 3bhx2 1650 Carpet @4.25cr each,14 feet ht, owner > 8097004875.
SALE
FLAT CARPET AREA 481 SQ.FT, 3rd Floor LOCATED AT PEDDAR ROAD
SALE
3 BHK + Servant Room with Bathroom apartment in Prime Society at Pedder Road
Fully Furnished 01 Stilt Parking
Contact: 022-22665803
मुलुंड पश्चिम
FOR_SALE 2 BHK- 705 sq. ft. & 3 BHK- 951 sq. ft., 2 Parking on Podium, Valji Ladha Road, Mulund West. (P51800055546) Call 9930 333 456
गोरगांव पश्चिम
GOREGAON (W) "SIDDHARTH NAGAR" 2 BHK Rs. 1.99 cr* 3 BHK Rs. 2.87 cr* Full C.C. Received** 8693890177 Maha Rera No : P51800077958
अंधेरी पूर्व
FURNISHED AC office at 93East Ready to move in 3 Cabin, 30 ws, Meet Room 970 sft carpet area 9958233133
प्रॉपर्टी ऐन्सलेरीज
गोदाम
INDUSTRIAL gala for Sale / Rent, near highway, Sion East 1850 sqft. Contact 9930504843
वाणिज्यिक परिसर (अचल संपत्ति)
FOR-LEASE, 700 Sq.Ft. Office Ready to move in, Fully Furnished 5th Floor, Mittal Towers 'B', Nariman Point. 2.58 Lacs P.M.+ GST. Call: 9619285345 Owner.
ऑफिस मार्केट, पलटन रोड-हाईवस उपर में 2 शटर ऑफिस शॉप बेचनी है - 607 कार्पेट, 17 फीट फ्रंट, प्राइम फ्लोर (4.25 CR). ऑफिस: 9920758715
FOR Sale / Rent Office in Capitol Building BKC. Garden facing Fully Furnished 3046 Carpet 3 Car Parks. 9820059809, sanghioxygen@gmail.com
THE TIMES OF INDIA
Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.
लीज और किराए पर
1) ON-RENT,70,000 sq.ft. Highway face N.A.plot built to suit One Lac sqft Vertical 25000 sq.ft. x 4 floors= 100000 sq.ft. for Godown/ Pharma/ Garment / Car Centre/ assembling, Nr Fountain Hotel, 3 km from Kashimira.
2) ON Rent 6000 sq.ft.(1st-3000' & 2nd -3000') office fully furnished at Marol Maroshi Road,3 km from Airport, Nr Seven Hills Hospital.
3) Very Prime Plot 24000 sq.ft. Next to Fun Republic. One lac sqft.,10000 sq.ft.@10 floors= 100000 sq.ft. built to suit Glass Façade Jwellery /Showroom /Corporate office/ Bank /IT
4) ON Rent Gr.Floor, besides Lodha Aqua, Mira Road, Super Market 1607 Carpet with A/C & with Racks / Office.
5) On Rent,Gala 4000 sq.ft.at kaman Bhiwandi Road facing, Near Bhajanlal Dairy.
Ph: 9820236654 / 9870643011, Email- gkp.fittech@gmail.com
TO PLACE A PERSONAL ANNOUNCEMENT IN THIS SECTION CALL: 9867505472
More TIMES interact ads on subsequent pages...
BOOK YOUR SHOPPING ADS
FOR BOOKING PLEASE CONTACT Jitesh Dominic 9867 407 521
TO BOOK ONLINE LOG ON TO Ads.timesofindia.com
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE
SCAN TO BOOK

महाशिवरात्रि विशेष

TIMES interact
READER ENGAGEMENT INITIATIVE

महालक्ष्मी मन्दिर भवन संस्थान
(अग्रोहा विकास ट्रस्ट)
प्लॉट नं. 23, सेक्टर 14, कोपरखैराने, नवी मुंबई
महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भोले बाबा का महारुद्राभिषेक
रविवार 15 फरवरी 2026 प्रातः 9.30 बजे से
सभी भक्त सादर आमंत्रित है।
शुभकामनाओं सहित
सुरेश अग्रवाल (अध्यक्ष) 8850424640 | महावीर गुप्ता (पूर्व अध्यक्ष) | सचिन अग्रवाल (मुख्य सलाहकार) | अनिल मित्तल (महामंत्री) 9167697522 | प्रवीण अग्रवाल (कोषाध्यक्ष) 9819228404
उपाध्यक्ष–ललित अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, टी.आर. गुप्ता, रवि अग्रवाल
सहमंत्री–विजय गोयल, पंकज गुप्ता * सह-कोषाध्यक्ष–हरीश गुप्ता * कार्यालय मंत्री–हनुमान गर्ग
* मंदिर व्यवस्था मंत्री–अशोक अग्रवाल * विधि सलाहकार–विवेक अग्रवाल
एवं समस्त कार्यकारिणी व सहयोगी गण

सिमंधर महानारायण वात बाम
एक प्रभावी उपाय
अकडन, पीठ दर्द, जोडोंका दर्द, कमर दर्द,
HELPLINE NO.: 022 24380 299
सभी आयुर्वेदिक और औषधी दुकानोंमें उपलब्ध
"यसाका" ये दर्जेदार औषधी के निर्माता की तरफसे
Simandhar

महाशिवरात्रि महाकुम्भ में अंतिम पवित्र स्नान की तिथि है। फाल्गुन मास के कृष्णपक्ष की त्रयोदशी शिव आराधना का दिन है, इस दिन को हम महाशिवरात्रि के नाम से जानते हैं। यह पर्व मनुष्यों को पाप, अन्याय और अनाचार से दूर रहकर शुद्ध, पवित्र और सात्विक जीवन जीने की प्रेरणा देता है। यही कारण है कि इस दिन हर शिव भक्त पूरी श्रद्धा के साथ शिव की आराधना करता है

Industrial RCC Building for RENT/OUTRIGHT
Ideal for Factory, Pharma, Export Unit, Warehouse
Location : L-108 TALOJA MIDC
Plot area : 1200 sq. meter + backyard open 400 sq. meter
Height : 16 feet each floor
Total Area : 6250 x 3 =18750 Sq feet
(RCC: Built up 12500 Sq feet (Ground + 1 floor,Iron shed : 6250 sq feet) Power: 200 HP)
Abhishek Mishra 8879032602 | Sameer Mhatre 9930269952

C. BHOGILAL WEST - END
Bathroom Specialist since 113 Years
Now Century Old Legacy of Trust & Service is Redefining luxury in Bath
Most Modern Design Fitting's From
hansgrohe AXOR
Also New Range of Sanitaryware
Now Offered at our Showrooms with Live Display
C. BHOGILAL
WEST END - VILE PARLE (W) 81, Hem Colony, S.V.Rd., Mumbai 56. www.cbwestend.com info@cbwestend.com
Xclusive - MAHALAXMI Previously C.Bhogilal south - End

सात्विक जीवन की प्रेरणा देता है महाशिवरात्र का पर्व

Amul Rastogi
@timesofindia.com

महाशिवरात्रि केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आस्था, चेतना और आत्मिक जागरण का महोत्सव है। यह दिन भगवान शिव के दिव्य स्वरूप, उनके विवाह और उनकी कल्याणकारी शक्तियों को स्मरण करने का अवसर देता है। शिव भक्ति, व्रत, ध्यान और साधना के माध्यम से यह पर्व मनुष्य को जीवन में संतुलन, शांति और मोक्ष की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है।

शिव तीनों लोकों के स्वामी हैं। देवाधिदेव महादेव को सर्वशक्तिमान, करुणामय और कल्याणकारी देव के रूप में पूजा जाता है। शरीर पर भभूत, जटाओं में अर्धचंद्र, गले में सर्पों की माला, जटाओं से प्रवाहित होती पवित्र गंगा, हाथों में त्रिशूल और डमरू, इन प्रतीकों के साथ भगवान शिव का स्वरूप अत्यंत दिव्य और रहस्यमय प्रतीत होता है। उनकी बाईं ओर माता पार्वती विराजमान रहती हैं, जो शक्ति का स्वरूप हैं। शिव और शक्ति का यह संगम ही सृष्टि के संतुलन और पूर्णता का प्रतीक माना जाता है। महादेव का यह अद्भुत स्वरूप हमें सिखाता है कि जीवन में संतुलन, संयम और समर्पण ही वास्तविक पूर्णता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हर मास की शिवरात्रि महत्वपूर्ण होती है, लेकिन महाशिवरात्रि का विशेष स्थान है। इसे कल्याण और मोक्ष प्रदान करने वाला पर्व माना गया है। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करने से सुख, शांति, समृद्धि और मानसिक शांति प्राप्त होती है। शिव को भोलेनाथ भी कहा जाता है, क्योंकि वे अपने भक्तों की सच्ची भक्ति से शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं और बिना भेदभाव के सभी पर कृपा करते हैं। राम और शिव का परस्पर संबंध भी धर्म में अत्यंत पूजनीय माना गया है—राम शिवमय हैं और शिव राममय। एक साकार हैं, तो दूसरे निराकार, लेकिन दोनों ही सत्य, धर्म और करुणा के प्रतीक हैं।

शिव विवाह से जुड़ा महापर्व

महाशिवरात्रि को महापर्व कहना अधिक उचित है। यह पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के पावन विवाह से जुड़ा हुआ माना जाता है। इसी कारण इस दिन को प्रेम, त्याग और समर्पण का प्रतीक भी माना जाता है। महाशिवरात्रि पर दिन में सूर्य की और रात्रि में चंद्रमा की प्रधानता होती है। चंद्रमा शिव के मस्तक पर विराजमान है, और रात्रि में ग्रह-नक्षत्रों का दर्शन संभव होता है, इसलिए यह रात्रि स्वयं में शक्तिमय मानी जाती है। जिस प्रकार नवरात्रि शक्ति के उपासना का पर्व है, उसी प्रकार महाशिवरात्रि शिव और शक्ति के मिलन का उत्सव है।

कहा जाता है कि शिव का एक स्वरूप कालाग्नि है, जो कालचक्र का प्रवर्तक है, लेकिन शक्ति के बिना शिव निष्क्रिय हैं। "शिव" से "इ" हटाने पर "शव" शेष रह जाता है—अर्थात शक्ति के बिना शिव भी निर्जीव हैं। इसलिए शिव की जागृत अवस्था शक्ति के साथ ही संभव है। पंचमुखी शिव—सद्योजात, वामदेव, अघोर, तत्पुरुष और ईशान—पांचों दिशाओं में कल्याण का संदेश देते हैं। भगवान शिव को 'त्र्यम्बक' भी कहा जाता है, जिनकी तीसरी आंख ज्ञान और विनाश दोनों का प्रतीक है।

शिवलिंग पूजन का महत्व

शिव पूजन में शिवलिंग का विशेष महत्व है। शिवलिंग को प्रकृति की समस्त योनियों और सृष्टि की उत्पत्ति का प्रतीक माना जाता है। यह ब्रह्मांड की रचनात्मक ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है। समुद्र मंथन से निकले विष का पान कर भगवान शिव ने संपूर्ण जगत की रक्षा की और यह संदेश दिया कि वे केवल सृजन ही नहीं, बल्कि संहार और संरक्षण के भी देव हैं। तारकासुर जैसे अत्याचारी राक्षसों के वध के माध्यम से उन्होंने अधर्म का नाश किया। माता सती के यज्ञ कुंड में भस्म होने के पश्चात शिव का तांडव नृत्य उनके संहार स्वरूप का परिचायक है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वे विनाश के माध्यम से भी नवसृजन का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक संदेश

महाशिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और आत्मचिंतन का अवसर है। इसे काल की अभिव्यक्ति करने वाली रात्रि कहा जाता है, जो मनुष्य को पापकर्म, अन्याय और अनाचार से दूर रहने की प्रेरणा देती है। इस दिन व्रत, जागरण, रुद्राभिषेक, गंगा स्नान और महामृत्युंजय मंत्र का जाप विशेष फलदायी माना गया है। मान्यता है कि जो भक्त पूरी श्रद्धा से शिव की आराधना करता है, उसे जीवन के दुख, भय और कष्टों से मुक्ति मिलती है।

आधुनिक समय में महाशिवरात्रि के नए आयाम

आज के समय में महाशिवरात्रि केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रही है। डिजिटल युग में ऑनलाइन शिव अभिषेक, वर्चुअल सत्संग और लाइव आरती के माध्यम से लोग घर बैठे भी पूजा में शामिल हो रहे हैं। कई युवा पीढ़ी इसे केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानसिक शांति और ध्यान का अवसर मान रही है। योग, ध्यान और मंत्र साधना के जरिए लोग शिव तत्व को अपने जीवन में उतारने का प्रयास कर रहे हैं।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी इस पर्व से जुड़ रही है। अब लोग मिट्टी के शिवलिंग, प्राकृतिक सामग्री से पूजा और प्लास्टिक मुक्त आयोजन को प्राथमिकता देने लगे हैं, ताकि शिव की उपासना प्रकृति संरक्षण के साथ जुड़ सके। अंततः महाशिवरात्रि हमें यह सिखाती है कि जीवन में संतुलन, त्याग, करुणा और आत्मज्ञान ही वास्तविक साधना है। शिव केवल देव नहीं, बल्कि चेतना हैं, जो हमें अज्ञान से ज्ञान, अंधकार से प्रकाश और बंधन से मुक्ति की ओर ले जाते हैं। इसलिए यह पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मिक जागरण का संदेश भी है, जो हर मनुष्य को एक बेहतर, सात्विक और सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

NEEM HOLIDAYS PRESENTING VALUE FOR MONEY PACKAGES INCLUSIVE OF AIRFARE, GST & TCS | VALID TILL 15TH FEBRUARY.
6 रात / 7 दिन मजेस्टिक चीन ₹ 1,42,725/-
6 रात / 7 दिन जापान चेरी ब्लॉसम ₹ 2,35,725/-
6 रात / 7 दिन एक्सओटीक रशिया ₹ 1,64,725/-
9 रात / 10 दिन ज्वेल्स ऑफ यूरोप ₹ 2,30,725/-
कैलाश मानसरोवर ALL INCLUSIVE WITH CHARTER FLIGHT 2N - ₹ 99,750/- 12N - ₹ 2,99,750/-
NEEM TRAVEL LIKE YOU DESIRE
93201 88563 / 98201 88563
CONTACT FOR FRANCHISE: 98208 89896

BOOK YOUR PROPERTY ADS
FOR BOOKING PLEASE CONTACT
Asif Faridi 9594 343 468 | Jitesh Dominic 9867 407 521
To Book Online Log on To Ads.timesofindia.com
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE
SCAN TO BOOK

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 14-02-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMDEVI User: tushar.darekar@timesofindia.co Time: 02-13-2026 22:32 Color:

TIMES interact

Connecting People, Connecting Needs.

To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

भर्ती

रिक्त पद

स्वास आवश्यक सिर्फ महिला कैंडीडेट - सैलून एवं स्पा अनुभवी / फ्रेशर ब्यूटीशियन की आवश्यकता है। हेयर, स्किन एवं स्पा सेवेर्स का कार्य फुल-टाइम / पार्ट-टाइम। आकर्षक वेतन + इन्सेन्टिव संपर्क करें: 7208147903

अंधेरी साकीनाका में 4 कलर हेडलबर्ग ऑफसेट मशीन के लिए बाइंडर चाहिए। आकर्षक पगार. संपर्क - 9820621992

भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति

अकादमिक

शिक्षक

THE BISHOP'S International School (ICSE) Bhayandar (W) Invites Applications (Females only) for Pre-primary, Primary & Secondary sections with min. 2 yrs. of exp. sub: math, science art & ICT. apply within 10 days. mention subjects applied for in the email subject line. Also req.: front office clerk with exp. in ICSE school administration. Email: info@thebishopsinternationalschool.com

THE-BISHOP'S-SCHOOL, Bhayandar (W) - (SSC Board) invites Applications from Well Qualified and exp. Female Teachers for Social Sciences, English for Secondary and Marathi, P.T. for Primary Section with Immediate Joining. Ph.-9222502299 email:-office@thebishopsschool.in

लेखा

लेखा और वित्त

ACCOUNTANT / Clerical staff required for a cement distributor agency ,Ghatkopar west, 9820026603,9820226603

अकाउंटेंट (लेखाकार)

WANTED Part Time Lady Accountant 3-5 Yrs Exp Tally / Computer / Calling / Office Work at Kandivali (East) Cont: 9820028284 / 9833300070

CA...Office में TALLY जानकार युवक और युवती चाहिए Whatsapp only 9820036899

तकनीकी

इंजीनियर्स

1) QC Engineers B.E/ DME/B.S.C must have 2 to 3 years' experience in Steel Piping & Fittings, LAB Metallurgical-TPI with preparing documentation & handling of inspection with knowledge of industry ASME code. English communication & Computer proficiency must. Staying Vasai to Borivali preferred spot appointments. Fittech Industries Pvt. Ltd, Unit No.12, J.D. Industrial Estate, Beside Lodha Aqua, Mira Road (E), 7410730973 / 8898866471 Email id: hr@fittechind.com

चिकित्सा

चिकित्सा

REQD. urgently Accountant, PRO, OT Boy, ANM Nurse at Kiran Care and Cure Hospital, Andheri East. Call Dr. Vaibhav Mistry 9820134683.

विपणन, विज्ञापन और बिक्री

बिक्री

REQUIRED Back Office Admin & Sales Staff with 5-10 yrs experience having Computer knowledge for a Co. in Iron Steel industry based at Parel (E). Email your CV at: resumeb.itpl@gmail.com

FOR LEADING Steel Pipe Fitting MFG Co. In Vasai / Mira Road Req.
1) Sales Assistant for preparing quotation with English communication & Computer proficiency must, B.com /BSC with 5 years' experience.
2) Senior Sales Executive to deal with MNC 10 years' experience.
Staying Vasai to Borivali preferred spot appointments. Fittech Industries Pvt. Ltd, Unit No.12, J.D. Industrial Estate, Beside Lodha Aqua, Mira Road (E). 7410730973 / 8898866471 Email id: hr@fittechind.com

TO PLACE A PERSONAL ANNOUNCEMENT IN THIS SECTION CALL: 9867505472

SHARADA GYANPEETH INTERNATIONAL SCHOOL (ICSE)

100% results every year in the ICSE Board

A reputed school in Western Suburbs of Mumbai invites applications from passionate and dedicated Teachers who are ready to adopt the new methods & pedagogies of teaching. Very conducive environment for deserving candidates.

Age preferred below 40 years. DECENT SALARY.

PRE-PRIMARY SECTION
Qualifications : Graduates with E.C.C.Ed.

PRIMARY SECTION
Subject : All Subjects
Qualifications : Graduates with B.Ed.

SECONDARY SECTION
Subjects : English, History, Geography, Mathematics, Economics, Physics & Chemistry.
Qualifications : Post Graduates with B.Ed.
Laboratory Assistant : Graduates in Physics/Chemistry/ Biology with relevant experience.
Counselor : M.A. (Psychology)

Please send your application with a photo & resume to: sharadagyanpeethschool@gmail.com within 10 days.

ADMISSIONS OPEN FOR CLASSES FROM NURSERY TO VIII FOR THE ACADEMIC YEAR 2026-2027

अन्य रिक्तियां

एकाधिक रिक्तियां

POLYMECH INTERNATIONAL
WE ARE HIRING! Join our team today.
9820035840 | 8459001231
hr@polymech.net

A-19, ANTOP Hill W/H Complex, Wadala (E), Mumbai. Dealing in imported goods for hotels & restaurants.openings :Manager- Accounts, Accountant, Sales Coordinator,Office Assistant, Sales Manager (Field), PA to MD,Receptionist, Import Assistant

POLYMECH INTERNATIONAL
WE ARE HIRING! Join our team today.
9820035840 | 8459001231
hr@polymech.net

A-19, ANTOP Hill W/H Complex, Wadala (E), Mumbai. Dealing in imported goods for hotels & restaurants.openings :Manager- Accounts, Accountant, Sales Coordinator,Office Assistant, Sales Manager (Field), PA to MD,Receptionist, Import Assistant

चालक

सोलिसिटर....कंपनी...में बैकऑफिस / ड्राइवर चाहिए शिक्षण 12 - 15. मुंबई अंधेरी - संपर्क:- 7774000798

सुरक्षा

डॉल्फिन सिक्युरिटी कम्पनी मे चाहिए सिक्युरिटी गार्ड वेतन 20000/- Andheri west - के लिए ड्यूटी 12 घंटे। संपर्क - 9821071385 / +919152881188

पार्ट टाइम जॉब

HIGHLY-PAID Job. PT/FT Work. Opportunity for Pvt./ Govt. Employees/ Housewives/ Pensioners. Earn Fix+Variable Payout+ Rewards....72086 20456

SECURED-WORK. Walk-in @ Chembur for Retired/ Senior Citizens/VRS/Housewives. Attractive Income+ Free Tours (Age 40+ above) Call 99875 91081

HIRING-NOW !!! Earn Extra Income. Enjoy your Retirement Invite Retirees/Pensioners/CA MF/Teachers/Hfwives (PT/FT) Limited Seats. Call 98202 96568.

TO PLACE A PERSONAL ANNOUNCEMENT IN THIS SECTION CALL: 9867505472

टेंडर और नोटिस

निविदाएं (टेंडर्स)

Mittal Foundation Trust
Netaji Subhash Road, Marine Drive, Mumbai - 400 002. Phone No. 022 66088000
E-mail: kgmpacollege@gmail.com

Notice for Tender

Mittal Foundation Trust, K.G. Mittal Ayurved College and K.G. Mittal Hospital, Charni Road, Mumbai invite Sealed bid tender in Two Bid System (i.e. Technical And Financial Bid) from reputed, experienced, resourceful, competent manufacturers or distributor or supplier for purchase of Ayurvedic Medicines/ Herbs/Construction & Reparing etc. as per list available on website for the year 2026-27. The Rate should remain valid till 31/03/2027.

Bidders can download tender document and conditions form Website www. kgmittalayurvedcollege.com and www. kgmittalayurvedichospital.com. Tenders should be submitted to the office on above mentioned address by person or by Regd. Post so as to reach on or before 21 days from the date of publication of this notice upto 5.00 p.m.

Note:-
1)Tender Fee with D.D. Rs.1000/- in favour of **Mittal Foundation Trust**

SECRETARY

सार्वजनिक सूचना (नोटिस)

सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए सार्वजनिक सूचना

इसके द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं डॉ. हेमंत लक्ष्मीकांत ठक्कर एवं श्री. निशांत लक्ष्मीकांत ठक्कर के नाम से फ्लैट नंबर 403, चौथी मंज़िल, विंग "C", क्षेत्रफल 176.74 वर्ग मीटर (रेरा कार्पेट एरिया) अर्थात 1902.43 वर्ग फीट तथा उससे संबंधित विशिष्ट क्षेत्रफल, तथा भवन में स्थित 2 (दो) कार पार्किंग स्थान, जिसे "रुस्तोमजी एलिमेंट्स" के नाम से जाना जाता है, जो न्यू डी. एन. नगर, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई-400053 में स्थित है, के शीर्षक (टाइटल) की जाँच कर रहा हूँ। यह संपत्ति सी.टी.एस. नंबर 195 (भाग) एवं सर्वे नंबर 106 (भाग), (पीटी/5), ग्राम अंधेरी, तालुका अंधेरी, पंजीकरण जिला एवं उप-जिला मुंबई सिटी तथा मुंबई उपनगर, तथा ग्रेटर मुंबई महानगरपालिका की सीमा में स्थित भूमि पर निर्मित है।

मेरे मुवक्किल श्री दक्षित जयेश मेहता एवं श्रीमती श्रेया दक्षित मेहता उपरोक्त फ्लैट नंबर 403, चौथी मंज़िल, के संबंध में सभी अधिकारों, शीर्षक और हितों सहित, तथा सभी सुख सुविधाएँ, लाभ, उपांग, कार पार्किंग स्थान और बिक्री समझौते / विक्रय पत्र तथा उससे संबंधित दस्तावेजों से उत्पन्न सभी अन्य अधिकारों सहित, खरीदने के इच्छुक हैं।

जो कोई भी व्यक्ति उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी अधिकार, शीर्षक या हित का दावा करता हो, उसे इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि वह इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों की अवधि के भीतर आवश्यक दस्तावेज़ों सहित अपने दावे / आपत्तियाँ नीचे दिए गए पते पर हस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करे।

आम जनता को यह भी सूचित किया जाता है कि 15 दिनों की अवधि समाप्त होने के पश्चात यदि कोई व्यक्ति इस सूचना पर प्रतिक्रिया नहीं देता है, तो यह माना जाएगा कि उसने उक्त संपत्ति के संबंध में अपने सभी दावे / अधिकार / आपत्तियाँ त्याग दी हैं और मेरे मुवक्किल बिना किसी आपत्ति के उक्त संपत्ति की खरीद की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकते हैं।

दिनांक: 14 फरवरी 2026

अधिवक्ता प्रेरक चौधरी (एडवोकेट, बॉम्बे हाई कोर्ट, मुंबई)
पता: ऑफिस नं. 1और 2, ग्राउंड फ्लोर, ब्लू मून चैंबर्स, नागिंदास मास्टर रोड, फोर्ट, मुंबई - 400023
ईमेल: prerakchoudhary@gmail.com
फोन: 9920472747

सार्वजनिक सूचना

मे. गुडलक फाईन्स, एफएल-२ क्र. १७२ एवं सीएल/एफएल/टिओडी-३ क्र. १७३, नाथानी हाइट्स, दुकान क्र. २४-ए, बेलासिस रोड, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - ४००००८ । उक्त अनुज्ञप्ति से निम्नलिखित अनुज्ञप्तिधारकों/ भागीदारों के नाम हटाने के संबंध में, अनुज्ञप्तिधारक/भागीदार श्री दीपक आर. त्यागी एवं श्रीमती माला दीपक त्यागी ने दिनांक २९.०१.२०२६ के आवेदन द्वारा मा. जिला अधिकारी, मुंबई शहर कार्यालय को अनुरोध किया है:

1. श्री प्रवीणकुमार के. शाह
2. श्री नरेंद्रकुमार के. शाह
3. श्री अजितकुमार वी. शाह
4. श्री भास्कर जी. गुप्ता
5. श्रीमती ओहाना के. गुप्ता
6. श्रीमती शिल्पा वी. कामत
7. श्री व्यंकटेश के. कामत

यदि संबंधित व्यक्तियों के परिवार में से किसी को इस प्रकरण में कोई आपत्ति हो, तो वे इस विज्ञापन के समाचार पत्र में प्रकाशित होने की तिथि से १५ (पंद्रह) दिनों के भीतर आवश्यक दस्तावेजों सहित अधीक्षक, राज्य उत्पाद शुल्क, मुंबई शहर, पुराना जकात घर, द्वितीय तल, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई - ४००००२३ से संपर्क करें।

निर्धारित अवधि में यदि कोई लिखित आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त अनुज्ञप्ति से उपरोक्त नामों को हटाने संबंधी आगे की कार्यवाही की जाएगी। संबंधित व्यक्ति इस संबंध में संज्ञान लें।

हस्ताक्षर/-
जिला अधिकारी,
मुंबई शहर की ओर से

सेवाएं

कानूनी सलाह

PROJECT MANAGEMENT (PMC)
FEASIBILITY REPORT
REDEVELOPMENT AGREEMENT
RERA
POINT ADVISORY 7021653529

व्यक्तिगत

नाम परिवर्तन

I, R Amal Rani wife of No. JC-856083N, Sub Maj L Arul David, R/o.Vill Pandavar Mangalam, Po - East Pandavarmangalam, Teh - Kovil Patti, Dist. Thoothukkudi, State- Tamilnadu 628502 have changed my name from R Amal Rani to Amal Rani A vide Affidavit before Notary.

I,SARIKA Sunil Gadhave Wife of Gadhave Sunil Ramdas r/o Dhamangaon, Igatpuri, Nashik, M.H-422403 have changed my DOB from 20-08-1991 to 20-08-1992 vide aff. No 60AB344148 dt. 11-02-2026 at Nashik

I,MANJEET Singh Choudhary r/o Mundawar, Sodawas, Alwar, Rajasthan-301427 have changed my Son name from Praveen Kumar to Praveen Choudhary vide aff. No 60AB344145 dt. 12-02-2026 at Nashik

I, Sita Devi Mother of Bhushan Kumar r/o Mahari, Luxmipur, Lachhmipur, Gaya, Bihar-804404 have changed my name from Sita Devi to Seeta Devi vide aff. No 60AB344150 dt. 11-02-2026 at Nashik

I, Charno Devi Mother of Harvinder Singh r/o Taraf Majara, Rupnagar, Punjab - 140126 have changed my name from Charno Devi to Charanjeet Kaur vide aff. No 60AB344153 dt. 11-02-2026 at Nashik

I,JYOTI Wife of Indrajeet r/o Kevatliya, Bhaunrabari, Gorakhpur, U.P-273158 have changed my name from Jyoti to KM Jyoti Nishad vide aff. No 60AB344146 dt. 11-02-2026 at Nashik

BOOK YOUR PERSONAL ADS
FOR BOOKING PLEASE CONTACT
Asif Faridi 9594 343 468 | Jitesh Dominic 9867407521
To Book Online Log on To Ads.timesofindia.com
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE — SCAN TO BOOK

PRIME PROPERTY

Industrial Building for Sale
Land 11 Acres. 1,35,000 Sq.Feet,
Pre-Engineered Building
with tremix flooring.
Power 2000KW Transformer &
Cable distribution,
HT 603KW Sanctioned Load.
Fire Safety, Utilites blocks, Centeralised
Air Compressors
Amathur-626005, Sivakasi, Virudhunagar (Dist), Tamilnadu
Contact us :
98100 16181, 94425 56016
Email: vasant@gopsons.com

To advertise in this section call JITESH 9867407521

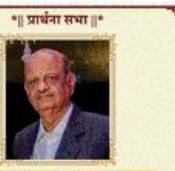

PROPERTY FOCUS

PROPERTY SPECIAL OFFER

TRAVEL TIMES

BOOK YOUR TRAVEL ADS
FOR BOOKING PLEASE CONTACT
Jitendra Boricha 9820 137 295 | Jitesh Dominic 9867 407 521
TO BOOK ONLINE LOG ON TO Ads.timesofindia.com
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE — SCAN TO BOOK

NBT स्मृति — यादो के चिराग

|| प्रार्थना सभा ||

श्री महेंद्र कुमारजी मित्तल

हमारे पूजनीय पिताजी का बैकुंठवास गुरुवार, दिनांक 12.02.2026 को हो गया है।

प्रार्थना - सभा

रविवार, दिनांक 15/02/2026 को सुबह 10.30 से 12 बजे, वंदना बैंक्वेट, सर्वोदय चौधरी नगर हॉल, ठाकुर विद्या मंदिर के पास, ठाकुर कॉम्प्लेक्स, कांदिवली (पूर्व) मुंबई-400101 पर रखी गई है।

|| शोकाकुल ||
पुत्र - पुत्रवधू: रोहित - दीपा मित्तल
पुत्री - दामाद: रचना - अनिलजी अग्रवाल, मुंबई
विजया - प्रीतेशजी अग्रवाल, वडोदरा
पौती - जवाई: राधिका - मोनिकजी हिमतसिंगका, मुंबई
पौत्र: सिद्धार्थ मित्तल, दोहती - जवाई: रिद्धि - मनीषजी पोद्दार
प्रिति, स्तुति, हरिती अग्रवाल
दोहता - बहू: कुणाल - निशा अग्रवाल
ससुराल पक्ष: विश्वंभर, हरिप्रसाद, स्व. अरुण, अरविंद
एवं गाडोदिया परिवार
मो: 98200 90689, 93225 93874

BOOK OBITUARY ADS
To book an Obituary Ad Please contact:
Jitendra Boricha 9820 137 295 | Jitesh Dominic 9867 407 521
Asif Faridi 9594 343 468
TO BOOK ONLINE LOG ON TO Ads.timesofindia.com
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE — SCAN TO BOOK

न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे॥

दिलीप सत्यनारायण पोदार

१९५५ - २०२६

११ फ़रवरी, २०२६ को वे अपने स्वर्गीय धाम के लिए प्रस्थान कर गए।

गहन शोक और स्नेही यादों के साथ, हम उन्हें नमन करते हैं जिन्होंने हमारी नींव रखी है हमारे आज को संवारा और हमारे आने वाले कल को अपने आशीष से संजोयेंगे

प्रार्थना सभा: रविवार, १५ फरवरी २०२६

स्थाः हॉल ऑफ कल्चर, नेहरु सेंटर, वर्ली। **समय:** शाम ४ से ६ बजे

गहरे शोक के साथ:
मंजू दिलीप पोदार
गौरव - आशा पोदार, नितिज एवं प्रत्युश
निधि - प्रेरक गोयल, अनिदिता एवं प्रेरणा
अनिल डिडवानिया, मधु रमेश गोयल, भारती प्रदीप अग्रवाल, कौशल बागड़िया,
सज्जन पोदार, देविप्रसाद पोदार एवं समस्त पोदार परिवार

DK CORPORATION

TO PLACE AN ANNOUNCEMENT IN THIS SECTION CALL: JAI SARSAR 9867505472

TO PLACE AN ANNOUNCEMENT IN THIS SECTION CALL: 9867505472

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 14-02-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMP7 User: cci Time: 02-13-2026 22:37 Color:

बोर्ड परीक्षा में राइटर के आवेदन पर मांगी घूस, अफसर अरेस्ट

■ NBT न्यूज, नवी मुंबई : एसएससी परीक्षा में सहायक राइटर के आवेदन पर घूस मांगने वाले शिक्षा विभाग के अधिकारी सुदाम चौहान को ऐंटी करप्शन की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। शिकायतकर्ता एक निजी कोचिंग सेंटर चलाते हैं। उनके यहां पढ़ने वाले एक छात्र को लर्निंग डिसएबिलिटी है, जिसे एसएससी बोर्ड परीक्षा देनी है। छात्र की मां ने शिक्षक को अधिकृत पत्र देकर परीक्षा से संबंधित औपचारिकताएं पूरी करने का अनुरोध किया था।

लर्निंग डिसएबिलिटी से पीड़ित छात्र की शिकायत पर ऐक्शन

इसके बाद शिक्षक महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल के वाशी स्थित कार्यालय में आवेदन के लिए गए थे। वहां एक कर्मचारी ने उन्हें 200 रुपये भरकर राइटर के लिए अप्लाई करने की सलाह दी थी। जब वे फीस की रकम भरने पहुंचे, तो संबंधित अधिकारी ने उन्हें बुलाकर छात्र को राइटर उपलब्ध कराने और परीक्षा के विषय बदलवाने के नाम पर दस हजार रुपये की रिश्वत मांगी। इसके बाद शिकायतकर्ता ने ऐंटि करप्शन ब्यूरो, नवी मुंबई कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही एसीबी की टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को 5 हजार रुपये घूस लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया।

मुझसे संबंध साबित हुआ तो इस्तीफ़ा दे दूंगा: झिरवाल

मंत्री के ऑफिस में रिश्वत लेते क्लर्क को ACB ने पकड़ा

■ NBT रिपोर्ट , मुंबई

ऐंटि करप्शन ब्यूरो (ACB) ने कार्रवाई करते हुए मंत्रालय में राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरि झिरवाल के ऑफिस में काम करने वाले क्लर्क राजेंद्र ढेरंगे को 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। 42 हजार रुपये और भी मिले हैं, जिसकी जांच जारी है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष ने मंत्री झिरवाल पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें मंत्री पद से हटाने की मांग की है। इस पर सफाई देते हुए मंत्री झिरवाल ने शुक्रवार को कहा कि रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किए गए क्लर्क के साथ यदि उनका कोई संबंध साबित होता है, तो वह पद से इस्तीफा दे देंगे।

सूत्रों का कहना है कि इस मामले में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नाराजगी जताई है। शुक्रवार को वर्षा बंगले पर हुई बैठक में सीएम ने निर्देश दिया कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। ऐसा करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। सूत्रों का कहना है कि कार्रवाई से पहले एसीबी को अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस होम) से परमिशन लेनी पड़ी होगी। बता दें कि नरहरि झिरवाल एनसीपी अजित पवार गुट से मंत्री हैं। घटना के समय मंत्री दिल्ली में थे। उन्होंने कहा कि जो कुछ हुआ वह गंभीर है। आरोपी को इसके परिणाम भुगतने होंगे। उसे विभागीय सुनवाई के लिए कागजात तैयार करने का काम सौंपा गया था। क्लर्क पर आरोप है कि क्लर्क ने मेडिकल लाइसेंस बहाल करवाने के बदले रिश्वत की मांग की थी।

मंत्रालय में किसी मंत्री के दफ्तर में एसीबी की यह तीसरी बड़ी कार्रवाई बताई जा रही है। इससे पहले कांग्रेस सरकार में राजेंद्र दर्डा के कार्यालय पर इसी तरह की छापेमारी हुई थी। बीजेपी सरकार में राजस्व मंत्री रहे एकनाथ खडसे के निजी सहायक पर भी रिश्वतखोरी के मामले में कार्रवाई की गई थी। अब झिरवाल तीसरे ऐसे मंत्री हैं, जिनके कार्यालय में एसीबी ने कार्रवाई की है।

झिरवाल ने कहा- ऑफिस नहीं हुआ सील

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि एसीबी की कार्रवाई के बाद मंत्री का ऑफिस सील कर दिया है। वहीं मंत्री के ऑफिस का कहना है कि कार्यालय शुरू है, सील होने की बात अफवाह है। महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने मांग की है कि झिरवाल को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए, ताकि इस रिश्वतखोरी की निष्पक्ष जांच हो सके। इस मामले में झिरवाल और ऑफिस के सीनियर अधिकारियों की पूरी जांच जरूरी है।

क्लर्क को 16 फरवरी तक पुलिस हिरासत

रिश्वत मामले में गिरफ्तार मंत्री नरहरी झिरवाल के क्लर्क को शुक्रवार को सेशन कोर्ट में पेश किया, जहां अदालत ने उसे 16 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

महाशिवरात्रि पर सर्वार्थ सिद्धि योग, शिवालयों में विशेष तैयारी

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी पर मनाई जाने वाली महाशिवरात्रि इस साल 15 फरवरी को मनाई जाएगी। ज्योतिषियों के अनुसार, सुबह 7 बजे से शाम 7:48 बजे तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। इसके साथ व्यतीपात योग पूरे दिन प्रभावी रहेगा। शाम 7:48 बजे तक उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रहेगा। इसके बाद भगवान शिव को प्रिय श्रवण नक्षत्र प्रारंभ होगा। यह अगले दिन सुबह 8:47 बजे तक रहेगा। निशिता काल रात्रि 11:52 से 12:42 तक रहेगा। इसे शिव पूजन के लिए सर्वाधिक शुभ माना गया है। अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:13 से 12:57 बजे तक और अमृत काल 12:59 से 2:41 बजे तक रहेगा। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इन योगों में किया गया रुद्राभिषेक, मंत्र जाप और उपवास विशेष फलदायी रहेगा।

बाबुलनाथ में दूध, चंदन और भस्म से अभिषेक की अनुमति नहीं होगी

दक्षिण मुंबई स्थित प्राचीन बाबुलनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ की संभावना को देखते हुए सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भक्तों को शिवलिंग पर जलाभिषेक की अनुमति रहेगी। लेकिन दूध, चंदन और भस्म से अभिषेक की अनुमति नहीं होगी। भक्त अपने साथ केवल फूल और बेलपत्र ला सकेंगे।

प्राचीन सभ्यताओं में सत्ता के दृश्य स्वरूप पर किया गया विमर्श

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: छत्रपति शिवाजी महाराज वस्तु संग्रहालय में आयोजित विश्वविद्यालयीन शैक्षणिक कार्यक्रम (2026) में शुक्रवार को 'सत्ता का दृश्य रूप' विषय पर चर्चा हुई। इसमें प्राचीन काल में सत्ता किस प्रकार मूर्त, दृश्य और प्रतीकात्मक रूप में अभिव्यक्त होती थी। इस पर विश्वविद्यालयों के प्राध्यापकों और शोधार्थियों ने मंथन किया।

छत्रपति शिवाजी महाराज वस्तु संग्रहालय में यूनिवर्सिटीज के शैक्षणिक कार्यक्रम का है आयोजन

चार दिवसीय कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन फिट्जविलियम संग्रहालय और छत्रपति शिवाजी महाराज वस्तु संग्रहालय द्वारा किया जा रहा है। यह पहल कैम्ब्रिज ग्लोबल ह्यूमैनिटीज पहल से संबद्ध है। उद्देश्य प्राचीन इतिहास, कला और संस्कृति के अध्ययन को व्यापक दृष्टि से समझना है।

विदर्भ एक्सप्रेस में चोरी, वेस्ट बंगाल से आरोपी को किया गया अरेस्ट

■ NBT न्यूज, कल्याण : विदर्भ एक्सप्रेस में एक यात्री का 32 लाख 73 हजार रुपये के कैश और जूलरी से भरा बैग लेकर फरार आरोपी चोर को रेलवे की क्राइम ब्रांच टीम ने पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है। रेलवे पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी का नाम जाहिर जमाल शेख (28) है, जिसने यात्री की नींद का फायदा उठाकर बैग पर हाथ साफ कर लिया था। आरोपी के पास से 26 लाख 88 हजार रुपये बरामद किए गए हैं।

■ कल्याण रेलवे क्राइम इन्वेस्टिगेशन ब्रांच की कार्रवाई
■ 26 लाख 88 हजार रुपये जब्त, पूछताछ जारी

रेलवे पुलिस ने बताया कि घटना के दिन विदर्भ एक्सप्रेस से सफर कर रहे यात्री की नींद खुली, तो ट्रेन नासिक रोड से सीएसएमटी की चल दी थी। जब उन्हें पता चला कि उनका जूलरी और नकदी से भरा बैग गायब हो गया है, तब उन्होंने कल्याण पहुंचकर रेलवे पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। रेलवे पुलिस कमिश्नर एम.कलासागर के मार्गदर्शन में रेलवे क्राइम इन्वेस्टिगेशन ब्रांच की टीम ने मामले की जांच शुरू की।

रेलवे पुलिस की इन्वेस्टिगेशन टीम ने नासिक रोड और सीएसएमटी के बीच सभी स्टेशनों के CCTV फुटेज खंगाले। इसी दौरान दादर रेलवे स्टेशन पर एक संदिग्ध युवक अपनी पीठ पर हरे रंग का बोरा लेकर उतरता दिखा। जांच में पता चला कि संदिग्ध युवक पश्चिम बंगाल का है, इसके बाद पुलिस उसकी लोकेशन ट्रेस करते हुए पश्चिम बंगाल पहुंची और उसे धर दबोचा।

मुंबई यूनिवर्सिटी ने किया 304 पुरानी परीक्षाओं को बंद करने का फैसला

125 परीक्षाओं में तीन साल से नहीं हुआ एक भी रजिस्ट्रेशन

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: मुंबई यूनिवर्सिटी ने शैक्षणिक ढांचे में 304 पुराने और निष्क्रिय पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं बंद करने का निर्णय लिया है। इनमें 125 परीक्षाएं ऐसी हैं, जिनमें पिछले दो-तीन वर्षों से एक भी स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था, जबकि 179 परीक्षाएं ऐसी हैं, जिनके पाठ्यक्रम बंद हुए दस वर्ष से अधिक समय हो चुका है। यूनिवर्सिटी के परीक्षा एवं मूल्यांकन बोर्ड के अनुसार, इन परीक्षाओं को निष्क्रिय परीक्षा घोषित किया गया है और अब नियमित रूप से आयोजित नहीं किया जाएगा।

यूनिवर्सिटी प्रशासन के अनुसार, जिन 125 परीक्षाओं में पिछले दो से तीन शैक्षणिक वर्षों से एक भी रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ था, उन्हें तत्काल प्रभाव से बंद किया गया है। इनमें कॉमर्स एवं मैनेजमेंट स्ट्रीम की 23 परीक्षाएं, ह्यूमैनिटीज की 15 परीक्षाएं, इंटर डिसिप्लिनरी की 42 परीक्षाएं और साइंस एवं टेक्नॉलजी स्ट्रीम की 45 परीक्षाएं शामिल हैं।

रजिस्ट्रेशन होने पर हो सकता है विचार

MU ने कहा है कि यदि किसी संबद्ध कॉलेज या संस्था की ओर से इन पाठ्यक्रमों में स्टूडेंट्स के रजिस्ट्रेशन का प्रस्ताव मिलता है, तो परीक्षाएं कराई जा सकती हैं। ऐसी स्थिति में परीक्षा कार्यक्रम, प्रश्नपत्र निर्माण, परीक्षक नियुक्ति और अन्य प्रक्रिया नियमानुसार की जाएगी।

सिर्फ कटौती नहीं, पाठ्यक्रम सुधार का संकेत

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

मुंबई यूनिवर्सिटी द्वारा निष्क्रिय परीक्षाएं बंद करने का फैसला सिर्फ एक प्रशासनिक कदम नहीं है, बल्कि यह उच्च शिक्षा की बदलती दिशा का संकेत भी है। 125 परीक्षाओं में पिछले दो-तीन साल से एक भी रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ। यानी विश्वविद्यालय इन कोर्सों के लिए ढांचा, स्टाफ और परीक्षा प्रक्रिया बनाए रखे हुए था, लेकिन स्टूडेंट्स ही नहीं थे। यह संसाधनों की बर्बादी थी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उद्योग की बदलती जरूरतों के बीच यूनिवर्सिटीज पर कोर्स अपडेट करने का दबाव है। ऐसे में पुराने, अप्रासंगिक कोर्स हटाना सुधार की पहली शर्त है। यूनिवर्सिटी का यह फैसला अचानक नहीं, बल्कि रजिस्ट्रेशन के आंकड़ों पर आधारित है।

वंदे भारत में सांप छोड़ने वाले आरोपी पकड़ने में मध्य रेल को लगे 47 दिन

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: मध्य रेल की रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने वंदे भारत एक्सप्रेस में सांप छोड़ने के आरोपी को 47 दिन बाद मुंब्रा से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नासिक जिले के 37 वर्षीय निवासी जगन अर्जुन भाले के रूप में हुई है।

मध्य रेलवे प्रशासन के मुताबिक, 27 दिसंबर को यह घटना ट्रेन संख्या 22225 वंदे भारत एक्सप्रेस में सामने आई थी, जब कोच सी-16 के शौचालय में एक सांप मिलने से यात्रियों में हड़कंप मच गया था। इसके बाद शौचालय बंद कर नियंत्रण कक्ष को सूचना दी गई। ट्रेन के सोलापुर स्टेशन पहुंचने पर सांप को सुरक्षित तरीके से बाहर निकाला गया।

मुम्ब्रा से हुई गिरफ्तारी, नासिक का रहने वाला है आरोपी

सीसीटीवी फुटेज में एक अज्ञात व्यक्ति को शौचालय में सांप छोड़ते हुए देखा गया था। आरपीएफ टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और एक मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान की। इसके बाद मुंब्रा में दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसे कल्याण में रेलवे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

काल्हेर में अवैध खनन पर ऐक्शन

■ NBT न्यूज, भिवंडी : भिवंडी में राजस्व विभाग के अधिकारियों ने काल्हेर स्थित खाड़ी के किनारे अवैध बालू के खनन और भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत अधिकारियों की टीम ने बालू के 19 बड़े भंडार पर कार्रवाई कर 1523 ब्रास बालू, पोकलेन एवं 1 डंपर सहित लगभग 97 लाख रुपये की सामग्री जब्त की है। रेत माफियाओं के खिलाफ नारपोली पुलिस स्टेशन में अपराध दर्ज किया गया है।

पोकलेन एवं डंपर सहित 97 लाख रुपये का माल जब्त

शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन

विज्ञापन संख्या 01 / 2026

मुंबई विश्वविद्यालय-परमाणु ऊर्जा विभाग, मौलिक विज्ञान प्रकर्ष केंद्र (यूएम-डीएई सीईबीएस), मुंबई बेसिक साइंसेज में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित करता है। अधिक जानकारी एवं आवेदन के लिए, https://www.cbs.ac.in/Academics/ph.d.programme पर जाएं।

आवेदन करने की अंतिम तिथि: 28.02.2026

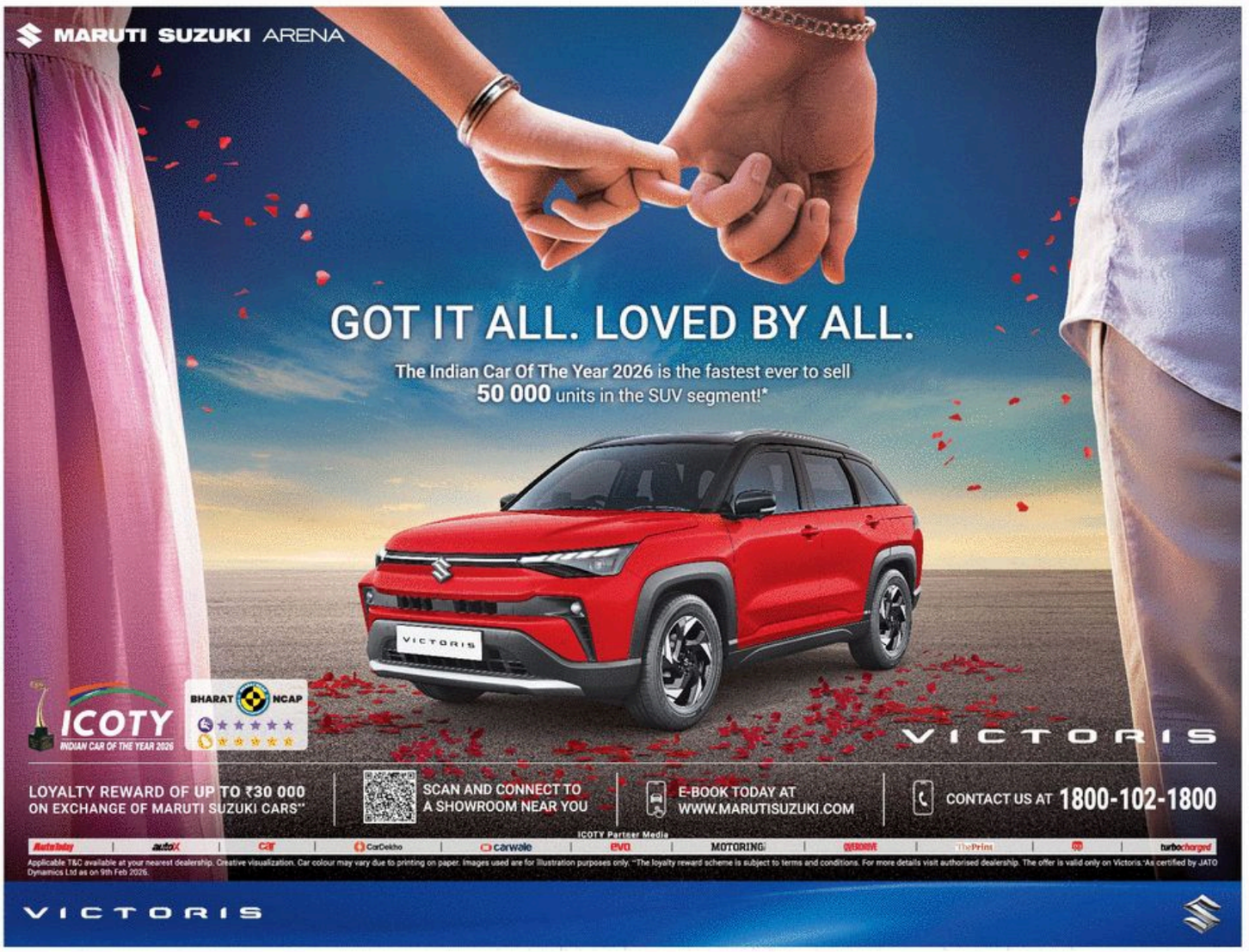

फटाफट खबरें

KDMC कर्मी जोशी को सस्पेंड किया गया

■ NBT न्यूज, कल्याण : केडीएमसी प्रशासन ने स्वप्निल जोशी को सस्पेंड कर दिया है। मनपा के F वॉर्ड में कार्यरत जोशी के खिलाफ मानपाडा पुलिस स्टेशन में रेप का केस दर्ज था। गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से ज्यूडिशल कस्टडी में भेज गया। इसी बीच मनपा ने उसकी सैलरी रिलीज कर दी थी। मामले का खुलासा होने पर सस्पेंशन की कार्रवाई की गई है।

उलवे में नाबालिग का उत्पीड़न, केस दर्ज

■ NBT न्यूज, नवी मुंबई : उलवे स्थित एक प्राइवेट स्कूल में बच्ची का उत्पीड़न करने के आरोप में परिजन ने दो महिलाओं पर पॉक्सो के तहत मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने एक आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है, जबकि दूसरी महिला को नोटिस भेजा है। इनमें एक आरोपी ने पीड़ित से मारपीट की, जबकि दूसरी केयरटेकर आरोपी महिला ने तो उसके प्राइवेट पार्ट को चोट पहुंचाई थी।

बेटी से रेप, दोषी पिता को 20 साल की सजा

■ NBT न्यूज, कल्याण : अपनी ही 15 वर्षीय बेटी का यौन उत्पीड़न करने वाले आरोपी पिता को दोषी करार देते हुए कल्याण की स्पेशल POCSO कोर्ट ने 20 साल की सजा सुनाई है। स्पेशल POCSO कोर्ट के जस्टिस वी.ए. पात्रावले ने बेटी से यौन उत्पीड़न के दोषी पिता पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने कहा कि जुर्माना नहीं भरे जाने की स्थिति में दोषी पिता को 1 साल की साधारण जेल की सजा भी काटनी होगी।

मीरा-भाईंदर: अवैध निर्माण पर मेयर की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को ठेंगा!

तोड़क कार्रवाई रोकने पहुंचे BJP कॉर्पोरेटर। मनपा टीम से कथित अभद्रता का आरोप

■ अमित तिवारी, मीरा-भाईंदर

मीरा-भाईंदर मनपा में अवैध निर्माण के खिलाफ महापौर डिंपल मेहता द्वारा घोषित 'जीरो टॉलरेंस' नीति को उस समय खुली चुनौती मिलती दिखी, जब तोड़फोड़ की कार्रवाई के दौरान बीजेपी के स्थानीय नगरसेवक अशोक तिवारी ने कथित रूप से मनपा की टीम को रोक दिया। घटना नय अंबे नगर और प्रभाग क्रमांक-2 की है।

प्रभाग अधिकारी लोरेटा गाडगे अपनी टीम के साथ शुक्रवार सुबह 11 बजे के आसपास नय अंबे नगर में बन रहे अवैध निर्माण को ध्वस्त करने पहुंची थी। इसी बीच नगरसेवक अशोक तिवारी आए और आपत्ति जताते हुए कार्रवाई रुकवा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इस दौरान प्रभाग अधिकारी और मनपा कर्मचारियों से तीखी नोकझोंक हुई तथा उन्होंने कथित रूप से अभद्र व्यवहार भी किया गया। हालांकि, अंततः मनपा प्रशासन ने पुलिस सुरक्षा में तोड़क कार्रवाई को अंजाम दिया। गौरतलब है कि 3 दिन पहले पदभार संभालते ही महापौर डिंपल मेहता ने अवैध निर्माणों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति की घोषणा करते हुए आयुक्त को एक पत्र भी लिखा था। उन्होंने अवैध निर्माण में किसी भी प्रकार के राजनीतिक हस्तक्षेप को अस्वीकार्य बताया था। लोगों का कहना है कि उक्त घटना महापौर और मनपा प्रशासन की साख और नीति की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करती है।

ताजा मामले में नगरसेवक अशोक तिवारी पर संबंधित अवैध निर्माण को संरक्षण देने के एवज में एक लाख रुपये लेने का आरोप लग रहा है। गौरतलब है कि वर्ष 2013 में प्रभाग समिति के अध्यक्ष रहते हुए भी तिवारी एक अवैध निर्माण में एवज में रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार हुए थे। उस वक्त उनके खिलाफ आपराधिक मामला भी दर्ज किया गया था।

पुलिस में दर्ज कराई गई मामले की शिकायत

इस संदर्भ में प्रभाग अधिकारी गाडगे से कई बार संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। उन्होंने एफआईआर दर्ज करने के लिए पुलिस स्टेशन में शिकायत की है। शुक्रवार को अवैध निर्माण पर कार्रवाई करने गए तोड़क दस्ते के एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि उन्हें अवैध निर्माण के संदर्भ में जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी के पालन के निर्देश हैं।

"मनपा अधिनियम के प्रावधानों के तहत अवैध निर्माण और उनके संरक्षण पर सदस्यता रद्द करने का प्रावधान है। ऐसे में, अशोक तिवारी की सदस्यता रद्द की जानी चाहिए।
- रोहित सुवर्णा, पूर्व नगरसेवक

"पहले अमीरों का घर तोड़ो, फिर गरीबों का घर तोड़ने आओ। शहर में बहुत अवैध काम हो रहे हैं पहले उन पर कार्रवाई करने की जरूरत है।
- अशोक तिवारी, नगरसेवक

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

क्यों आती है कार्रवाई में बाधाएं?

मीरा-भाईंदर में अवैध निर्माण और उनके खिलाफ कार्रवाई के बीच राजनीतिक, प्रशासनिक दखलंदाजी कोई नई बात नहीं है। इसके पीछे एक 'अर्थव्यवस्था' छिपी हुई है। महापौर ने भले अवैध निर्माण 'जीरो टॉलरेंस' की बात कही हो, लेकिन उन्हें अवैध निर्माण के पीछे छिपी 'अर्थव्यवस्था' की चुनौती से लड़ना होगा, क्योंकि इसके लाभार्थियों में नेताओं से लेकर अधिकारी, कर्मचारी तक शामिल हैं।

नासिक हाइवे पर नया साकेत क्रीक ब्रिज रेडी

भारी वाहनों का टेस्ट-राइड भी हुआ सफल

Anil Shinde

■ NBT न्यूज, ठाणे : ठाणे-नासिक हाइवे पर साकेत खाड़ी परिसर में ब्रिज का कंस्ट्रक्शन पूरा हो चुका है। शुक्रवार को यहां भारी वाहनों की टेस्ट-राइड की गई। एक अधिकारी के मुताबिक अगले दो दिन में नए ब्रिज पर वाहनों का आवागमन शुरू हो जाएगा। इससे मुंब्रा, भिवंडी, खारेगांव में होने वाले ट्रैफिक जाम से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

एमएसआरडीसी की तरफ से मुंबई-नासिक हाइवे पर भिवंडी के बढ़ते तक रोड को चौड़ा करने का काम जारी है। साकेत खाड़ी परिसर में स्थित पुराने ब्रिज पर वाहनों के आने-जाने के लिए सिर्फ दो लेन हैं। अधिकतर भारी वाहनों के आवागमन से सुबह-शाम और रात में पीक आवर्स में वाहनचालकों को ट्रैफिक जाम से जूझना पड़ता है। मॉनसून में ब्रिज पर गड्ढे बनने से शहर का ट्रैफिक सिस्टम ध्वस्त हो जाता है। पुराने साकेत ब्रिज के करीब चार लेन वाले नए ब्रिज का निर्माण जारी था, जिसके पूरा होने से बड़ी राहत मिलेगी।

एक से दो दिन में वाहनों के लिए खुला होगा ब्रिज

ऐसा होगा नए खाड़ी ब्रिज पर आवागमन

नया खाड़ी ब्रिज 200 मीटर लंबा है। इसका इस्तेमाल ठाणे से नासिक, मुंब्रा, नवी मुंबई और भिवंडी की ओर जाने वाली ट्रैफिक के लिए होगा। पुराने ब्रिज का इस्तेमाल नासिक, मुंब्रा, नवी मुंबई और भिवंडी से ठाणे की ओर ट्रैफिक के लिए जाने के लिए किया जाएगा।

महापौर चुनाव: भिवंडी में राजनीतिक पारा चढ़ा

पेज 1 से आगे

भिवंडी : पिछले एक महीने से मनपा के महापौर पद का चुनाव टलता आ रहा था, जिससे चर्चाओं का बाजार गर्म तेज हो गई थी। इसी बीच सभी राजनीतिक दलों में महापौर पद को लेकर रस्साकशी और संख्याबल की जोड़-तोड़ शुरू हो चुकी है। आर्थिक लेन-देन (घोड़ाबाजार) की भी चर्चाएं जोर पकड़ चुकी हैं, जिसकी शिकायत विधायक रईस शेख ने कोकण विभागीय आयुक्त से की थी। महापौर चुनाव की घोषणा होते ही शहर की राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। विभिन्न दल और गुट अपने-अपने उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं।

कचरा रिसाइकलिंग प्रक्रिया ठप, वसईकरों की मुश्किलें बढ़ीं!

मनपा अधिकारियों, ठेकेदारों पर लापरवाही का आरोप

■ सुरेंद्र नेगी, वसई : शहर में कचरा रिसाइकलिंग प्रक्रिया एक बार फिर ठप हो गई है। इस वजह से डंपिंग ग्राउंड में कचरे का अंबार बढ़ता जा रहा है। साथ ही, कचरे में बार-बार आग लगने से वसईकरों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लोगों ने वसई-विरार मनपा के स्वच्छता विभाग के अधिकारियों और ठेकेदारों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। हालांकि, मनपा प्रशासन ने नियमों का उल्लंघन करने वाले ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट कर दिया है।

बता दें कि वसई-विरार मनपा के पास भोयदापाडा एक मात्र डंपिंग ग्राउंड है। हर रोज शहर से 800 से 850 मीट्रिक टन कचरा निकलता है, जिसे भोयदापाडा डंपिंग ग्राउंड में डंप किया जाता है। यहां लगभग 1.5 मिलियन मीट्रिक टन कचरा जमा होने से कचरे का पहाड़ बन गया है।

मनपा ने इस कचरे की रिसाइकलिंग प्रक्रिया करने का ठेका मेसर्स साई यूटिलिटी को दिया था। लेकिन, ठेकेदार द्वारा काम की धीमी रफ्तार और काम में लापरवाही बरतने से सिर्फ 5 लाख मीट्रिक टन कचरा ही डिस्पोज किया जा सका। इस वजह से मनपा ने नियमों का उल्लंघन करने वाले ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट कर दिया। लगभग 14 साल बाद डंपिंग पर शुरू हुआ बायोमाइनिंग प्रोजेक्ट का कार्य ठप हो गया है।

इधर, लोगों का आरोप है कि मनपा प्रशासन और ठेकेदार की आपसी खींचतान का खामियाजा वसई की जनता को भुगतना पड़ रहा है। कचरे से निकलने वाली दुर्गंध और अक्सर आग लगने से यहां लोगों का सांस लेना मुहाल हो गया है।

कोर्ट में पहुंचा कार्रवाई से जुड़ा मामला

मनपा द्वारा ब्लैकलिस्ट किए जाने पर ठेकेदार ने इस मामले में कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस वजह से कचरा डिस्पोजल प्रोसेस कोर्ट के अगले फैसले तक रुक गया है। पिछले कई महीनों से डंपिंग में आग लगी हुई है। इससे पूरे परिसर के लोग जहरीले धुएं से परेशान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि धुएं से उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। लोग आंखों की जलन व सांस संबंधी बीमारी से जूझ रहे हैं।

भंगार दुकान की आड़ में ड्रग्स का कारोबार

■ नवी मुंबई पुलिस की नेरुल में बड़ी कार्रवाई
■ 7 आरोपी गिरफ्तार, 22 लाख की ड्रग्स जब्त

■ NBT न्यूज, नवी मुंबई : नवी मुंबई पुलिस ने नेरुल क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए भंगार (कबाड़) दुकान की आड़ में चल रहे ड्रग्स के अवैध कारोबार का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 43.6 ग्राम हेरोइन और 26 ग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त मादक पदार्थों की कीमत लगभग 22 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नेरुल सेक्टर-28 रेलवे पटरी के समीप राजू राठोड अपने परिजनों के साथ भंगार की दुकान के नाम पर नशीले पदार्थों की बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने चार अधिकारियों और 15 पुलिसकर्मियों के साथ छापेमारी की। तलाशी के दौरान भंगार के गोदाम में ड्रग्स हेरोइन और गांजे के पैकेट्स मिले। इसके बाद पुलिस ने कथित तौर पर इस व्यवसाय में शामिल राकेश खापरे, रानेंद्र काले, अनिता पवार, राजू राठोड, शिवराज पवार, कमलाबाई राठोड एवं सुमन राठोड को गिरफ्तार कर लिया।

मुख्य आरोपी राजू राठोड के खिलाफ पहले भी नेरुल पुलिस स्टेशन में विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं। इस प्रकरण में एनडीपीएस ऐक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में दो अन्य संदिग्ध आरोपियों विशाल और गंगा काले फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

कामन में कलर कंपनी में लगी आग

■ NBT न्यूज, वसई : नायगांव (पूर्व) कामन-भिवंडी रोड स्थित आप्पा कंपाउंड में शुक्रवार सुबह एक कलर बनाने वाली कंपनी में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे फायरब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया।

इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपये का माल खाक हो गया।

स्टेट अपडेट

बिश्नोई गैंग की धमकियों पर कांग्रेस ने राज्य सरकार को कोसा

■ भाषा, नागपुर: कांग्रेस ने शुक्रवार को राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुंबई समेत पूरे राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गई है और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से बॉलिवुड हस्तियों सलमान खान, रणवीर सिंह और रोहित शेट्टी को धमकियां मिल रही हैं। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रवक्ता अतुल लोंढे ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार सख्त कार्रवाई करने की स्थिति में नहीं है। बेरोजगारी, महंगाई, महिला सुरक्षा जैसे प्रमुख मुद्दों से निपटने के बजाय केवल हिंदू-मुस्लिम बहसों में उलझी हुई है।

आयरन की अधिक गोलियां लेने पर जिला परिषद के 19 स्टूडेंट्स एडमिट

■ भाषा, चंद्रपुर: चंद्रपुर जिले के एक जिला परिषद स्कूल के 19 स्टूडेंट्स ने बिना किसी की निगरानी में अत्यधिक मात्रा में एनीमिया रोधी गोलियों का सेवन कर लिया, जिससे वे बीमार पड़ गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अधिकारियों ने कहा कि भद्रावती तहसील के भामडेली गांव से घटना की सूचना मिलने के बाद जांच के आदेश दिए गए हैं। स्टूडेंट्स को हर सोमवार को आयरन की गोलियां दी जाती हैं। जिला परिषद (जिप) स्कूल के कुछ स्टूडेंट्स ने कथित तौर पर मंगलवार को शिक्षकों की अनुपस्थिति में अधिक गोलियां खा ली थीं।

पश्चिमी रेलवे

वातानुकूलन हेतु कंसल्टेंसी सेवाएं

क्षेत्र: DRK/P/BCT निविदा सूचना सं. ईएल-4-2-379-इलम्यूर-36 (आर-3), दिनांक: 10.02.2026 (दो पैकेट प्रणाली) आमंत्रित करते हैं। कार्य और स्थान: चर्चगेट - पश्चिमी रेलवे मुख्यालय कार्यालय के जीएनओ, इंजीनियरिंग बिल्डिंग और चर्चगेट स्टेशन बिल्डिंग के वातानुकूलन हेतु परामर्श सेवाएं। कार्य की अनुमानित लागत: ₹ 19,47,000.00 ईएमडी: ₹ 38,900.00 जमा करने की अंतिम तिथि और समय: 09.03.2026 तक, 15.00 बजे। खुलने की तिथि और समय: 09.03.2026 को 15.30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 1108

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम मध्य रेल

संकेत एवं दूरसंचार विभाग — खुली निविदा

मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु निर्धारित ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। निविदा सूचना क्रमांक: जबल-एस-टेल-टेण्डर-2026-8. कार्य का नाम लोकेशन सहित: पश्चिम मध्य रेल पर जबलपुर मंडल के इटारसी-माणिकपुर खंड (कुल 09 संख्या) के फोकस लाइफ के आधार पर आउटलाइन इलेक्ट्रिक सिग्नलिंग बैरियर की स्थापना (सिग्नलिंग कार्य)। निविदा का अनुमानित मूल्य: ₹ 1,12,28,559.86. निविदा फार्म की कीमत: 00. कार्यालय का पता: मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर। बयाना राशि: ₹ 2,06,200/-. समापन अवधि: 11 माह। निविदा बंद होने एवं खुलने की अंतिम तिथि एवं समय: दिनांक 09.03.2026 को 15.00 बजे बंद होगी एवं 15.00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट "https://ireps.gov.in" पर उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। उक्त निविदा उक्त वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन की जा सकती है।

स्वच्छ भारत अभियान — एक कदम स्वच्छता की ओर

पूर्व रेलवे

शुद्धिपत्र

ई-निविदा सूचना सं. एसजीडब्ल्यू-272-147-टी1-54, दिनांक 04.02.2026 के संबंध में शुद्धिपत्र संख्या 1, जो पूर्व में मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/परियोजना, पूर्व रेलवे, कोलकाता द्वारा कार्य "भाइहट, ब्रेस ब्रिज, नंगी में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के साथ इनडोर और आउटडोर सिग्नलिंग उपकरणों की सामग्री की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, इंटरलॉकिंग और आरंभ एवं पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल के माइल 5वीं-बजबज के बीच ऑटोमैटिक सिग्नलिंग कार्य के संबंध में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के साथ डुअल एमएसडीएसी (दो पैकेट प्रणाली)" के लिए प्रकाशित की गई थी। (1) निविदा की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 05.03.2026 से 12.03.2026 को 14.00 बजे कर दी गई है (अर्थात 7 दिनों का विस्तार)। (2) बोली-पूर्व सम्मेलन का आयोजन सीएसटीई कार्यालय, तीसरी मंजिल, फेयरली प्लेस में दिनांक 17.02.2026 को किया जाएगा। निविदा के अन्य नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। शुद्धिपत्र संख्या 1 के साथ ई-निविदा सूचना का विवरण www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। CON-68/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है।

हमें यहां देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

निविदा सूचना

क्र.सं. 01. निविदा सूचना सं. एसपीपीबी आईए-25-26-पोटकिन-04

कार्य का नाम : डीपी यार्ड भिलाई में पोर्टा केबिन (लिफ्ट/शिफ्ट प्रकार) की आपूर्ति, बिछाने एवं स्थापना।

निविदा मूल्य : रु. 6,03,570.00/- बयाना राशि : रु. 12,100.00/- निविदा प्रपत्र का मूल्य : रु. 0.00/- निविदा बंद होने का दिनांक : 10.03.2026 at 15:00 Hrs.

मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नहीं होगा तथा उसे यथावत निरस्त माना जायेगा। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी, पात्रता मापदंड एवं सम्पूर्ण जानकारी वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (फ्रेट) / भिलाई के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है एवं निविदा दस्तावेज वेबसाइट www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

मंडल यांत्रिक इंजीनियर/डी.पी.यार्ड/भिलाई — द.पू.मध्य रेलवे, रायपुर

South East Central Railway — @secrail

भारत सरकार अंतरिक्ष विभाग

भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान

(वि.अ.आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन मानित विश्वविद्यालय घोषित)

निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग

वलियमला, तिरुवनंतपुरम, फोन: 0471 - 256 8627, 8621

ई-निविदा आमंत्रित करते हुए संक्षिप्त सूचना 13.02.2026

कुलपति, आईआईएसटी की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा द्वारा ऑनलाइन मद-दर निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

1. i) एस.एस.सी. पोन्मुडी के जलवायु वेधशाला भवन में परिवर्तन कक्ष से संबंधित आधोसन कार्य और ii) अंतरिक्ष विज्ञान कॉम्प्लेक्स, पोन्मुडी में सिविल अनुरक्षण कार्य।
   ई-निविदा सूचना सं.: IIST/CMD/2-2423 A& 3-2577/E-56 दिनांक 13.02.2026 (PAC: ₹ 11.67 लाख)
2. आईआईएसटी वलियमला के प्रशासन भवन में परिषद हॉल में विद्युत अनुरक्षण कार्य।
   ई-निविदा सूचना सं.: IIST/CMD/3-2564 B/E-54 दिनांक 13.02.2026 (PAC: ₹ 7.94 लाख)
3. आईआईएसटी वलियमला के प्रशासनिक खंड में परिषद हॉल के वातानुकूलन कार्यों से संबंधित आधोसन कार्य।
   ई-निविदा सूचना सं.: IIST/CMD/3-2564 C/E-55 दिनांक 13.02.2026 (PAC: ₹ 7.42 लाख)
4. आईआईएसटी, वलियमला स्थित विभिन्न भवनों में पुरानी जीआई जल लाइनों को सीपीवीसी लाइनों से बदलना (चरण-1)।
   NIT No: IIST/CMD/3-2573/E-53 Dated 13.02.2026 (PAC: ₹ 7.94 Lakh)

निविदा दस्तावेज डाउनलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय : 24.02.2026, 23.59 बजे तक

इच्छुक निविदाकार, योग्यता मानदंड एवं अन्य विवरण के लिए कृपया विस्तृत ई-निविदा (ई-एनआईटी) सूचना देखें, जिसे www.iist.ac.in/Tenders, www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रधान, सी.एम.डी. आईआईएसटी

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

निविदा सूचना सं.: पीसीएमएम/जीईएमएम/टीपी/2026/05, दिनांक 13.02.2026, भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, मुख्यालय (चौथी मंजिल), न्यू प्रशासनिक भवन, 11, गार्डनरीच रोड, कोलकाता-700043 द्वारा "ई" प्रोक्योरमेंट प्रणाली के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जिसे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। सभी निविदाएं अपराह्न 2.00 बजे बंद कर दी जाएंगी।

क्र.	निविदा सं.	बंद होने की तिथि	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	ईएमडी (रु. में)
1	एसबी247544ए	04.03.2026	[illegible] आदि की आपूर्ति, स्थापना, जांच एवं चालू करना	01 सेट	3,92,000/-
2	जीईएम/2026/बी/7169244	02.03.2026	[illegible]	02 वर्ष	18,60,861/-
3	38263364	27.02.2026	श्रेणी 'के' (61/2" x 9") [illegible] आदि	600 अदद	3,07,270/-
4	33255029	25.03.2026	[illegible]	80 अदद	3,25,630/-
5	81251869बी	26.02.2026	[illegible]	41862 [illegible]	2,15,190/-
6	33261491	10.03.2026	[illegible]	5440 सेट	13,79,680/-
7	जीईएम/2026/बी/7169244	02.03.2026	[illegible]	02 वर्ष	18,60,861/-
8	6025[illegible]01	26.02.2026	[illegible]	400000 अदद	5,19,200/-
9	25261245	24.02.2026	[illegible]	36 अदद	2,87,680/-
10	29255068बी	27.02.2026	[illegible] आदि की आपूर्ति, स्थापना, जांच एवं चालू करना	1434 सेट	50,00,000/-
11	29255127	02.03.2026	[illegible]	72 सेट	1,07,900/-
12	29263314	03.03.2026	[illegible]	1363 अदद	2,27,160/-
13	25255023ए	05.03.2026	[illegible]	06 अदद	3,40,550/-
14	एसबी265249	27.02.2026	[illegible]	22900 [illegible]	1,23,150/-
15	25253598	13.03.2026	[illegible]	23 अदद	98,790/-
16	93253009	04.03.2026	[illegible]	3700 अदद	1,10,630/-
17	93253012	04.03.2026	[illegible]	3740 अदद	2,46,390/-
18	47253113ए	23.03.2026	[illegible]	121 अदद	2,72,190/-
19	38263940	07.03.2026	[illegible]	17000 अदद	1,41,220/-

इच्छुक निविदाकारगण निविदाओं के सम्पूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देश के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देख सकते हैं तथा अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। किसी भी परिस्थिति में इन मदों के लिए मैनुअल निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। नि.ट.: प्रत्याशित बोलीदातागण अन्य सभी निविदाओं में भाग लेने तथा तदुपरांत प्रकाशित किसी भी शुद्धिपत्र के लिए नियमित रूप से www.ireps.gov.in देख सकते हैं। (PR-1187)

कार्यालय सदस्य सचिव राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी एवं अधीक्षक सर पदमपत नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थान जयपुर

क्रमांक:- एसपीआईएनसीएच/आरएमआरएस/लेखा/निविदा/2026/530 दिनांक:-02.02.2026

ई निविदा सूचना संख्या: 529/2/2/2026

सदस्य सचिव एवं अधीक्षक सर पदमपत नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थान, जयपुर द्वारा अस्पताल में उपयोग के लिए लैबोरेट्री आईटम की दर संविदा के लिए अनुभवी संवेदकों/फर्मों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत 4 करोड़ रु. है तथा निविदा की विस्तृत नियम व शर्तों की जानकारी उपापन पोर्टल eproc.rajasthan.gov.in एवं State Public Procurement Portal Government of Rajasthan की वेबसाइट sppp.rajasthan.gov.in के UBN No.SMS2526GLRC00641 पर भी देखी जा सकती है।

NIB-No.SMS2526A0353 — Sd/- सदस्य सचिव एवं अधीक्षक

DIPR/C/2616/2026

मेट्रो रेलवे, कोलकाता

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, प्रधान मुख्य अभियंता, मेट्रो रेलवे, कोलकाता द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा प्रणाली के तहत निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है। कार्य का नाम: मेट्रो रेलवे, कोलकाता की ब्लू लाइन (दक्षिणेश्वर स्टेशन से कवि सुभाष स्टेशन तक) में रेल गेज फेस लुब्रिकेटर मशीन की आपूर्ति, फिक्स करना, आरंभ करना एवं रखरखाव। कार्य का अनुमानित मूल्य: ₹.5,88,99,616.20, बयाना राशि: ₹. 4,44,500/- समापन अवधि: 60 माह। अंतिम तिथि और समय: दिनांक 06.03.2026 को 12.00 बजे। निविदा कागजात और अन्य विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं। किसी संयोजनी/संशोधनी को केवल वेबसाइट पर जारी किया जाएगा।

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना सं. : सिविल-2547-2026-निविदा (खुली)

हमें यहां देखें: /metrorailwaykol /metrorailkolkata

UGC-DAE Consortium for Scientific Research

(Formerly Inter University Consortium for DAE Facilities)
(An Autonomous Institution under University Grants Commission, MHRD, Government of India)
Mumbai Centre, 246-C, 2nd Floor, CFB, B.A.R.C., Trombay, Mumbai – 400 085.
Ph.: +91 22 2550 5327, 2559 4727, 2559 7117 Fax : +91 22 2550 5402
Email: iuc@barc.gov.in; pawankumar@barc.gov.in

NOTICE INVITING TENDER

UGC-DAE Consortium for Scientific Research, Mumbai Centre invites Offers in sealed cover, from eligible bidders for supply of the under mentioned:

Tender Nos. & Date	Description of Item
01/2025-26 Dated 13th February, 2026	Closed Cycle Refrigerator (CCR) based CRYOFURNACE for Neutron Diffraction Experiments

1. The last date of submission of sealed Offer is 12th March, 2026
2. Corrigendum and/or Addendum if any, shall only be hosted at www.csr.res.in Bidders are requested to see the website for such information.
3. The tender documents shall be available at http://www.csr.res.in/tender.html

Administrative Officer-I

MADHYA PRADESH RAJYA BEEJ EVAM FARM VIKAS NIGAM

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
(ISO 9001:2015 Certified) GST-23AABCM0088D1Z8
Beej Bhawan, 36, Mother Teresa Marg, Arera Hills, Bhopal-462011
Phone : 0755-2775048, E-mail : mdbeejnigam@gmail.com,
Website : mpssfdc.mp.gov.in

क्रमांक-एफओ /मार्के/सेल्स पार्टनर/2026/4596 दिनांक : 13.02.2026

"सीड सेल्स पार्टनर रुचि की अभिव्यक्ति (EOI)"

म.प्र. राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम द्वारा प्रदेश के कृषकों को उन्नत, उच्च गुणवत्ता युक्त, नवीन किस्मों के आधार एवं प्रमाणित बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अनुभवी कंपनी/डीलर/विक्रेताओं/संस्थान को सेल्स पार्टनर्स के रूप में इंपैनल्ड किये जाने के लिए दिनांक 06.03.2026 तक रुचि की अभिव्यक्ति www.mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित कि जा रही है।

निगम द्वारा मुख्यतः गेहूं, चना, मटर, मसूर, अलसी, सरसों, जौ (बारले), कपास, धान, सोयाबीन, मक्का, मूंग, उड़द, कोदो, कुटकी, मूंगफली एवं अन्य फसलों के बीज उत्पादित किये जाते हैं। सेल्स पार्टनर हेतु चयनित कंपनी/डीलर/वितरकों/संस्थान को बीज निगम द्वारा आकर्षक कमीशन, मार्केटिंग सपोर्ट, तकनीकि सपोर्ट एवं दीर्घकालिक व्यावसायिक सहयोग प्रदान किया जाएगा। बीज निगम का उद्देश्य अपने वितरण नेटवर्क का विस्तार करते हुए प्रदेश के किसानों तक शासकीय दर पर उच्चगुणवत्तायुक्त बीज पहुंचाना है।

इच्छुक व्यक्ति/कंपनी/डीलर/वितरक/संस्थान अधिक जानकारी, नियम शर्तों हेतु www.mptenders.gov.in की वेबसाइट पर विजिट करें।

म.प्र. माध्यम/124478/2026 — प्रबंध संचालक

भारत सरकार अंतरिक्ष विभाग

सीएमजी, एसडीएससी - शार, श्रीहरिकोटा - 524124

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना : शुद्धिपत्र -1 (बिक्री अवधि विस्तार)

ई-निविदा सूचना संख्या: PT-E-25-029 — दिनांक 22-01-2026

वर्ष 2026-27 हेतु (टर्म संविदा-VII) नोदक परिसर, रसायनी में लघु वैद्युत कार्य अनुरक्षण के क्रियान्वयन का टर्म संविदा (अनुमानित लागत ₹ 25 लाख):

बिक्री अवधि 24.02.2026 तक बढ़ा दी गई है।

इच्छुक निविदाकर्ता अधिक जानकारी के लिए https://www.isro.gov.in/Tenders.html या www.tenderwizard.com/ISRO पर जा सकते हैं।

हस्ताक्षरित- समूह प्रधान, सीएमजी / एसडीएससी शार

CCI NG 3.7 Product: NBTMumbaiBS PubDate: 14-02-2026 Zone: Mumbai Edition: 1 Page: NBTMP9 User: c-suman.v@timesofindia.com Time: 02-13-2026 22:34 Color:

फटाफट खबरें

25 लाख टन गेहूं निर्यात की इजाजत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : सरकार ने 25 लाख टन गेहूं निर्यात की मंजूरी दी है। साथ ही, गेहूं के उत्पादों को भी 5 लाख टन तक निर्यात करने की इजाजत दी गई है। मौजूदा शुगर सीजन 2025-26 में चीनी मिलों को और 5 लाख टन चीनी निर्यात की भी छूट मिली है। इससे पहले मौजूदा सीजन में 15 लाख टन चीनी निर्यात की इजाजत दी गई थी। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

RBI ने कई कंपनियों पर लगाया जुर्माना

■ पीटीआई, मुंबई : RBI ने नियमों की अनदेखी पर शुक्रवार को बैंक ऑफ महाराष्ट्र, DCB बैंक और CSB बैंक पर जुर्माना लगाया है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र पर 32.50 लाख रुपये, DCB बैंक पर 29.60 लाख रुपये और CSB बैंक पर 63.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा, Navi Finserv पर 3.80 लाख रुपये और IIFL फाइनेंस पर 5.30 लाख रुपये का जुर्माना ठोका है।

10 महीने के लो लेवल पर पहुंचा निफ्टी IT इंडेक्स

IT, मेटल में बिकवाली से सेंसेक्स 1,048 अंक टूटा

AI Image

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई : भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स और निफ्टी 1 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए। सबसे ज्यादा मार मेटल, IT और कमोडिटी शेयरों पर पड़ी। जानकारों का कहना है कि कंपनियों के तिमाही नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे हैं। साथ ही, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की वजह से IT सेक्टर में आने वाली दिक्कतों के डर ने भी निवेशकों का सेंटिमेंट खराब कर दिया।

उतार-चढ़ाव से भरे इस कारोबार में सेंसेक्स 1,048.16 अंक (1.25%) गिरकर 82,626.76 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 336.10 अंक (1.30%) फिसलकर 25,471.10 पर बंद हुआ। BSE स्मॉलकैप इंडेक्स 1.90% और मिडकैप 1.19% तक गिर गए। अगर पूरे हफ्ते की बात करें, तो सेंसेक्स में 953 अंकों (1.14%) की गिरावट आई, जबकि निफ्टी 222 अंक (0.86%) नीचे गिरा है। इस गिरावट की वजह से निवेशकों को भारी चपत लगी है। BSE में लिस्टेड कंपनियों की कुल मार्केट वैल्यू करीब 7.02 लाख करोड़ रुपये कम हो गई। अब यह घटकर 465.46 लाख करोड़ रुपये रह गई है।

- मेटल इंडेक्स : 3.21% की सबसे बड़ी गिरावट।
- Nifty IT बंद : 32681.50 (1.44% गिरावट)
- सेंसेक्स क्लोजिंग : 82,626.76 (1.25% नीचे)।
- निफ्टी क्लोजिंग: 25,471.10 (1.30% नीचे)।

मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशल सर्विसेज के रिसर्च हेड सिद्धार्थ खेमका ने बताया कि कमजोर नतीजों और AI की वजह से IT सेक्टर पर बढ़ते दबाव ने बाजार को नीचे खींच लिया। निफ्टी IT इंडेक्स शुक्रवार को 10 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया। निवेशकों को डर है कि AI के आने से पुरानी सर्विस कंपनियों की कमाई कम हो सकती है।

मेटल शेयरों में भारी मुनाफावसूली देखी गई। रूस के फिर से डॉलर सिस्टम में लौटने की खबरों और मजबूत डॉलर की वजह से मेटल कंपनियों के मुनाफे पर दबाव बढ़ गया। इस वजह से मेटल 3.21% गिर गया। इसके बाद रियल्टी, कमोडिटी और पावर सेक्टर में भी 2% के आसपास की गिरावट आई। वहीं, दिल्ली के जूलर्स बाजार में चांदी की चमक 13,500 रुपये प्रति किलो तक फीकी पड़ गई, जबकि सोना भी 2,400 रुपये सस्ता हो गया।

वेनेजुएला से तेल खरीदेगा रिलायंस, US से लाइसेंस

■ पीटीआई, नई दिल्ली : मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) को वेनेजुएला से सीधे कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिका से जनरल लाइसेंस मिल गया है। सूत्रों के मुताबिक, जनवरी के आखिर में जिन अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को वेनेजुएला से सीधे तेल सौदा करने का अमेरिका से लाइसेंस मिला है, रिलायंस उनमें से एक है। पिछले महीने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़े जाने के बाद से अमेरिका ने वहां के एनर्जी सेक्टर पर लगी पाबंदियों में ढील दी है। अमेरिका चाहता है कि वेनेजुएला से तेल की सप्लाई दोबारा शुरू हो सके। फिलहाल, इस खबर पर रिलायंस की तरफ से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सूत्रों का कहना है कि वेनेजुएला से तेल खरीदना भारत की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह तेल के लिए केवल एक देश पर निर्भर नहीं रहना चाहता। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब रूस से होने वाले आयात में कमी आने की संभावना है।

कस्टमर्स के मुद्दों पर रैपिडो ने दिए जवाब

'फोन का मॉडल देख नही तय होता कैब का किराया'

पवन गुंटुपल्ली

NBT इंटरव्यू

टैक्सी, ऑटो और बाइक के लिए ऐप आधारित सर्विस का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। एक तरफ राइडर्स की शिकायतें बढ़ रही हैं, दूसरी तरफ ड्राइवर भी संतुष्ट नहीं दिखते। कैब एग्रिगेटर ग्राहकों और ड्राइवरों को खुश रखने के लिए क्या कर रहे हैं, इस पर रमेश तिवारी ने Rapido के कोफाउंडर पवन गुंटुपल्ली से बात की।

Q हाल ही में ऐप आधारित सर्विस से जुड़े ड्राइवर हड़ताल पर थे और कह रहे थे कि एग्रीगेटर लाभ कमा रहे हैं जबकि हमें गरीबी में धकेला जा रहा है। इस धारणा को तोड़ने के लिए आपकी रणनीति क्या है?

हम अपने ड्राइवरों को कैप्टन कहते हैं। मेरा मानना है कि Rapido कैप्टन एप्लिकेशन पर काम करने वाले बहुत से लोग हड़ताल पर नहीं गए। एक कारण यह है कि हमने दो साल पहले एक नया मॉडल शुरू किया, उसकी एक मुख्य विशेषता शून्य कमीशन है। भुगतान सीधे कैप्टन को किया जाता है। इसी कारण हम उन्हें आकर्षित कर पाए।

Q अक्सर जब ड्राइवर राइड रद्द करता है या रद्द करने के लिए मजबूर करता है, रूट बदल देता है, तब यात्रियों पर जुर्माना लगाया जाता है। क्या कोई निष्पक्ष तंत्र हो सकता है?

यह एक चुनौती जिसे हम सुलझा रहे हैं, वह यह सुनिश्चित करना है कि कैप्टन ड्रॉप लोकेशन को सही तरीके से समझें। कुछ लोग उन पतों को नहीं पढ़ पाते जो कभी-कभी अंग्रेजी में होते हैं। हम बदलाव ला रहे हैं। इसमें पहला है वॉइस आधारित ऑर्डर जनरेशन। यह नाम को जोर से बोलेगा, जैसे करोल बाग में ड्रॉप। बहुतों के लिए डिजिटल साक्षरता, Google Maps की समझ सामान्य नहीं है। यह भी एक प्रकार की शिक्षा है जिसे हम लगातार देने की कोशिश कर रहे हैं।

Q ज्यादातर बाइक टैक्सी वाले बहुत ही खराब गुणवत्ता वाले प्लास्टिक के हेलमेट लेकर आते हैं। क्या हेलमेट सुनिश्चित करने के लिए कोई तकनीकी समाधान है?

हम इस समस्या को दो तरीकों से सुलझा रहे हैं। जब कैप्टन लॉगिन करता है, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि वह व्यक्ति और उसका हेलमेट सही और मानक के अनुसार हो। हम यात्रियों से यात्रा के दौरान पूछते हैं कि क्या कैप्टन ने आपको सही हेलमेट दिया? अगर कोई ग्राहक नहीं कहता है, तो उस कैप्टन को तब तक राइड की अनुमति नहीं मिलती जब तक कि वह हमारे ऐप में स्कैन के माध्यम से सही हेलमेट पेश न करे। हम दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और अन्य प्राधिकरणों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हमने गुड़गांव और दिल्ली में कई अभियान किए हैं, जैसे फ्री हेलमेट वितरण अभियान और रोड सेफ्टी ड्राइव। हमारे ट्रैकिंग सिस्टम की वजह से Rapido कैप्टन्स आम बाइक ड्राइवर्स की तुलना में अधिक सुरक्षित हैं।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए आपने कौन से नए कदम उठाए हैं?

सबसे पहली बात है महिलाओं के लिए अलग कैटिगरी लॉन्च करना, जिसे हमने 'स्कूटी' कहा है। स्कूटी में ड्राइवर और यात्री के बीच अधिक दूरी रहती है, जिससे महिला यात्री अधिक सुरक्षित महसूस करती है। जल्द ही इसे दिल्ली में शुरू किया जाएगा। दूसरी महत्वपूर्ण पहल है 'Rapido Pink'। इसमें वाहन चलाने वाली कैप्टन महिला होंगी और केवल महिला ग्राहक ही इस सेवा का उपयोग कर पाएंगी। कस्टमर इमरजेंसी सपोर्ट भी 24/7 उपलब्ध है। यदि आपकी राइड अचानक 10 मिनट से अधिक समय के लिए रुकी रहती है, तो आपको पहले नोटिफिकेशन मिलता है और यदि कोई प्रतिक्रिया नहीं होती तो कॉल भी की जाती है।

Q हाल ही में कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने नोटिस जारी किए कि कुछ ऐप्स उपयोगकर्ता के फोन मॉडल के आधार पर अलग-अलग किराया चार्ज कर रहे हैं। आपका इस पर क्या स्टैंड है?

Rapido हमेशा निष्पक्ष और पारदर्शी प्लेटफॉर्म रहा है। हम कभी भी फोन मॉडल या अन्य किसी आधार पर अलग-अलग मूल्य नहीं लेते।

Q सर्ज प्राइसिंग इस बिजनेस का मुख्य आधार है। अब सहकारिता मॉडल भी उभर रहा है, जिसमें सर्ज प्राइसिंग पर लिमिटेशन है। लोकल ऐप्स भी आ रहे हैं। Rapido इस बदलाव से कैसे निपटेगा?

हम हमेशा इनोवेशन और बेहतर मॉडल को अपनाने के लिए तैयार हैं। अगर नए ऐप या सहकारिता मॉडल कैप्टन और ग्राहक के लिए फायदे लेकर आते हैं, तो हम सीखने और अपनाने के लिए हमेशा तैयार हैं।

Q दिल्ली में Rapido जल्द ही क्या नया लाने वाला है?

Scooty कैटिगरी और रैपिडो पिंक तो आएगा ही। फिलहाल लगभग 5% वाहन इलेक्ट्रिक हैं। और इसे लगातार बढ़ाया जाएगा- बाइक और ऑटो दोनों में। जल्द ही सिंगल ट्रांजैक्शन में पूरे सफर की सुविधा- घर से मेट्रो स्टेशन, मेट्रो टिकट, और मेट्रो स्टेशन से घर तक की राइड बुक होगी।

नीति आयोग ने बताया, कैसे इलेक्ट्रॉनिक्स में बनेंगे टॉप

AI Image

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : इलेक्ट्रॉनिक्स भारत का दूसरा बड़ा एक्सपोर्ट सेक्टर बन चुका है, लेकिन इसका फोकस काफी हद तक असेंबली आधारित मैन्युफैक्चरिंग पर बना हुआ है। दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक्स का बड़ा केंद्र बनने के लिए भारत को कंपोनेंट्स की मैन्युफैक्चरिंग और वैल्यू एडिशन पर जोर लगाना होगा। नीति आयोग ने शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही।

> भारत को मैन्युफैक्चरिंग और वैल्यू एडिशन पर जोर देना होगा

आयोग ने ट्रेड वॉच क्वॉर्टरली में कहा कि ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स डिमांड में भारत का हिस्सा साल 2015 से 2024 के बीच 17.2% CAGR से बढ़ा है, जबकि इसी दौरान ग्लोबल ग्रोथ 4.4% रही। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट करीब 42.1 बिलियन डॉलर का है, जबकि ग्लोबल मार्केट 4.6 ट्रिलियन डॉलर का है। भारत ने मोबाइल फोन, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इक्विपमेंट्स के मामले में अच्छा दमखम दिखाया है।

इसमें कहा गया कि ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेड बहुत हद तक पूर्वी एशिया में केंद्रित है और चीन, ताइवान, साउथ कोरिया और वियतनाम इंटीग्रेटेड सर्किट्स और सेमीकंडक्टर जैसे हाई-टेक कंपोनेंट्स बनाने में आगे हैं। वहीं, भारत मुख्य रूप से मोबाइल फोन, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इक्विपमेंट्स असेंबली करते हुए फिनिश्ड इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स का सप्लायर बना हुआ है। भारत में वैल्यू एडिशन, टेक्नोलॉजिकल लर्निंग और सप्लाई चेन इंटीग्रेशन के मोर्चे पर कमजोरी है। रिपोर्ट में सलाह दी गई कि भारत को कॉस्ट डिसएडवांटेज दूर करने, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स का फायदा उठाने और स्ट्रैटेजिक कंपोनेंट्स की मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की जरूरत है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स एक्सपोर्ट बढ़ सके।

UPI यूजर्स QR कोड स्कैन करके NPS खाता खोल सकेंगे: PFRDA

- तीन पेंशन फंड कंपनियां ऐसी योजनाएं लाने पर काम कर रही हैं, जिनमें निवेशकों को पेंशन के साथ-साथ हेल्थ कवर (बीमा) की सुविधा भी मिलेगी। : PFRDA चीफ

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: पेंशन रेगुलेटर (PFRDA) के चेयरमैन शिवसुब्रमण्यम रमण ने शुक्रवार को बताया कि तीन पेंशन फंड कंपनियां ऐसी योजनाएं लाने पर काम कर रही हैं, जिनमें निवेशकों को पेंशन के साथ-साथ हेल्थ कवर (बीमा) की सुविधा भी मिलेगी। रमण ने बताया कि यह हेल्थ कवर या तो बीमा कंपनियों के साथ हाथ मिलाकर दिया जाएगा या फिर सीधे अस्पतालों और हेल्थकेयर नेटवर्क के जरिए उपलब्ध कराया जाएगा।

रमण ने कहा, जल्द ही केवल तीन स्टेप्स में UPI यूजर्स QR कोड स्कैन करके अपना NPS खाता खोल सकेंगे। उन्होंने कहा कि NPCI के UPI प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल 80 करोड़ से ज्यादा लोग करते हैं, जिनका बैंक के पास पहले से KYC रेकॉर्ड मौजूद है। थर्ड-पार्टी ऐप्स के जरिए लोगों को डिजिटल तरीके से आसानी से NPS से जोड़ा जा सकता है।

रमण ने बताया कि NPS खाते में अब एक खास 'हेल्थ बॉक्स' की सुविधा मिलेगी। इसके जरिए खाताधारक अस्पताल के खर्चों के लिए हेल्थ इंश्योरेंस के ऊपर एक 'टॉप-अप' की तरह पैसा इस्तेमाल कर पाएंगे। यह उन बुजुर्गों के लिए एक बड़ा सहारा है जिन्हें ज्यादा उम्र की वजह से नया हेल्थ इंश्योरेंस मिलने में दिक्कत आती है।

रमण ने बताया कि NPS में सब्सक्राइबर्स को जल्द दो चॉइस दे जाएंगी। जिन्हें एन्युटि नहीं चाहिए, उन्हें पेंशन पे-आउट ऑप्शन दिया जाएगा। इसमें मिनिमम एश्योर्ड रिटर्न दिया जाएगा। सेल्फ एम्प्लॉईड लोगों को NPS की तरफ मोड़ने के लिए PFRDA इसमें आसान एंट्री, मल्टिपल स्कीम फ्रेमवर्क, हेल्थ इंश्योरेंस बॉक्स जैसे ऑप्शन उपलब्ध करवाए हैं और इसे UPI से जोड़ देने पर तेजी से काम कर रहा है।

PFRDA चेयरमैन ने कहा कि रेगुलेटरी बॉडी ने अक्टूबर में शुरू किए गए मल्टीपल स्कीम फ्रेमवर्क के लिए अच्छा रुझान देखा है और NPS के लिए डिस्ट्रीब्यूशन चैनल शायद तेजी से बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, 'कई बड़े बैंकों ने इसे एक फायदेमंद रेवेन्यू सेगमेंट के तौर पर देखा है। बड़े बैंक ज्यादा लोगों को NPS में लाएंगे।' रमण ने बताया कि AIF की तर्ज पर अन्य असेट क्लास जैसे रियल इस्टेट, प्रॉजेक्ट फाइनैंस जैसे अन्य कई विकल्पों में निवेश पर भी PFRDA विचार कर रहा है।

गुड न्यूज

विचार

सफलता उस व्यक्ति को मिलती है जो अपनी गलतियों पर हंस सके और उनसे सीखकर आगे बढ़ सके।

– कंफ्यूशियस (Confucius)

ज़रा हंस लें

पत्नी : हैलो! कहां हो? पति : याद है, पिछली दीपावली पर हम एक जूलरी शॉप में गए थे जहां तुम्हें एक हार पसंद भी आ गया था। पत्नी : हां! याद आया पति : और उस समय मेरे पास पैसे नहीं थे। पत्नी (खुशी से) : हां! हां! याद है। पति : और फिर मैंने कहा था कि ये हार एक दिन मैं तुम्हें लेके दूंगा। पत्नी (और ज्यादा खुशी से) : हां हां हां... बहुत अच्छी तरह से याद है। पति : तो बस उसी की बगल वाली दुकान में बाल कटवा रहा हूं, थोड़ा लेट आऊंगा

कविता

फिर और निखरा हूं

AI Image

गिरा हूं टूटा हूं बिखरा हूं
उठा हूं फिर और निखरा हूं
गिरना अंत नहीं है सबक है
झुकेगा आसमां अगर ललक है
गिरना बढ़ने का इक क्रम है
बढ़ेगा बिन गिरे ये भ्रम है
ठोकरें खाएंगे हम नई राह पर
सम्भलेंगे सम्भालेंगे हर कराह पर
सांप सीढ़ी सा ये खेल जिंदगी
सुख दुख का है ये मेल जिंदगी
ठोकरें खाएंगे जो प्रयासरत हैं
मंजिलें कदमों में जिनका आस रथ है

– मंदीप खेदी, NBT रीडर

पॉजिटिव सोच के साथ आपने भी कोई कविता लिखी है, तो हमें ईमेल nbtreader@timesofindia.com पर भेजें। जिसे मिल सकता है अगले अंक में छपने का मौका।

इंसान और टाइगर दोनों रहेंगे सेफ, सुंदरवन में स्मार्ट बिजूका देगा पहरा

KrishnenduMukherjee
@timesofindia.com

■ सुंदरवन की घनी झाड़ियों और दलदली जमीनों पर बसने वाले परिवारों के लिए रात का सन्नाटा टाइगर के खौफ का पर्याय है। दक्षिण 24 परगना के गांवों में एक दहाड़ से दहशत का माहौल बन जाता है। लेकिन, अब इन सहमी हुई बस्तियों में 'स्मार्ट बिजूका' (Smart Scarecrows) के रूप में उम्मीद की किरण जगी है। 2024 में अब तक करीब 15 बार टाइगर जंगल से निकलकर बस्तियों में घुसे हैं, जबकि पिछले साल यह गिनती सिर्फ 2 थी। भारतीय सुंदरवन में टाइगर की तादाद अब 101 के करीब पहुंच गई है, जो इस इलाके की वहन क्षमता के करीब है। जगह की कमी के कारण टाइगर शिकार की तलाश में अक्सर गांवों का रुख करते हैं।

क्या है यह स्मार्ट बिजूका?: इंसानों-जानवरों के टकराव को टालने के लिए वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया (WTI) और वन विभाग ने 'ANIDERS' (एनिमल इंट्रूजन डिटेक्शन एंड रिपेलेंट सिस्टम) तकनीक पेश की है। यह सोलर पावर से चलने वाला एक संवेदनशील डिवाइस है। इसके इन्फ्रारेड सेंसर 30 मीटर के दायरे में किसी भी बड़े जानवर की दस्तक को पहचान लेते हैं और तुरंत तेज फ्लैश लाइट के साथ डरावने अलार्म बजाने लगते हैं। इस अचानक हुए शोर और रोशनी से टाइगर सहमकर बिना किसी को नुकसान पहुंचाए वापस जंगल लौट जाता है। यह तकनीक बिन जानवर को जख्मी किए इंसानी जिंदगियों को महफूज रख रही है, जो सुंदरवन के लोगों के लिए किसी रक्षक से कम नहीं है।

- जैसे ही कोई टाइगर गांव के करीब आएगा, यह स्मार्ट डिवाइस तेज रोशनी और डरावनी आवाजों से उसे बिना चोट पहुंचाए वापस जंगल की ओर मोड़ देगा
- सोलर पावर से चलने वाले इस सिस्टम और AI कैमरों की मदद से अब न किसी की जान जाएगी और न ही किसी घर में दहशत होगी

डिवाइस लगाने का काम ज़ोरों पर

दक्षिण 24 परगना की DFO निशा गोस्वामी का कहना है कि रायदिघी रेंज के कुलतली ब्लॉक में, जहां टाइगरों के आने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है, वहां हॉटस्पॉट इलाके में चार ऐसी डिवाइस लगा दिए गए हैं। जल्द ही चार और लगाए जाएंगे।

UP में भी प्रयोग रहा सफल

यह तकनीक नई नहीं है। अभिषेक घोषाल ने बताया कि यूपी के पीलीभीत और लखीमपुर खीरी में जहां 'गन्ने के खेतों वाले बाघ' बड़ी समस्या थे, वहां भी इन डिवाइसेस ने बहुत अच्छा काम किया है। अब देखना यह है कि सुंदरवन के दलदली और मैंग्रोव वाले माहौल में यह कितना कारगर होता है।

AI कैमरों से नजर

WTI के फील्ड ऑफिसर सम्राट पॉल ने बताया कि इन डिवाइसेस के साथ AI कैमरे भी लगाए जाएंगे। इससे वन विभाग को तुरंत अलर्ट भी मिलेगा और टाइगर की तस्वीरें भी कैद हो सकेंगी। यह तकनीक इंसान और जानवर दोनों को सुरक्षित रखने का आसान तरीका है।

खेतों में उड़ेगी 'रोबॉटिक तितली', बचाएगी किसान की खून-पसीने की कमाई

Litha.Achari
@timesofindia.com

फसल की हो सकेगी निगरानी

- वेब और मोबाइल से फसल की सेहत का रियल-टाइम अपडेट।
- फसल की बीमारी का तुरंत पता चलेगा, समय पर इलाज हो सकेगा।
- कीटनाशकों का इस्तेमाल कम होगा और खेती का खर्च घटेगा।
- फसल को खराब होने से बचाकर पैदावार के नुकसान को रोक सकेंगे।
- खेत से मिलने वाले डेटा से अगली फसल की बेहतर तैयारी में मदद।

ये फीचर्स हैं खास

- AI, रोबॉटिक्स, सेंसर्स और GPS जैसी आधुनिक तकनीकों का एक साथ इस्तेमाल।
- AI तकनीक से गन्ने की बीमारियों को एकदम सही तरीके से पकड़ा जा सकेगा।
- खेत की कठिन परिस्थितियों में भी यह मशीन अपने आप काम करने में सक्षम।
- खेती में हो रही इनोवेशन का मिलेगा सपोर्ट।

■ इंदौर: फसलों के रोगों से जूझ रहे गन्ना किसानों को अब एक अद्भुत तितली के आकार का उड़ने वाला रोबॉट मिलेगा, जो फसल के बीच उड़कर कीट संक्रमण का पता लगा सकेगा। इस उड़ने वाले रोबॉट को इंदौर के श्री गोविंदराम सेकसरिया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी एंड साइंस (SGSITS) और दिल्ली टेक्नॉलजिकल यूनिवर्सिटी (DTU) के शोधकर्ताओं ने मिलकर डिजाइन किया है।

SGSITS के आईटी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर उपेंद्र सिंह और DTU के डॉ. संजय पाटीदार ने इंदौर में इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व किया। इस उपकरण ने पत्तियों की नजदीकी तस्वीरें लीं और एआई का उपयोग कर लाल सड़न (रेड रॉट), स्मट, विल्ट और रैटून स्टंटिंग जैसे रोगों की प्रारंभिक अवस्था में पहचान की। जीपीएस टैगिंग से प्रत्येक संक्रमित पौधे के सटीक स्थान की जानकारी मिली, ताकि किसान सीधे प्रभावित स्थानों पर जाकर केवल जरूरी ट्रीटमेंट कर सकें और स्वस्थ फसल क्षेत्रों में फैलाव को रोक सकें।

सिंह ने बताया कि गन्ने के खेत घने और ऊंचे होते हैं और कई संक्रमण ऐसे क्षेत्रों में शुरू होते हैं जिनका नियमित निरीक्षण करना मुश्किल होता है। ड्रोन फोटो में फसल के अंदरूनी हिस्सों का विवरण नहीं दे पाते। टीम ने पहले इस रोबॉट को एक ग्राउंड वीकल मॉडल के रूप में विकसित किया था, लेकिन बाद में खेत कवरेज को बेहतर बनाने के लिए तितली और पक्षी से प्रेरित संरचना वाले हल्के उड़ने वाले प्लैटफॉर्म में बदला। शोधकर्ताओं ने इसका पेटेंट दायर किया है, स्वीकृति का इंतजार है।

जादुई झांकियों और वीमेन पावर की परेड

AP

अमेरिका के न्यू ऑर्लियन्स का सबसे बड़ा और मशहूर उत्सव 'मार्डी ग्रास' का जादुई अंदाज! 'क्रेवे ऑफ न्यूक्लेज' की इस भव्य ऑल-फीमेल परेड ने अपनी जादुई झांकियों और मशहूर 'ग्लिटर शूज' से सतरंगी रंग बिखेरे। यह परेड कलात्मकता, व्यंग्यपूर्ण फ्लोट्स और ग्लिटर से सजे खास जूतों के लिए मशहूर है, जो वीमेन पावर और रचनात्मकता का प्रतीक है।

48 प्रजातियों और लोक कलाओं वाला यह खास मैप स्कूलों में फ्री बांटा जाएगा

गोवा का पहला प्रकृति और संस्कृति वाला मैप तैयार

Gauree.Malkarnekar
@timesofindia.com

> चित्रों को लोक शैली में बनाया गया, ताकि वे बच्चों को आकर्षित करें, लेकिन कार्टून जैसा न लगे

■ पणजी: गोवा की खूबसूरत वादियों में रहने वाले बच्चों के लिए अब अपनी मिट्टी की महक और कुदरत के अनमोल खजानों को समझना और भी आसान होगा। वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड (WWF) इंडिया ने राज्य का पहला ऐसा अनूठा 'बायोडायवर्सिटी और सांस्कृतिक मैप' तैयार किया है, जो बच्चों को उनकी जड़ों से रूबरू कराएगा।

इस खास मैप में गोवा की 48 प्रजातियों को जगह मिली है, जिनमें बाघ और कैटफिश से लेकर सुंदर पक्षी और मैंग्रोव तक शामिल हैं। सिर्फ प्रकृति ही नहीं, इसमें गोवा की 'कावी कला', पारंपरिक 'कुनबी वेशभूषा' और 'मननोटपनी' (मालमठा पूजा) जैसी सांस्कृतिक झलकियां भी बड़े प्यार से पिरोई गई हैं। प्रसिद्ध कलाकार सुदर्शन शॉ ने इन्हें बेहद सुंदर लोक शैली में उकेरा है, ताकि ये बच्चों को अपनी ओर आकर्षित कर सकें। WWF-गोवा के राज्य समन्वयक आदित्य काकोडकर कहते हैं कि अक्सर स्कूलों में बच्चों को सिर्फ एक दिन दूरबीन से पक्षी दिखाकर छोड़ दिया जाता है, लेकिन यह मैप स्कूलों की दीवारों पर सदा के लिए सजेगा और बच्चों की रोजमर्रा की बातचीत का हिस्सा बनेगा। नई शिक्षा नीति (NEP) के तहत इस पहल के लिए अब तक करीब 450 शिक्षकों को ट्रेनिंग भी दी जा चुकी है। यह मैप स्कूलों में मुफ्त बांटा जाएगा, ताकि हर बच्चा गर्व के साथ अपनी विरासत और कुदरत को पहचान सके। यह महज एक नक्शा नहीं, बल्कि बच्चों का अपनी धरती से दिल का रिश्ता जोड़ने की एक सुंदर कोशिश है।

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in